वर्ष : 17 अंक : 259 लखनऊ रविवार, 28 सितंबर, 2025 पृष्ठ : 12, मूल्य: ₹4/- नगर संस्करण **

विश्ववार्ता

www.vishwavarta.com
सच्ची ख़बर, पैनी नज़र

मौसम
सूर्योदय : 5:46
सूर्यास्त : 6:25
अधिकतम : 31:00°
न्यूनतम : 26:00°

ई-पेपर पढ़ने के लिए स्कैन करें हमारा क्यू आर कोड

मूल्य ₹4

'या देवी सर्वभूतेषु माँ कालरात्रि रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।

निजीकरण के विरोध में प्रान्त व्यापी विरोध प्रदर्शन जारी 2 | क्या जाति अजर और अमर है 6 | बिहार चुनाव घुसपैठियों को बाहर... 12 | माता कालरात्रि देवी कवच

विजय की रैली में भगदड़

36 लोगों की मौत हुई | **50** से अधिक घायल | **10** लाख सरकार ने मुआवजा का किया एलान | **30** हजार पब्लिक की अनुमति | **60** हजार से ज्यादा पहुंची जनता

भगदड़ मचने पर एक्टर विजय ने भाषण रोक दिया, शांति की अपील की, फिर वे वहां से निकल गए।

घायल हुए बच्चों का इलाज करते डॉक्टर

भगदड़ के बाद घायल हुए लोगों को इलाज के लिए पास के अस्पताल ले जाते हुए

मरने वालों में पुरुषों के अलावा बच्चे और महिलाएं भी, केन्द्र ने तमिलनाडु से मांगा जवाब

एजेंसी

करूर। तमिलनाडु के करूर में तमिलगा वेट्री कज़गम (TVK) के प्रमुख और एक्टर विजय की रैली में हुई भगदड़ में कम से कम 36 लोगों ने दम तोड़ दिया और 50 से ज्यादा लोग घायल हो गये। मृतकों में छह बच्चे, नौ पुरुष और 16 महिलाएं शामिल हैं। मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख मुआवजे का ऐलान किया गया है। केन्द्र सरकार ने इस हादसे पर तमिलनाडु सरकार से जवाब तलब किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस हादसे पर गहरा दुःख जताया है और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है। घटना की जांच के लिए एसआईटी का भी गठन किया गया है।

टीवीके (तमिलगा वेट्री कज़गम) प्रमुख और अभिनेता विजय ने नामक्कल में यह रैली आयोजित की थी। तमिलनाडु के करूर हॉस्पिटल में हालात बहुत ज्यादा खराब हैं। बताया जाता है कि इस रैली में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे। भीड़ इतनी ज्यादा बढ़ गई थी कि वहां पर हालात बिगड़ने लगे। इस घटना के बाद, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन का बयान आया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए करूर अस्पताल से आई खबरों को चिंताजनक बताया।

जब विजय सभा को संबोधित कर रहे थे, तब भीड़ बढ़ती गई और बेकाबू हो गई तथा पार्टी कार्यकर्ताओं और कुछ बच्चों समेत कई लोग बेहोश होकर गिर पड़े। कई कार्यकर्ताओं ने स्थिति को भांप लिया और शोर मचाया। विजय ने ध्यान

> तमिलनाडु के करूर में हुई भगदड़ में हुई दुखद मौत से बेहद दुखी हूं। मृतकों के परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना।
>
> -अमित शाह, गृह मंत्री

> मैं आज रात खुद करूर जाकर पीड़ित परिवारों से मिलूंगा। उन्हें सांत्वना दूंगा और अस्पतालों में इलाज करा रहे लोगों से भी मिलूंगा। मैंने विद्यालय शिक्षा मंत्री और स्वास्थ्य मंत्री को तुरंत करूर भेजा है। इसके साथ ही तिरुचिरापल्ली, सलेम और डिंडीगुल के जिला कलेक्टरों को भी मेडिकल टीमों के साथ मदद के लिए भेजा गया है।
>
> - एम.के. स्टालिन
> मुख्यमंत्री तमिलनाडु

> तमिलनाडु के करूर में एक राजनीतिक रैली में हुई इस दर्दनाक घटना से मैं अत्यंत व्यथित हूँ, जिसमें कई लोगों की कीमती जानें चली गईं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएँ हैं और मैं सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूँ।
>
> -राहुल गांधी
> कांग्रेस नेता

दिया और अपना भाषण रोककर, खासतौर पर बनाई गई प्रचार बस के ऊपर से लोगों तक पानी की बोतलें पहुंचाने की कोशिश की।

एम्बुलेंस को भीड़-भाड़ वाली सड़क से होते हुए घटनास्थल तक पहुंचने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। बेहोश हुए लोगों को एम्बुलेंस से पास के अस्पतालों में ले जाया गया और बताया जा रहा है कि उनमें से कुछ लोगों की हालत खराब है। विजय ने स्थिति को समझते हुए अपना भाषण निर्धारित समय से पहले ही समाप्त कर दिया। इस बीच तमिलनाड के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने कहा कि 'करूर से मिली जानकारी चिंताजनक' है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री मा सुब्रमण्यम और जिलाधिकारी को हरसंभव सहायता प्रदान करने की सलाह दी। उन्होंने मंत्री अन्बिल महेश को भी सहायता प्रदान करने के लिए करूर जाने को कहा है। घटना की सूचना पर मंत्री, शीर्ष प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी करूर पहुंच गए हैं। मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा कि उन्होंने शीर्ष पुलिस अधिकारियों को करूर में सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए उचित कदम उठाने का निर्देश दिया है। स्टालिन ने करूर में आम जनता से चिकित्सकों और पुलिस के साथ सहयोग करने की अपील की। सीएम ने भगदड़ की मैजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए। कल भगदड़ के बाद की स्थिति का जायजा लेने करुर जाएंगे। उन्होंने हेल्थ मिनिस्टर और कलक्टर को राहत बचाव में शामिल होने के निर्देश दिए हैं। रैली में भगदड़ जैसी स्थिति के बाद माता-पिता और स्वयंसेवक बेहोश बच्चों को कार्यक्रम स्थल से बाहर ले जाते देखे गए, जबकि अन्य लोग एम्बुलेंस और पुलिस वाहनों के लिए जगह बनाने की कोशिश कर रहे थे। करूर के पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति को स्थिर किया और आपातकालीन सेवाओं के लिए रास्ते खोले।

राष्ट्रपति भवन ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हवाले से कहा, तमिलनाडु के करूर ज़िले में भगदड़ जैसी दुर्भाग्यपूर्ण घटना में हुई जान-माल की हानि के बारे में जानकर दुःख हुआ। मैं शोक संतप्त परिवारजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।₹ बीजेपी नेता तिमिलसाईं ने तमिलनाडु भगदड़ पर कहा, ₹यह पूरी तरह से पुलिस की ज़िम्मेदारी है। विजय ने पहली बार रैली नहीं की है। वह हमेशा भारी भीड़ जुटाते हैं, लेकिन पुलिस उपस्थित लोगों की संख्या का अंदाज़ा क्यों नहीं लगा पाई? तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने कहा कि करूर में एक राजनीतिक रैली के दौरान बच्चों सहित निर्दोष लोगों की दुखद मौत से मुझे गहरा दुख और पीड़ा हुई है।

मौलाना भूल गया था कि यूपी में सरकार है किसकी

ऐसा सबक सिखायेंगे कि पीढ़ियां दंगा करना भूल जाएंगी : योगी आदित्यनाथ

विश्ववाार्त ब्यूरो लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बरेली की घटना पर कहा- ₹बरेली में एक मौलाना भूल गया था कि शासन किसका है। वह धमकी देकर जाम लगाने की बात करता था, लेकिन हमने कहा कि न जाम होगा, न कर्फ्यू लगेगा। हम ऐसा सबक सिखाएंगे कि तुम्हारी आने वाली पीढ़ियां भी दंगा करना भूल जाएंगी।₹ योगी आदित्यनाथ ने जोर देकर कहा कि 2017 के बाद उनकी सरकार ने दंगाइयों को चुन-चुनकर सजा दी और ऐसी भाषा में जवाब दिया, जो वे समझते थे। इस सख्ती ने उत्तर प्रदेश में शांति और सुरक्षा का नया युग स्थापित किया, जिससे यूपी की ग्रोथ स्टोरी की शुरुआत हुई।

योगी ने पूर्ववर्ती सरकारों पर परिवारवाद और भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि 'चाचा-भतीजा' वसूली के धंधे में लिप्त थे और हर जिले में एक माफिया को समानांतर सत्ता चलाने की छूट दी गई थी। उन्होंने कटाक्ष किया कि सत्ता के शीर्ष पर बैठे लोग माफियाओं के सामने नतमस्तक थे। सत्ता के मुखिया माफिया के कुत्ते से हाथ मिलाकर गौरवान्वित महसूस करते थे। योगी ने कहा कि ऐसी भ्रष्ट व्यवस्था में न बेटियां सुरक्षित थीं, न व्यापारी, और न ही किसान। उन्होंने जोर देकर कहा कि जब सत्ता बेइमान और भ्रष्ट लोगों के हाथ में आती है, तो वह समाज को जाति और परिवार के नाम पर गुमराह करती है। ऐसे लोगों के लिए हमने बुलडोजर बनाया है।₹ उनकी सरकार ने माफिया राज को जड़ से उखाड़कर प्रदेश को विकास की राह पर ला खड़ा किया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश बीमारू था नहीं, इसे परिवारवाद, जातिवाद और बीमारू मानसिकता वालों ने बीमारू बना दिया गया था। परिणाम क्या था, दंगे होते थे, दंगाइयों को मुख्यमंत्री आवास में बुलाकर सम्मानित किया जाता था। दंगाइयों की आवभगत होती थी और पेशेवर अपराधी और माफियाओं के सामने सत्ता सैल्यूट करती थी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को राजधानी में एक प्रतिष्ठित मीडिया समूह द्वारा आयोजित 'विकसित उत्तर प्रदेश विजन @ 2047' कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस अवसर पर उन्होंने नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए '8 ईयर्स ऑफ यूपी गवर्नमेंट' पुस्तक का विमोचन किया और प्रदेश की प्रगति की कहानी को दमदारी से प्रस्तुत किया। उन्होंने पिछले साढ़े आठ वर्षों में उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा की चर्चा करते हुए परिवारवाद, जातिवाद और भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति को उजागर किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश की ग्रोथ स्टोरी उन लोगों के लिए अविश्वसनीय है, जो पौरुष की कमी और अपने पुरुषार्थ को करने से डरते थे। उन्होंने पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें अवसर तो मिला, लेकिन उन्होंने इसे परिवारवाद, लूट-खसोट और अराजकता का जरिया बना लिया। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में हमने ईश्वर और अपने पुरुषार्थ पर विश्वास के साथ उत्तर प्रदेश को बीमारू राज्य से बाहर निकाला। आज यह ग्रोथ स्टोरी उस कहानी को आपके सामने लाएगी।

सीएजी की रिपोर्ट का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश 2023 में 37 हजार करोड़ रुपये के राजस्व अधिशेष (रेवेन्यू सरप्लस) वाला राज्य था और वर्तमान में यह बढ़कर 70 हजार करोड़ रुपये हो गया है। इतनी बड़ी आबादी वाला राज्य बिना किसी रुकावट के अपने सभी विकास कार्यों को तेजी से आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि परिवारवाद और जातिवाद की राजनीति ने यूपी के विकास को बाधित किया था। दंगों की आग में व्यापार को बर्बाद किया गया और भ्रष्ट व्यवस्था ने नौकरशाही को अपंग बना दिया था। लेकिन आज हमने उस यूपी को फिर से भारत की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा बना दिया है।

वाल्मीकि जयंती पर सात अक्टूबर को अवकाश

लखनऊ। नवरात्रि की धूम के बीच मंगलवार, 7 अक्टूबर को महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर पूरे राज्य में सार्वजनिक अवकाश घोषित कर दिया गया है। इस दिन सभी स्कूल-कॉलेज, बैंक और सरकारी कार्यालय बंद रहेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को श्रावस्ती में इसकी औपचारिक घोषणा की है।

श्रावस्ती के ऐतिहासिक माहौल में बोलते हुए सीएम योगी ने कहा, '7 अक्टूबर को भगवान वाल्मीकि की जयंती पर प्रदेश में छुट्टी रहेगी। हर देव मंदिर में रामायण का अखंड पाठ आयोजित किया जाएगा।' उन्होंने श्रावस्ती को भारत की प्राचीन आर्थिक राजधानी के रूप में याद किया, जो बौद्ध और जैन धर्म का पवित्र स्थल भी रहा है।

सरकारी दफ्तरों में पूरे दिन अवकाश रहेगा, हालांकि इमरजेंसी सेवाएं चालू रहेंगी।

चला बाबा का हंटर, तौकीर रजा खां अंदर, दो दिन के लिए इंटरनेट बंद

बरेली बवाल पर सख्ती, चर्चित मौलाना को भेजा गया फतेहगढ़ जेल, तीन हजार उपद्रवियों पर दस एफआईआर

विश्ववार्ता संवाददाता

बरेली। बरेली को एक बार फिर दंगे की आग में झोंकने की साजिश नाकाम हो गई है। पुलिस और प्रशासन की सख्ती ने इस बार वह फैसला कर लिया जो अभी तक सिर्फ चर्चा और कयासों में रहता था। चर्चित मौलाना तौकीर रजा खां को गिरफ्तार कर लिया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सख्ती के बाद बरेली की पुलिस और प्रशासन ने मौलाना को गिरफ्तार करके यहां से फतेहगढ़ जेल भेज दिया है।

सतर्कता बरतते हुए अफसरों ने भारी फोर्स के साथ शहर में फ्लैग मार्च किया। शाम होते होते इंटरनेट को बंद कर दिया गया है। दस एफआईआर दर्ज की गई हैं, करीब तीन हजार उपद्रवियों को चिन्हित किया गया है। कल के बेहद तनाव भरे दिन के बाद बरेली में आज की सुबह कई तरह की आशंकाओं के बीच हुई। देर रात ही हाउस अरेस्ट किए गए मौलाना तौकीर रजा खां को पुलिस ने हिरासत में ले लिया था। हाउस अरेस्ट के दौरान ही मौलाना ने एक वीडियो जारी करने की कोशिश की जिसके बाद बेहद सख्त हुए प्रशासन ने मौलाना को अपनी हिरासत में ले लिया। तौकीर रजा खां समेत आठ लोगों को सुबह होते ही जेल भेज दिया गया। कई तरह की अफवाहों और खबरों के बीच डीएम अविनाश सिंह और एसएसपी अनुराग आर्य ने प्रेस कांफ्रेंस करके पूरे मामले की विस्तृत जानकारी दी। प्रेस वार्ता में एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि जुमे की नमाज के बाद कुछ स्थानों पर हिंसक प्रदर्शन हुआ था। कानून व्यवस्था कायम रखने के लिए पुलिस ने सख्ती की। उन्होंने कहा कि हमने कुल दस एफआईआर दर्ज की हैं। थाना कोतवाली में पांच एफआईआर, थाना बारादरी में दो एफआईआर और थाना किला, प्रेमनगर व कैंट

में एक-एक एफआईआर दर्ज की गई हैं।

एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि आज घटना में शामिल आठ अभियुक्तों को गिरफ्तार करके रिमांड मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया और जेल भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार करके जेल भेजे गए लोगों में मौलाना तौकीर रज़ा, सरफराज पुत्र सलीम, मनीफुद्धीन पुत्र जरीफुद्धीन, अजीम अहमद पुत्र नसीम अहमद, मोहम्मद शरीफ पुत्र मोहम्मद अहमद, मोहम्मद आमिर पुत्र मोहम्मद जाहिद, रिहान पुत्र राजू और मोहम्मद सरफराज पुत्र समीन प्रमुख हैं। एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि कोतवाली की मुख्य एफआईआर संख्या 489/25 में भारतीय दंड संहिता की कई धाराओं के साथ संगठित अपराध और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुँचाने के प्रावधान शामिल किए गए हैं।

एसएसपी श्री आर्य ने बताया कि घटनास्थल से भारी मात्रा में पत्थर के टुकड़े, टूटे बेरिकेड, चप्पल जूते, ब्लेड, 12 बोर व 315 बोर के खोके/कार्ट्रिज, जिंदा कार्ट्रिज, एक 12 बोर तमंचा, अवैध चाकू, लाठी, डंडे और पेट्रोल भरी हुई काँच की टूटी बोतलों के टुकड़े बरामद हुए हैं। साथ ही मौके पर दो वाहन क्षतिग्रस्त पाए गए हैं, जिनमें एक चार पहिया (UP-32 AG 31 37) और एक मोटरसाइकिल बरामद की गई है। उन्होंने बताया कि अब तक कुल 39 लोगों को हिरासत में लिया गया है। जिन लोगों को गिरफ़्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है, उनके विरुद्ध प्रक्रियाएं जारी हैं। बाकी हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ की जा रही है और आवश्यक वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि हमने आरोपियों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज, मैदानी इनपुट, टेक्निकल इंटेलिजेंस और सूचना इकाइयों की मदद से काम शुरू कर दिया है। जांच के दौरान यह तथ्य भी सामने आया है कि बाहरी असामाजिक तत्व और कुछ बाहरी अपराधी इस घटना में शामिल रहे। उन्होंने बताया कि इनके खिलाफ भी सूचना संग्रह कर कठोर कार्रवाई की जायेगी।

सोनम वांगचुक के पाक से संबंधों की जांच

लेह। लद्दाख के पुलिस महानिदेशक एस.डी. सिंह जामवाल ने शनिवार को कहा कि कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के विरोध-प्रदर्शनों के वीडियो सीमा पार भेजने वाले एक पाकिस्तानी खुफिया एजेंट की पिछले माह हुई गिरफ्तारी के संदर्भ में, पुलिस वांगचुक के पाकिस्तान से कथित संबंधों की जांच कर रही है। जामवाल ने सोनम वांगचुक को बुधवार को हुई हिंसा का जिम्मेदार बताया। इस हिंसा में चार लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हुए थे। वांगचुक को शुक्रवार को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत हिरासत में लेकर राजस्थान के जोधपुर की एक जेल में भेज दिया गया। जामवाल ने संवाददाताओं को बताया, ''जांच (वांगचुक के खिलाफ) में क्या पाया गया है, यह अभी सार्वजनिक नहीं किया जा सकता। प्रक्रिया जारी है। आप उनका यूट्यूब पर उपलब्ध प्रोफाइल और इतिहास देखें, तो उनके भाषण लोगों को उकसाने वाले प्रतीत होते हैं।

निजीकरण के विरोध में प्रान्त व्यापी विरोध प्रदर्शन जारी

● निजीकरण के दस्तावेज को अनुमोदित कराने हेतु पॉवर कॉरपोरेशन प्रबन्धन पर गलत आंकड़ों के आधार पर पैरवी का आरोप

विश्ववार्ता संवाददाता

लखनऊ। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश ने आरोप लगाया है कि निजीकरण हेतु तैयार किए गए आरएफपी डॉक्यूमेंट को अनुमोदित कराने हेतु पावर कार्पोरेशन प्रबंधन गलत आंकड़ों के आधार पर पैरवी कर रहा है और दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है। निजीकरण के विरोध में चल रहे आंदोलन के 304 वें दिन आज बिजली कर्मियों ने सभी जनपदो पर व्यापक विरोध प्रदर्शन जारी रखा। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश के केंद्रीय पदाधिकारियों ने आरोप लगाया है कि पावर कॉरपोरेशन के अध्यक्ष डॉक्टर आशीष गोयल पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम एवं दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण हेतु ट्रांजैक्शन कंसल्टेंट द्वारा तैयार किए गए आरएफपी डॉक्यूमेंट को अनुमोदित कराने के लिए नियामक आयोग से लेकर शासन के उच्च स्तर तक दौड़ लगा रहे हैं। पावर कारपोरेशन के अध्यक्ष मुख्य सचिव के पास जाकर गलत आंकड़ों के आधार पर घाटा दिखाकर पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम एवं दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण की पैरवी कर रहे हैं। संघर्ष समिति ने मुख्य सचिव से अपील की है कि वह निजी घरानों से मिली भगत में बनाए गए निजीकरण के आरएफपी डॉक्यूमेंट को किसी भी प्रकार मंजूरी न दें। संघर्ष समिति ने विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष को भी पत्र भेजकर मांग की है कि निजीकरण के आरएफपी डॉक्यूमेंट को कोई भी मंजूरी देने के पहले विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति का पक्ष विद्युत नियामक आयोग को सुनना चाहिए क्योंकि निजीकरण से बिजली उपभोक्ताओं के साथ सबसे अधिक प्रभाव बिजली कर्मचारियों के भविष्य पर पड़ने वाला है। संघर्ष समिति ने कहा कि पावर कार्पोरेशन प्रबंधन की निजी घरानों के साथ मिली भगत है और उन्होंने सरकारी विभागों के बकाया और सब्सिडी की धनराशि को घाटे में जोड़कर पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम एवं दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के घाटे को बढ़ा चढ़ा कर दिखाया है। संघर्ष समिति ने कहा कि इसके अतिरिक्त दोनों विद्युत वितरण निगमों की एक ए टी एंड सी हानियां बढ़ा चढ़ा कर दिखाइ गई हैं। यह पता चला है कि ए टी एंड सी हानियों को बढ़ाकर दिखाने के लिये ग्रामीण क्षेत्रों में निजी नलकूपों की बिजली खपत कम करके आंकी जा रही है। उल्लेखनीय है कि निजी नलकूपों को उत्तर प्रदेश सरकार की नीति के अनुसार मुफ्त बिजली मिलती है। एटीएंडसी हानियों को बढ़ा कर दिखाने से गत वर्ष की तुलना में विद्युत वितरण निगमों की अधिक हानि दिखाई गई है। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश सरकार लगातार इस बात का प्रचार करती रही है कि 2017 में 41% ए टी और सी हानियों को वर्तमान सरकार ने घटाकर 16% के नीचे कर दिया है। अब निजीकरण के लिए इसके विपरीत ए टी एंड सी हानियों को बढ़ाकर बताया जा रहा है जिससे चुनिंदा निजी घरानों को लाभ दिया जा सके। संघर्ष समिति ने आरोप लगाया कि आगरा और कानपुर के निजीकरण के समय भी आगरा और कानपुर शहर की ए टी एंड सी हानियों को बढ़ाकर दिखाया गया था। आगरा के विषय में कैग की रिपोर्ट में इस बात का खुलासा किया गया है और निजी कम्पनी को बेजा लाभ देने का आरोप लगाया गया है। इसके बावजूद आगरा का फ्रेंचाइजी करार रद्द करने के लिए पॉवर कार्पोरेशन प्रबंधन ने आज तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया। निजीकरण के विरोध में चल रहे आंदोलन के 304 वे दिन आज वाराणसी, आगरा, मेरठ, कानपुर, गोरखपुर, मिर्जापुर, आजमगढ़, बस्ती, अलीगढ़, मथुरा, एटा, झांसी, बांदा, बरेली, देवीपाटन, अयोध्या, सुल्तानपुर, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, बुलंदशहर, नोएडा, गाजियाबाद, मुरादाबाद, में विरोध प्रदर्शन किया गया।

शारदीय नवरात्रि में मां पाटेश्वरी की धरा पर 'विकास की सौगात' देंगे मुख्यमंत्री

बलरामपुर। मुख्यमंत्री व गोरक्षपीठाधीश्वर महंत योगी आदित्यनाथ जी द्वारा नवरात्रि में मां पाटेश्वरी के दर्शन-पूजन के उपरांत जनपद को विकास की बड़ी सौगात देंगे। रविवार को मुख्यमंत्री यहां 825.29 करोड़ की 124 परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करेंगे। मुख्यमंत्री बलरामपुर में राजकीय पॉलीटेक्निक का लोकार्पण भी करेंगे। सड़क, पुल, शिक्षा, परिवहन, गृह, पुलिस आदि से जुड़ीं इन परियोजनाओं का लाभ मंडलवासियों को मिलेगा। रविवार को होने वाले कार्यक्रम को लेकर सारी तैयारी की जा चुकी है। जिलाधिकारी पवन अग्रवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री रविवार सुबह मां पाटेश्वरी देवी के दर्शन-पूजन व गोसेवा के उपरांत जनपदवासियों को विकास की बड़ी सौगात देंगे। डीएम ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जनपदवासियों को शिक्षा क्षेत्र में बड़ी सौगात देंगे। सीएम ने 17 फरवरी 2020 में राजकीय पॉलीटेक्निक घुघुलपुर, बलरामपुर के भवन का निर्माण कार्य का शिलान्यास किया था। 2029 लाख रुपये खर्च कर यह कार्य पूरा हो चुका है। रविवार को इसका लोकार्पण किया जाएगा। उतरौला तहसील में टाइप 3 के चार आवासीय भवन व राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय, बालापुर बलरामपुर में शिक्षक व शिक्षणेत्तर कार्मिकों के कुल 15 आवासों के निर्माण का भी शिलान्यास करेंगे। मुख्यमंत्री बलरामपुर के घुघुलपुर में बस स्टेशन के निर्माण के निर्माण कार्य का भी शिलान्यास करेंगे। इसके साथ ही राजकीय नवीन हाईस्कूल लौकीखुर्द, त्रिलोकपुर, रेहराचौकी का भी शिलान्यास करेंगे। मुख्यमंत्री थारू विकास परियोजना विशुनपुर विश्राम परिसर में कंप्यूटर व सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण केंद्र का शिलान्यास करेंगे। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालाय दत्तगंज, उतरौला, रेहरा बाजार में भी शैक्षणिक भवन व छात्रावास ब्लॉक की सौगात देंगे।

खादी फैशन शो ने खादी को दी आधुनिक पहचान

सांस्कृतिक संध्या में लोकगायन और नृत्यों ने बांधा समां, मालिनी अवस्थी के सुरों से हुआ भव्य समापन

विश्ववार्ता ब्यूरो

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस 2025) के तीसरे दिन शनिवार को प्रदर्शनी स्थल पर रिकॉर्ड तोड़ भीड़ उमड़ी। कुल 1,25,204 आगंतुकों ने ट्रेड शो का हिस्सा बनकर इसकी लोकप्रियता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा दिया। इनमें 35,368 बी2बी और 89,836 बी2सी आगंतुक शामिल रहे। कुल मिलाकर इन तीन दिनों में 2.65 लाख से ज्यादा विजिटर्स, 76 हजार से ज्यादा बी2बी बायर्स और 1.89 लाख से ज्यादा बी2सी विजिटर्स इस मेगा इवेंट का हिस्सा बन चुके हैं। इससे यह साबित हो गया कि यूपीआईटीएस 2025 अब भारत के सबसे बड़े राज्य-नेतृत्व वाले व्यापार मंचों में शुमार हो चुका है। सबसे खास उपलब्धि रही अंतरराष्ट्रीय खरीदार-विक्रेता बैठक, जिसे फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन्स (FIEO) ने आयोजित किया। इस मंच पर सीमा-पार सहयोग की नई राहें खुलीं और उत्तर प्रदेश सहित देशभर के निर्यातकों को वैश्विक खरीदारों से सीधे जुड़ने का अवसर मिला।

परिणामस्वरूप 288 एमओयू पर हस्ताक्षर हुए जिनकी कुल व्यावसायिक राशि 89 करोड़ रही। इसने स्पष्ट संदेश दिया कि उत्तर प्रदेश अब अंतरराष्ट्रीय व्यापार जगत में अपनी सशक्त पहचान बना रहा है।

एमपी शिक्षा परिषद के अध्यक्ष, पूर्व कुलपति प्रो यूपी सिंह का निधन

गोरखपुर। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष, पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. उदय प्रताप सिंह (यूपी सिंह) का शनिवार सुबह निधन हो गया। 92 वर्षीय प्रो. सिंह पिछले कुछ महीनों से अस्वस्थ चल रहे थे। अध्यापन कार्य में आने के बाद से ही उनका पूरा जीवन गोरक्षपीठ और महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद को समर्पित रहा। उनके निधन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गहरा शोक प्रकट किया है। मुख्यमंत्री रविवार को प्रो. सिंह के अंतिम संस्कार के समय गोरखपुर के राजघाट पर मौजूद रहेंगे। प्रो. सिंह अपने पीछे दो पुत्रों दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. वीके सिंह और यूपी कॉलेज के आचार्य प्रो. राजीव कृष्ण सिंह का परिवार छोड़ गए हैं। मूल रूप से गाजीपुर जिले के निवासी प्रो. यूपी सिंह का जन्म 1 सितंबर 1933 को हुआ था। वह उन विरले लोगों में शामिल रहे जिन्हें गोरक्षपीठ के लगातार तीन पीठाधीश्वरों के सानिध्य में कार्य करने का अवसर प्राप्त हुआ। गणित विषय के विद्वान रहे स्वर्गीय सिंह की बतौर शिक्षक पहली नियुक्ति गोरक्षपीठ के तत्कालीन पीठाधीश्वर महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज ने एमपी शिक्षा परिषद के महाराणा प्रताप महाविद्यालय में की थी। गोरखपुर विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए महंत जी ने यह महाविद्यालय दान में दे दिया तब यूपी सिंह विश्वविद्यालय में गणित के शिक्षक हो गए। इस विश्वविद्यालय में वह आचार्य और गणित विभाग के अध्यक्ष के रूप में ख्यातिलब्ध रहे। अपनी शैक्षिक सेवा यात्रा में उन्होंने बाद में पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर के कुलपति के रूप में भी सेवाएं दीं। महंत दिग्विजयनाथ जी के स्मृतिशेष होने के बाद प्रो. यूपी सिंह ने गोरक्षपीठाधीश्वर महंत अवेद्यनाथ जी महाराज के मार्गदर्शन में एमपी शिक्षा परिषद की सेवा की।

एक नजर

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मनाई अशोक सिंघल की जयंती

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने आज अपने सरकारी आवास सात–कालिदास मार्ग पर श्रद्धेय अशोक सिंघल जी की जयन्ती पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हे भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रीरामजन्मभूमि मंदिर आंदोलन के महानायक पूज्य अशोक सिंघल की जयंती पर उन्होंने कहा कि पूज्य अशोक सिंघल जी जैसे विराट व्यक्तित्व के धनी व्यक्ति इस धरती पर युगों में आते हैं और एक जन्म में ही सौ जन्मों से अधिक काम कर जातें हैं। कहा कि वे उनकी जयंती पर बार बार नमन करते हैं। कहा कि श्रद्धेय अशोक सिंघल जी की प्रेरणादायी सुकृत्य हम सभी के लिए सदैव मार्गदर्शक बने रहेंगे।

बढ़ती जनसंख्या के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण सेवाएं होगी उपलब्ध : एके शर्मा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की कल हुई कैबिनेट बैठक में नगरीय निकायों को जनसंख्या के आधार पर नई श्रेणियां में वर्गीकृत करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया।नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए. के.शर्मा ने बताया कि इस निर्णय का उद्देश्य नगरीय क्षेत्रों में बढ़ती जनसंख्या को ध्यान में रखते हुए नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण जनसुविधा एवं सेवाएं उपलब्ध कराना है।इससे प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता आएगी और विकास योजनाओं का क्रियान्वयन और अधिक प्रभावी तरीके से किया जा सकेगा।नगर निगमों के वर्गीकरण के अंतर्गत 20 लाख से अधिक जनसंख्या वाले नगर निगमों(लखनऊ, कानपुर नगर, गाजियाबाद, आगरा, वाराणसी, प्रयागराज) को प्रथम श्रेणी में रखा गया है। 10 लाख से अधिक एवं 20 लाख से कम जनसंख्या वाले नगर निगम(मेरठ, गोरखपुर, मुरादाबाद, बरेली, अलीगढ़, मथुरा– वृंदावन, अयोध्या) द्वितीय श्रेणी में रखे गए हैं तथा 10 लाख से कम जनसंख्या वाले नगर निगम (झांसी,सहारनपुर, फिरोजाबाद, शाहजहांपुर) को तृतीय श्रेणी में शामिल किया गया है। अयोध्या और मथुरा वृंदावन में आने वाली फ्लोटिंग जनसंख्या को देखते हुए इन शहरों को श्रेणी 2 में रखा गया है। नगर पालिका परिषदों के वर्गीकरण के अंतर्गत तीन लाख से अधिक जनसंख्या वाले नगर पालिकाओं को प्रथम श्रेणी में रखा गया है। जिला मुख्यालय में स्थित नगर पालिकाओं को द्वितीय श्रेणी में रखा गया है शेष सभी नगर पालिकाओं को तृतीय श्रेणी में वर्गीकृत किया गया है।नगर विकास मंत्री ने बताया कि उत्तर प्रदेश में जी–20 के कार्यक्रमों के तुरंत बाद, (लगभग दो वर्ष पहले) हमने प्रदेश के नगरों को वैश्विक नगर बनाने की बात किया था। इसका तात्पर्य था अपने नगरों को वैश्विक स्वरूप देना और नगरीय जीवन की गुणवत्ता की दृष्टि से प्रतिस्पर्धा में लाना। इस दिशा में अनेक कदम उठाए गए, जिसमें सबसे प्रमुख था दैनिक सफ़ाई के प्रति सजगता और सुंदरीकरण के लिए प्रतिबद्धता। साथ ही अनेक नई योजनाओं की शुरुआत की गई जैसे वैश्विक नगर योजना, सीएम ग्रिड योजना, स्टॉर्म वाटर की योजना, उपवन योजना, नए निकायों की योजना।

सीएम युवा पवेलियन युवाओं के लिए बना व्यावहारिक बिज़नेस सीखने का मंच

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा एक्सपो मार्ट में चल रहे यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस) 2025 में इन्वेस्ट यूपी पवेलियन व्यापारिक संवाद और निवेश की संभावनाओं का प्रमुख केंद्र बनकर उभरा है। यह पवेलियन निवेशकों, उद्यमियों और एमएसएमई प्रतिनिधियों को आकर्षित कर रहा है, जो उत्तर प्रदेश में निवेश, क्षेत्रीय नीतियों, प्रोत्साहन योजनाओं, भूमि उपलब्धता और ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस से जुड़ी जानकारी प्राप्त करने के लिए यहां पहुंच रहे हैं। राज्य की निवेश प्रोत्साहन एजेंसी के रूप में, इन्वेस्ट यूपी व्यवसाय स्थापित करने या विस्तार करने के इच्छुक लोगों को विशेष मार्गदर्शन प्रदान कर रहा है। इसके संवादात्मक सत्र और सक्रिय सहभागिता राज्य की नवाचार, उद्यमिता और समावेशी विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। 25–29 सितंबर तक चल रहे इस शो में ओडीओपी (एक जिला एक उत्पाद) पहल विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। मिर्जापुर के कालीन, मुरादाबाद का पीतल, फिरोजाबाद का कांच का समान, कन्नौज का इत्र और बनारस की साड़ी जैसी उत्कृष्टता वाले उत्पाद दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर रहे हैं। राज्य के स्थानीय उत्पादों की यह झलक न सिर्फ उनकी कला और कौशल को प्रदर्शित करती है, बल्कि उद्यमियों और निवेशकों के लिए व्यावसायिक अवसर भी खोलती है।

यूपी में दिखी लैंगिक समानता की नई लहर

योगी के नेतृत्व में मिशन शक्ति 5 .0 बन रहा समाजिक क्रांति का आधार

विश्ववार्ता ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में चल रहे मिशन शक्ति 5.0 अभियान ने नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को जनआंदोलन का रूप देना शुरू कर दिया है। बीते छह दिनों में योगी सरकार ने विभिन्न विभागों के समन्वय और अलग-अलग कार्यक्रमों के माध्यम से प्रदेश के कोने-कोने में अपनी पहुंच बनाई है। इसी कड़ी में महिला एवं बाल विकास विभाग ने शनिवार को पूरे प्रदेश में लैंगिक समानता पर विशेष जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।महिला सशक्तीकरण पर आधारित विभिन्न प्रकार के नुक्कड़ नाटकों ने बड़ी संख्या में लोगों को प्रभावित किया है। शहरों की गलियों, मोहल्लों, ग्राम पंचायतों की चौपालों, स्कूलों और कॉलेजों तक फैले इन नाटकों ने जन-जन में एक सशक्त संदेश छोड़ा। इस अभियान का उद्देश्य लैंगिक असमानता को समाज की प्रगति में बाधा के रूप में पहचान कराना और महिलाओं-बालिकाओं को आत्मनिर्भर, सुरक्षित व सम्मानित जीवन प्रदान करना है। बीते छह दिन में इस अभियान में 4,15,355 लोगों तक पहुंच बनाई है।

परंपरा और आधुनिकता का संगम दीदियों के हाथों का बना ब्रांड

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशों के क्रम में ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेन्टर एवं मार्ट में आयोजित इंटरनेशनल ट्रेड शो में उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा भी प्रतिभाग किया जा रहा है। ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत सभी 75 जनपदों में गठित समूहों के द्वारा प्रतिभाग किया जा रहा है। इन समूह के द्वारा बनाए गए उत्पादों का प्रदर्शन एवं उसका विपणन भी इस ट्रेड शो में किया जा रहा है। आजीविका मिशन के स्टालों पर पर भारी भीड़ आ रही है।उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि ट्रेड शो में आने वाली समूह की दीदियों को उनके द्वारा बनाए गए उत्पादों के विपणन हेतु एक बहुत अच्छा अवसर प्राप्त हुआ है एवं उनके द्वारा बनाए गए उत्पादों को एक अच्छा बाजार मिलने की भी संभावना बढ़ेगी।

निर्यात की संभावनाओं को नई उड़ान देगा ट्रेड शो : नंद गोपाल नंदी

विश्ववार्ता ब्यूरो

ग्रेटर नोएडा। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2025 न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि देशभर के उद्यमियों के लिए निर्यात की संभावनाओं को नई उड़ान देगा। यह शो युवा उद्यमियों के लिए निवेश के नए द्वारा खोलेगा। औद्योगिक विकास, निर्यात प्रोत्साहन एवं निवेश प्रोत्साहन मंत्री नंद गोपाल नंदी ने यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में आयोजित ' ई कॉमर्सः द न्यू फ्रंटियर फॉर इंडियन एक्सपोर्ट्स' नालेज सेशन में ये बातें कहीं। नालेज सेशन को एमएसएमई, खादी और ग्रामोद्योग मंत्री राकेश सचान ने भी संबोधित किया। औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल नंदी ने कहा कि किसी भी अर्थव्यवस्था को गति देने में वहां के मौलिक उद्योगों की अग्रणी भूमिका होती है। पिछले 8 वर्षों के दौरान की यूपी की विकास यात्रा इसी के अनुरूप रही है।

हमने प्रधानमंत्री की मंशा के अनुरूप वोकल फॉर लोकल और लोकल से ग्लोबल की यात्रा का न केवल ब्लूप्रिंट तैयार किया है बल्कि उसको अपनाया भी है। इसी पर अमल करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक ट्रिलियन डॉलर इकोनामिक का लक्ष्य तय किया है। हम तय समय के अंदर 1 ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए आगे बढ़ रहे हैं।

प्रदेश में खाद को लेकर हाहाकार : अखिलेश

विश्ववार्ता ब्यूरो

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में पूरे प्रदेश का किसान खाद संकट से जूझ रहा है। खाद की समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है। प्रदेश में खाद को लेकर हाहाकार है। खाद के लिए किसानों को लगातार लाइन लगानी पड़ रही है। कई जिलों की सहकारी समितियों में खाद नहीं है। किसानों को पिछले साल न गेहूं की फसल के लिए यूरिया, डीएपी मिली और न धान के लिए खाद मिली, अब आलू और चना-मटर, सरसो के लिए खाद नही मिल रही है। खाद के लिए लाइनों में लगे दो किसानों की तबियत बिगड़ रही है। भाजपा किसान विरोधी है। खाद के लिए किसी की जान चली जाय और सरकार कुछ न करे। यह संवेदनहीनता की पराकाश्ठा है। यादव ने कहा आगरा के अकोला सहकारी समिति पर खाद के लिए तीन दिन से गोदाम के चक्कर लगा रहे किसान की लाइन में तबियत बिगड़ गयी, बाद में मौत हो गयी। इससे पहले भी किसानों की साथ इस तरह की घटना हो चुकी है। भाजपा सरकार में बड़े पैमाने पर खाद की कालाबाजारी हो रही है। भाजपा की डबल इंजन की सरकार किसानों को खाद, बीज, बिजली उपलब्ध कराने में विफल है। अखिलेश यादव ने कहा भाजपा नौ साल से किसानों से झूठे वादे करती रही है। इसने किसानों को बर्बाद कर दिया। भाजपा सरकार में किसानों को लगातार धोखा मिल रहा है। इस सरकार से किसान हर तरह से पीड़ति और प्रताड़ति है। एक तरफ किसान को खाद, बिजली और अन्य सुविधाएं नहीं मिल रही है। वहीं दूसरी तरफ जंगली जानवरों के हमलों से किसानों, गरीबों में दहशत का माहौल है। बहराइच, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, पीलीभीत समेत अन्य कई जिलों में जंगली जानवर लगातार किसानों और गरीबों पर हमला कर जान ले रहे है। बच्चों को अपना निवाला बना रहे है। गरीब और किसान बेबस है। भाजपा सरकार की अकर्मण्यता से जनता में भारी आक्रोश है। भाजपा सरकार लोगों को सुरक्षा देने में असफल है। भाजपा सत्ता से हटेगी तभी किसानों को खाद, बीज मिलेगा, तभी गरीबो की सुरक्षा होगी।

री–स्पन : द खादी एडिट में खादी का आधुनिक अंदाज

ग्रेटर नोएडा। हॉल खचाखच भरा था... दर्शकों को खादी फैशन शो का बेसब्री से इंतज़ार था। जैसे ही रोशनी जली और संगीत गूंजा, सबकी निगाहें रैंप की ओर टिकी रह गईं। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2025 के तीसरे दिन आयोजित "री-स्पनः द खादी एडिट" ने उत्तर प्रदेश की कपड़ा विरासत को आधुनिक अंदाज़ में प्रस्तुत कर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर प्रदेश के एमएसएमई, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उत्पादन, वस्त्र एवं हथकरघा मंत्री राकेश सचान भी मौजूद रहे। "री-स्पनः द खादी एडिट" ने खादी को पारंपरिक परिधान से निकालकर आधुनिक फैशन की धुरी के रूप में पेश किया। रैंप पर मॉडल्स ने खादी की विविधता को हौट कॉउचर (Haute Couture) अंदाज़ में प्रदर्शित किया। कहीं चिकनकारी और रेशमी बुनावट को इंडो-वेस्टर्न लुक में ढाला गया तो कहीं खादी को ऑफिस वियर, कैज़ुअल्स और पार्टी वियर की शक्ल में प्रस्तुत किया गया। शो का उद्देश्य केवल फैशन का प्रदर्शन भर नहीं था, बल्कि यह स्थानीय बुनकरों और कारीगरों के कौशल को दुनिया तक पहुँचाने का जरिया भी बना। विदेशी बायर्स, उद्योग जगत के विशेषज्ञ और फैशन डिज़ाइनरों ने खादी की संभावनाओं पर गहरी रुचि दिखाई।

प्रवासी मज़दूर परिवारों में शिक्षा और पोषण की नई राह

विश्ववार्ता ब्यूरो

लखनऊ। प्रमुख सचिव महिला कल्याण एवं बाल विकास सेवा पुष्टाहार श्रीमती लीना जौहरी ने बताया कि ग्रेटर नोएडा का तिलपता क्षेत्र प्रवासी मज़दूर परिवारों का प्रमुख ठिकाना है। इन परिवारों के माता-पिता रोज़गार की तलाश में सुबह से शाम तक मेहनत-मज़दूरी में जुटे रहते हैं। रोज़ी-रोटी की इस जद्दोजहद में बच्चों की परवरिश, पोषण, समय पर टीकाकरण और प्रारंभिक शिक्षा जैसे पहलू अक्सर पीछे छूट जाते हैं। यही कारण था कि क्षेत्र के अधिकांश बच्चे आंगनवाड़ी केंद्रों से वंचित रह जाते और विद्यालय में प्रवेश के समय अन्य बच्चों की तुलना में पिछड़ जाते थे। इसी चुनौती को गंभीरता से समझा आंगनवाड़ी कार्यकत्री श्रीमती जयलता (आयु - 42 वर्ष) ने। उन्होंने न केवल समस्या को पहचाना, बल्कि इसे हल करने के लिए ठोस कदम भी उठाए। जयलता ने प्रवासी परिवारों तक पहुँचने का बीड़ा उठाया। वे घर-घर जाकर माता-पिता से संवाद करतीं और उन्हें समझातीं कि बच्चों का स्वास्थ्य और शिक्षा उनके भविष्य की बुनियाद है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रारंभिक शिक्षा ही आगे चलकर बच्चों के जीवन की दिशा तय करती है। आंगनवाड़ी केंद्र पर उन्होंने बच्चों को आकर्षित करने के लिए कई रचनात्मक कदम उठाए। खेल-खेल में सीखने की गतिविधियाँ, कहानी सुनाना और गीत-संगीत जैसी विधियाँ बच्चों के बीच लोकप्रिय हुईं। स्थानीय व कम लागत वाले साधनों से शैक्षिक खेल और सामग्री तैयार की गईं, जिससे बच्चे सहज रूप से केंद्र से जुड़ने लगे। इन निरंतर प्रयासों के परिणाम जल्द ही दिखने लगे। हर वर्ष 20-25 प्रवासी परिवारों के बच्चे आंगनवाड़ी केंद्र से जुड़ने लगे। बच्चों की नियमित उपस्थिति में वृद्धि हुई और उनमें आत्मविश्वास विकसित हुआ। माता-पिता भी अब अपने बच्चों के पोषण, टीकाकरण और शिक्षा के प्रति सजग हो गए हैं। कई बच्चे अब पास के विद्यालयों में दाखिल होकर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। सबसे महत्वपूर्ण बदलाव यह हुआ कि समुदाय में आंगनवाड़ी केंद्र और कार्यकर्ता के प्रति भरोसा बढ़ा है। यह बदलाव किसी आश्चर्य से कम नहीं। यह एक कार्यकर्ता की संवेदनशीलता, समर्पण और निरंतर संवाद का परिणाम है। श्रीमती जयलता ने यह साबित कर दिया कि यदि नीयत साफ़ हो और प्रयास निरंतर हों, तो समाज के सबसे वंचित वर्गों तक भी सकारात्मक परिवर्तन पहुँच सकता है।

विश्व में 4जी स्वदेशी नेटवर्क विकसित करने वाले 5 देशों में शामिल हुआ भारत : पंकज चौधरी

विश्ववार्ता ब्यूरो

लखनऊ। भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) की स्थापना के 25 वर्ष पूरा होने के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को ओडिशा के झारसुगुड़ा से देश का पहला पूर्णतः स्वदेशी 4जी नेटवर्क राष्ट्र को समर्पित किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री श्री पंकज चौधरी ने वर्चुअल माध्यम से लखनऊ से कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुये केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत अब दुनिया का पाँचवाँ ऐसा देश बन गया है, जिसने अपना पूर्ण रूप से स्वदेशी 4जी टेलीकॉम स्टैक विकसित और लागू किया है। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी के आह्वान पर भारत हर क्षेत्र में प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा कि सॉफ़्टवेयर, आई.टी. सेवाओं, इलेक्ट्रॉनिक्स और स्मार्टफोन जैसे क्षेत्रों में प्रगति हुई है, डिज़ाइन, निर्माण और नवाचार की क्षमता बढ़ी है। केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि स्वदेशी 4जी स्टैक का लॉन्च बीएसएनएल के लिए केवल एक परियोजना नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर की तकनीकी सफलता है। उन्होंने कहा कि स्वदेशी 4जी स्टैक को आने वाले समय में 5जी में विकसित किया जा सकता है जिससे देश के नागरिकों के लिए शीघ्र ही 6जी का मार्ग प्रशस्त होगा।श्री चौधरी ने कहा कि इस मिशन के लिए महीनों के कठोर परिश्रम से स्वदेशी 4जी तकनीक का विकास हुआ है और यह 2025 तक पूरी तरह गतिशील हो गया है। उन्होंने कहा कि इस प्रयास से भारत के गाँव और शहर पहले से कहीं अधिक डिजिटल रूप से जुड़ रहे हैं। यह तकनीक स्वदेशी नवाचार को बढ़ावा देती है और विदेशी आयात पर निर्भरता को कम करती है।

कार्यालय मुख्य अभियन्ता, नगर निगम, बरेली

ई-निविदा आमन्त्रण सूचना

पत्रांक 225/मु0अभि0/न0वि0/2025-26 दिनांक 27.09.25

ई-निविदा सूचना शासनादेश सं0-3800/नौ-5-140सा/2019 नगर विकास अनुभाग-05 उ०प्र० शासन लखनऊ दिनांक 20 सितम्बर, 2019 के के अनुपालन में ठेकेदारों से बार्ड सफाई हेतु निविदायें टू विठत पद्धति (तकनीकी एवं वित्तीय) के माध्यम से निम्न प्रकार से आमंत्रित की जाती है। निविदा खोले जाने की तिथि में यदि अवकाश होगा तो निविदाएँ अगले कार्य दिवस में खोली जायेगी। ई-निविदा से सम्बनिधत प्रपत्र उत्तर प्रदेश की ई-प्रवयोरमेन्ट की वेबसाईट http://etender.un.nic.in व नगर निगम की वेबसाइट www.nagarnigambarellly.com पर देखी जा सकता है।

ई-निविदा आमंत्रित हेतु (क्रमांक सं0-01 से 16 तक)

ई-निविदा डाउनलोड प्रारम्भ की तिथि/समय	06-09-2024 - (03:00 PM)
ई-निविदा अपलोड की प्रारम्भ की तिथि/समय	06-09-2024 - (04:00 PM)
ई-निविदा अपलोड की अन्तिम की तिथि/समय	27-10-2024 - (03:00 PM)
ई-निविदा खोली जाने की तिथि/समय	27-10-2024 - (04:00 PM)
फाईनेशियल ई-निविदा खोली जाने हेतु	After Technical Evulation

कार्यों का विवरण, नियम व शर्तें नगर निगम बरेली के वेबसाइट www.nagarnigambareilly.com पर ई-निविदा लिंक एवं ई-पोर्टल http:etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। किसी परिवर्तन, संशोधन व अतिरिक्त सूचनाओं के लिए उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

मुख्य अभियन्ता
नगर निगम, बरेली

एक नजर

सात दिव्यांगजनों को मिली सुविधाएं

अंबेडकरनगर। दिनांक 17 सितम्बर, 2025 से 02 अक्टूबर 2025 तक आयोजित सेवा पखवाड़ा के अन्तर्गत दिनांक 27 सितम्बर, 2025 को दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा तहसील सभागार अकबरपुर में विभाग द्वारा संचालित कृत्रिम अंग / सहायक उपकरण योजनान्तर्गत 07 दिव्यांगजनों को स्मार्टकेन, दुकान निर्माण/संचालन योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में धनराशि हेतु स्वीकृत 11 लाभार्थियों, दिव्यांग शादी विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार योजनान्तर्गत धनराशि हेतु स्वीकृत 01 लाभार्थी एंव नवीन दिव्यांग पेंशन योजनान्तर्गत स्वीकृत 19 लाभार्थियों को स्वीकृति प्रमाणपत्र विधायक कटेहरी, जिलाधिकारी, मिशन शक्ति के अंतर्गत एक दिन की कलेक्टर, मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी के कर कमलो द्वारा वितरित किया गया। कार्यक्रम में विधायक कटेहरी, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी वित्त एवम राजस्व अपर जिलाधिकारी न्यायिक, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/उपजिलाधिकारी अकबरपुर, तहसीलदार अकबरपुर, जिला प्रोवेशन अधिकारी, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, पुलिस क्षेत्राधिकारी अकबरपुर उपस्थित थे।

हिंदी भाषा सर्वग्राही और साहित्य विशाल है : प्रो. परेश कुमार पाण्डेय

अंबेडकरनगर। हिंदी भाषा महासागर है। इसका कारण उसकी ग्रहणशीलता है। जिस प्रकार महासागर अपने साथ मिलने वाले जल स्रोतों को आत्मसात करके उन्हें अपनी पहचान देता है, हिंदी भी उसी प्रकार अन्य भाषा के तत्वों को अपनाकर उन्हें नई भाषाई पहचान देती है। उक्त बातें प्रो0 परेश कुमार पाण्डेय ने बाबा बरुआदास पी0जी0 कॉलेज परुइय्या आश्रम, अम्बेडकर नगर में हिंदी पखवाड़ा के अन्तर्गत आयोजित समारोह में अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहीं। उपप्राचार्य प्रो0पवन कुमार गुप्त ने वैश्विक स्तर पर हिंदी के बढ़ते कदम पर प्रकाश डाला । मुख्य वक्ता के रूप में उद्बोधन करते हुए महविद्यालय के हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ0 सत्येन्द्र ने हिंदी के पिछड़ने के कारण के रूप में हिंदी साहित्य के अध्ययन की कमी की तरफ ध्यान आकर्षित किया और हिंदी के सही ढंग से पढ़ने व लिखने को उस के विकास का उपाय कहा। इस कार्यक्रम का प्रारम्भ माँ सरस्वती के दीप-पुष्पार्चन हुआ। इसके बाद विभागाध्यक्ष हिंदी डॉ0अनिल मिश्र ने अतिथि गण का स्वागत और हिंदी दिवस और हिंदी पखवाड़ा मनाए जाने के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए विषय प्रवर्तन किया। इस अवसर अखिलेश पाण्डेय सहायक आचार्य हिंदी , डॉ0 राजेश उपाध्याय सहायक आचार्य संस्कृत, डॉ0 सुशील त्रिपाठी सहायक आर्चाय अर्थशास्त्र, सै0बाकर मेंहदी अध्यक्ष उर्दू विभाग, डॉ0 वीरेंद्र कुमार अध्यक्ष अंग्रेजी विभाग ने अपने विचार व्यक्त किए । इस अवसर आयोजित क्विज प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त शिक्षा द्विवेदी, द्वितीय स्थान प्राप्त निधि, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले गौरव मिश्र व खुशी यादव को हिंदी विभाग द्वारा पुस्तकें भेंट की गई। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के छात्र गौरव मिश्र, शिक्षा द्विवेदी, ज्योति रानी एवं निधि ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में डॉ0 कुलदीप सिंह, डॉ0 रमेश कुमार, डॉ0चंद्रकेश कुमार, डॉ0अमरनाथ, डॉ0अपूर्वा चतुर्वेदी व अन्य कर्मचारी गण तथा छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का कुशल संचालक डॉ0 सत्यप्रकाश पाण्डेय सहायक आचार्य हिंदी ने किया।

बालिकाओं की सुरक्षा व सम्मान को लेकर चलाया गया जागरूकता अभियान

जलालपुर अंबेडकरनगर। मिशन शक्ति के अंतर्गत जिलाधिकारी अनुपम शुक्ल के निर्देश पर तहसील क्षेत्र के धौरुआ स्थित आदर्श अन्नपुर्णा इण्टर कॉलेज में बालिकाओं की सुरक्षा,सम्मान को लेकर जागरूकता अभियान चलाया गया। जागरूकता कार्यक्रम में पुलिस विभाग के साथ खंड शिक्षा अधिकारी मीनाक्षी सिंह ने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के संकल्प को दोहराया। उन्होंने कहा कि मिशन शक्ति फेज 5 .0 प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा सम्मान, सशक्तिकरण व आत्मनिर्भरता को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाया जा रहा अतिमहत्वपूर्ण कार्यक्रम है ।बी ई ओ ने छात्राओं को आत्मरक्षा, विपरीत परिस्थितियों से निपटने गुड टच,बैड टच और साइबर अपराधों के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम मे सुरक्षा संबंधी आवश्यक हेल्प लाइन नंबर पेंपलेट भी वितरित किए गए। उच्च प्राथमिक विद्यालय बहरजवा गोलपुर की छात्राओं को शिक्षकों ने आत्मरक्षा के गुर सिखाए ।पी श्री उच्च प्राथमिक विद्यालय जलालपुर के प्रधानाध्यापक अंसर एजाज के नेतृत्व में छात्राओं ने मिशन शक्ति कार्यक्रम के तहत कोतवाली का भ्रमण किया। कोतवाल संतोष कुमार सिंह ने छात्राओं को प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करने, आरोपितों की गिरफ्तारी के नियम, धोखाधड़ी, साइबर क्राइम और सुरक्षा सम्बन्धी हेल्पलाइन नम्बरों के बारे में जानकारी दी। महिला सिपाही स्वाती सिंह ने छात्राओं को लोगों के अनुचित व्यवहार से निपटने एवं आत्मरक्षा के गुर सिखाए।

जलालपुर में रामलीला के मंचन और भव्य आयोजनों से नवरात्रि उत्सव में छाया भक्तिमय माहौल

जलालपुर, अम्बेडकर नगर। श्री रामलीला सेवा समिति द्वारा आयोजित नवरात्रि उत्सव के कार्यक्रमों ने नगर में एक भव्य और यादगार धार्मिक-सांस्कृतिक माहौल बना दिया। संगत मंदिर पश्चिम तरफ में सजाई गई बाबा खाटू श्याम और नगर में दुर्गा माता की मनमोहक मूर्तियों, भव्य पंडाल और रोड पर बने गेट ने नगर की शोभा में चार चाँद लगा दिए।श्री रामलीला सेवा समिति के आयोजन में दशरथ-कैकेयी संवाद और श्रीराम के वनगमन के मंचन ने दर्शकों के आकर्षण का केंद्र रहे। इन प्रसंगों ने रामकथा के एक महत्वपूर्ण मोड़ को दर्शाया, जहां राजा दशरथ के वचन के कारण श्रीराम सहर्ष वनवास को तैयार हो गए और सीता व लक्ष्मण ने भी उनका साथ दिया। आरती के दौरान संजीव मिश्र, चन्द्रिका प्रसाद,गुड्डन मिश्र, गिरीश सोनी,राधेश्याम शुक्ल,कृष्ण गोपाल गुप्त, अरुण मिश्र, अशोक जायसवाल, दिलीप यादव सहित कई गणमान्य लोगों ने श्रीराम जयकारों के साथ भक्ति-भाव का संचार किया।श्री रामलीला समिति के अध्यक्ष सुरेंद्र सोनी के दिशा-निर्देशन में सीता-राम विवाह की एक भव्य झाँकी निकाली गई, जिसने नगर में उल्लास फैला दिया।बेचन पांडे ,सुरेश गुप्त, दीपचंद सोनी, आनंद मिश्र मौजूद रहे . श्री रामलीला सांस्कृतिक समिति के अध्यक्ष संदीप अग्रहरि के तत्वावधान में मानस गंगा प्रियंका पांडेय द्वारा कथा वाचन किया गया।मानिकचंद सोनी, सोनू गौड, सोनू गुप्त,दुर्गेश गुप्त ने व्यस्था की कमान संभाली .भक्तिमय आयोजनों ने न केवल सामुदायिक सद्भाव को दर्शाया, बल्कि नगर की धार्मिक-सांस्कृतिक पहचान को भी मजबूत किया।

छात्रवृत्ति वितरण से खिले विद्यार्थियों के चेहरे

अयोध्या के 14,231 छात्र-छात्राओं को मिली आर्थिक सहायता

विश्ववार्ता संवाददाता

अयोध्या। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा लखनऊ स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित एक भव्य समारोह में पूर्वदशम (कक्षा 9-10) एवं दशमोत्तर (कक्षा 11-12) छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत प्रमाण पत्र वितरित किए गए। समारोह के दौरान छात्रवृत्ति की प्रथम किशत का ऑनलाइन हस्तांतरण भी किया गया, जिससे विद्यार्थियों में खासा उत्साह देखने को मिला।इस अवसर पर अयोध्या जनपद के कुल 14,231 छात्र-छात्राओं के बैंक खातों में छात्रवृत्ति की धनराशि भेजी गई है। जानकारी देते हुए जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी जयनाथ गुप्ता ने बताया कि शैक्षिक सत्र 2025-26 में अन्य पिछड़ा वर्ग अल्पसंख्यक पिछड़े वर्ग को छोड़कर के विद्यार्थियों को यह लाभ प्रदान किया गया है। पूर्वदशम छात्रवृत्ति (कक्षा 9-10) इस श्रेणी में कुल 9505 छात्र-छात्राएं लाभान्वित हुए, जिनमें पिछड़ा वर्ग : 6310 विद्यार्थी, सामान्य वर्ग : 932 विद्यार्थी, अनुसूचित जाति/जनजाति : 1786 विद्यार्थी, अल्पसंख्यक वर्ग : 477 विद्यार्थी दशमोत्तर छात्रवृत्ति (कक्षा 11-12) इस योजना के अंतर्गत कुल 4726 विद्यार्थियों को लाभ मिला, जिनमे पिछड़ा वर्ग : 2504 विद्यार्थी, सामान्य वर्ग : 742 विद्यार्थी, अनुसूचित जाति/जनजाति : 1142 विद्यार्थी, अल्पसंख्यक वर्ग : 338 विद्यार्थी,छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना के माध्यम से छात्रों को शिक्षा जारी रखने में सहायता मिलेगी, जिससे वे आर्थिक तंगी के बावजूद अपनी पढ़ाई पूरी कर सकें। इस अवसर पर विधायक सदर वेद प्रकाश गुप्ता ने श्यामसुंदर सरस्वती विद्यालय इंटर कॉलेज के छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति स्वीकृति प्रमाण पत्र वितरित किए और बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

108 एंबुलेंस के कर्मियों की तात्पर्य से बची जच्चा की बचाई जान

अयोध्या। जिला महिला चिकित्सालय में भर्ती प्रसूता रूबी की हालत अचानक बिगड़ने के बाद महिला के तीमारदारों ने चिकित्सा अधीक्षक डॉ विभा कुमारी को इसकी सूचना दी जिसके बाद अधीक्षक महोदया अपनी पूरी टीम के साथ अस्पताल की तीसरी मंजिल पहुंचा जहां मौजूद अन्य मरीजों के तीमारदारों ने बताया पिछले कई घंटों से महिला तड़प रही है परंतु कोई इसे देखने नहीं आया अब जब बड़ी साहब आई तो सभी लोग दिखाई पड़े। वहीं पीड़ित महिला के मरीजों में एक लोग सामने आए जो कि पत्रकार हैं उनके कहने पर महिला सीएमएस ने तत्परता दिखाते हुए दर्द से तड़प रही प्रसूता जिसका सीजर के बाद बच्चा तो एसएनसीयू में रख दिया गया और प्रसूता की तबीयत अचानक बिगड़ गई तो उसे जिला महिला चिकित्सालय से दर्शन नगर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया जिसके लिए एक साथी पत्रकार ने 108 पर फोन कर एम्बुलेंस की आवश्यकता जताई जिसपर एंबुलेसन संख्या यूपी 32एफजी 0539 के ईएमटी सर्वेश कुमार मिश्रा और पायलट विनोद तिवारी एम्बुलेंस समेत जिला महिला चिकित्सालय पहुंचे और मरीज को पिकअप करते हुए उसे समय से पहले दर्शन नगर मेडिकल कॉलेज पहुंचकर भर्ती कराया जिससे प्रसूता की जान बची। वहीं एंबुलेंस कर्मियों की इस तटवर्ता से प्रसूता के परिवारजनों ने घोर प्रशंसा करते हुए कर्मियों के बेहतर भविष्य की कामना किया।

आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान पर कार्यशाला

संगठन सशक्तिकरण पर दिया गया जोर

अयोध्या। आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के तहत सोमवार को सर्किट हाउस सभागार में भाजपा महानगर इकाई द्वारा कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में क्षेत्रीय महामंत्री एवं महानगर प्रभारी विजय प्रताप सिंह ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का राष्ट्रव्यापी संकल्प है, जिसका उद्देश्य देश को आर्थिक और सामाजिक रूप से मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि आज देश का युवा स्टार्टअप और नवाचार के माध्यम से रोजगार सृजन कर रहा है, यह आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ा कदम है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को गांव-गांव तक पहुंचाएं और आम जनता को इस अभियान से जोड़ें। कहा कि जब हर नागरिक आत्मनिर्भर होगा तो राष्ट्र भी स्वतः आत्मनिर्भर बन जाएगा। इस अवसर पर भाजपा महानगर अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी संगठन जनता के बीच सकारात्मक बदलाव का सेतु है। आत्मनिर्भर भारत केवल एक नारा नहीं, बल्कि देश के भविष्य को दिशा देने वाला अभियान है। कार्यक्रम का संचालन महिला मोर्चा महामंत्री प्रतिमा शुक्ला ने किया। जिला ईकाई द्वारा पार्टी कार्यालय में कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिला प्रभारी ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता जनता के बीच जाकर केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का संदेश पहुंचाएं और उन्हें इनसे लाभान्वित करने का कार्य करें। जिलाध्यक्ष संजीव सिंह ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता व पदाधिकारी लगातार लाभर्थियों से सम्पर्क करते रहें। व्यस्त स्थानों पर पार्टी की योजनाओं की चर्चा करें।महानगर की कार्यशाला में शक्ति सिंह, हरभजन गोंड, कार्यक्रम संयोजक परमानंद मिश्रा, तिलकराम मौर्य, प्रतिमा शुक्ला, बबलू मिश्रा, दिव्य प्रकाश तिवारी, शारदा यादव, अमल गुप्ता, शैलेंद्र कोरी, अरविंद सिंह, डॉ राकेश मणि त्रिपाठी बालकृष्ण वैश्य, रवि सोनकर, हेमंत जायसवाल, काशीराम रावत, आकाश मणि त्रिपाठी जिले की कार्यशाला में कमला शंकर पांडेय ,अवधेश पाण्डेय , विधायक अमित सिंह चौहान, राधेश्याम त्यागी, मनोज वर्मा, अशोक कसौंधन, दिनेश वर्मा सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हनुमान मंदिर परिसर में चला पौधरोपण अभियान, रोपित किए गए 100 पौधे

अयोध्या। विधानसभा मिल्कीपुर क्षेत्र के हनुमंत नगर सिद्धनाथन स्थित हनुमान मंदिर परिसर में रविवार को पूर्व सांसद लल्लू सिंह की अगुवाई में पौधरोपण अभियान चलाया गया। इस दौरान पीपल, बरगद, नीम सहित करीब एक सौ पौधों को रोपित किया गया। पौधों के संरक्षण की जिम्मेदारी स्थानीय कार्यकर्ताओं को सौंपी गई है, ताकि लगाए गए वृक्ष सुरक्षित रूप से बढ़ सकें। पूर्व सांसद लल्लू सिंह ने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं। जल, वायु और ऊर्जा सबकुछ पेड़ों से ही मिलता है। वर्तमान समय में प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की गंभीर चुनौतियों का समाधान केवल वृक्षारोपण से ही संभव है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में वृक्षों को देवतुल्य माना गया है। पीपल, बरगद और नीम जैसे वृक्ष न केवल वातावरण को शुद्ध करते हैं बल्कि आयुर्वेदिक दृष्टि से भी मानव जीवन के लिए अमूल्य हैं।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर्यावरण संरक्षण को लेकर लगातार अभियान चला रहे हैं। समाज के हर वर्ग का यह कर्तव्य है कि वह पौधरोपण को जनांदोलन बनाए और हर व्यक्ति कम से कम एक पौधे जरूर लगाए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे लगाए गए पौधों की देखभाल को भी जिम्मेदारी समझें, क्योंकि संरक्षण के बिना पौधारोपण अधूरा है। पौधरोपण कार्यक्रम में श्याम नारायण पाठक, जर्नादन मौर्या, बब्लू पासी, अर्जुन सिंह, अजय तिवारी, राम सुमेर पासी, सर्वजीत, अशोक मिश्र, शिव कुमार यादव, नरेन्द्र सिंह, राजेन्द्र सिंह, अमरनाथ बंसल, राम बदल, सत्यप्रकाश सिंह सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। मौके पर मौजूद लोगों ने पौधरोपण को पर्यावरण बचाने की दिशा में एक सार्थक कदम बताया।

लोक कल्याण मेले में फूड सेफ्टी प्रशिक्षण का सफल आयोजन

अयोध्या। नगर पंचायत भरतकुंड भदरसा परिसर में लोक कल्याण मेले का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, जनपद अयोध्या के सहायक आयुक्त 2 मानिक चंद्र सिंह के निर्देश पर (FoSTaC) फूड सेफ्टी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में कुल 62 एफबीओ (FBO) ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान फूड वेण्डर्स एवं अन्य प्रतिभागियों को खाद्य सुरक्षा मानकों की विस्तृत जानकारी दी गई एवं उन्हें जागरूक किया गया। इस अवसर पर अधिशासी अधिकारी विनय कुमार द्विवेदी, नोडल अधिकारी खाद्य सुरक्षा प्रशिक्षण डॉ. कुलदीप मिश्रा, ट्रेनर शैलेश कुमार पांडेय व शैलेंद्र कुमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम के संयोजक एवं नगर पंचायत के वरिष्ठ लिपिक अजय कुमार गुप्ता, सभासद प्रतिनिधि, नगर पंचायत कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में फूड वेण्डर्स की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम को सफल बनाने में नगर पंचायत भरतकुंड भदरसा का विशेष सहयोग रहा। प्रशिक्षण में प्रतिभागियों ने खाद्य सुरक्षा को लेकर उत्साहपूर्वक भाग लिया और जागरूकता की दिशा में इसे महत्वपूर्ण कदम बताया।

अशोक सिंघल की जयंती पर विधायक ने अस्पताल में मरीजों को बांटे फल

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन के प्रखर नायक एवं विश्व हिंदू परिषद के पूर्व अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष स्वर्गीय अशोक सिंघल की जयंती के अवसर पर शनिवार को नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता की अगुवाई में जिला चिकित्सालय अयोध्या में भर्ती मरीजों को फल वितरित किए गए। इस अवसर पर विधायक ने मरीजों के बीच पहुंचकर उनका हालचाल लिया मरीजों से संवाद कर अस्पताल में मिल रही सुविधाओं की जानकारी लिया। उन्होंने मरीजों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की।

विधायक ने कहा कि अशोक सिंघल का जीवन समाज और राष्ट्रहित के लिए समर्पित रहा। उन्होंने राम जन्मभूमि आंदोलन के जरिए न केवल भारतीय संस्कृति और आस्था की रक्षा की, बल्कि पूरे विश्व में अयोध्या की पहचान को स्थापित किया।

उनकी जयंती हमें सेवा, समर्पण और त्याग की प्रेरणा देती है। विधायक ने कहा कि गरीब, असहाय और बीमार लोगों की सेवा करना ही सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने अस्पताल प्रशासन को मरीजों के इलाज और व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए।

महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने कहा कि सरकार और संगठन दोनों ही जनता की सेवा के लिए प्रतिबद्ध हैं। मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है। मौके पर बडी संख्या में पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

महिला सुरक्षा को लेकर दी गई अहम जानकारियां

- मिशन शक्ति फेज 5 .0 के अंतर्गत बालिकाओं को किया गया जागरूक
- गुरुनानक स्कूल व उच्च प्राथमिक विद्यालय कटरा में चला जागरूकता अभियान

अयोध्या। महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण की दिशा में शासन द्वारा संचालित मिशन शक्ति फेज 5.0 के अंतर्गत महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला के नेतृत्व में जागरूकता अभियान चलाया गया।

इस अभियान के तहत महिला थानाध्यक्ष के साथ उपनिरीक्षक सोनी, महिला आरक्षी प्रेया सिंह, जयश्री, अंशिका व महिला होमगार्ड ममता पाठक ने गुरु नानक स्कूल अयोध्या का भ्रमण कर छात्राओं को सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी। अभियान के दौरान छात्राओं को विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन, सुकन्या समृद्धि योजना एवं अन्य लाभकारी योजनाओं से अवगत कराया गया। इसके साथ ही उन्हें महिला सुरक्षा संबंधित हेल्पलाइन नंबर जैसे - वीमेन पावर लाइन 1090, यूपी 112, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्डलाइन 1098साइबर अपराध रिपोर्टिंग 1930 की उपयोगिता व कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से बताया गया। इसी क्रम में मिशन शक्ति अभियान के तहत क्षेत्राधिकारी नगर, महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला एवं उपनिरीक्षक सोनी द्वारा उच्च प्राथमिक विद्यालय कटरा में बालिकाओं के मध्य पहुंचकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यहां भी छात्राओं को पुलिस कार्यप्रणाली, महिला हेल्प डेस्क, CCTNS प्रणाली, जनरल डायरी सहित पुलिस से संबंधित प्रक्रियाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और महिला सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर सवाल-जवाब कर जानकारी प्राप्त की। महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने बताया कि मिशन शक्ति का उद्देश्य महिलाओं व बालिकाओं को न केवल उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना है, बल्कि उन्हें सशक्त बनाना भी प्राथमिकता है। इस क्रम में चौकी अलीगढ़ क्षेत्र में स्थित फार्ब्स इंटर कॉलेज में मिशन शक्ति 5.0 के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व महिला उपनिरीक्षक पूजा राज ने किया। इस दौरान छात्राओं को महिला सशक्तिकरण, करियर गाइडेंस और सुरक्षा से जुड़ी सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में उपनिरीक्षक अनिल दीक्षित, महिला उपनिरीक्षक पूजा राज, महिला आरक्षी वंदना कुमारी, प्रियंका दीक्षित, सूमी दास, नीतू सोनी और दिव्या तिवारी मौजूद रहीं।

श्री परमहंस शिक्षण प्रशिक्षण महाविद्यालय के प्राचार्य को राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष ने किया सम्मानित

अयोध्या। श्री परमहंस शिक्षण प्रशिक्षण महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर सुनील कुमार तिवारी को उनके शोध कार्यों को लेकर पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 109 वीं जयंती पर सम्मानित किया गया। यह सम्मान पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्मस्थली धनकिया जयपुर मे राजस्थान सरकार की विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी व अखिल भारतीय सह प्रचार प्रमुख अरुण जैन द्वारा संयुक्त रूप से दिया गया।यह सम्मान डॉ. तिवारी के गहन शोध, समर्पण और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों को जन-जन तक पहुँचाने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का प्रतीक है।डॉ. सुनील कुमार तिवारी ने पी.एच.डी. शोधकार्य के दौरान पंडित दीनदयाल उपाध्याय के राजनीतिक विचारों पर गहन अध्ययन एवं प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान डॉ तिवारी ने बताया पंडित दीनदयाल उपाध्याय सादा जीवन, उच्च विचार और दृढ़ संकल्प व्यक्तित्व के धनी थे। वे एक मेधावी छात्र, संगठक लेखक, पत्रकार, विचारक, राष्ट्रवादी और एक उत्कृष्ट मानवतावादी थे। उन्होंने स्वामी विवेकानंद और महात्मा गांधी के एक मजबूत, जीवंत और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के विचार को आगे बढ़ाने के लिए अथक प्रयास किया। पूंजीवाद और समाजवाद की जगह पण्डित दीनदयाल उपाध्याय ने स्वराज के रूप में गांधी जी द्वारा परिकल्पित नैतिक मूल्यों और लोकव्यवहार के आधार पर आर्थिक नीतियों को अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

मिशन शक्ति फेज-5 के तहत जनपद अंबेडकर नगर में छात्रा ने एक दिन के लिए संभाली प्रशासनिक कमान

एक दिन की डीएम बनीं छात्रा ने जनता दर्शन में सुनी जन सामान्य की समस्याएं

- एक दिन की कलेक्टर बनी छात्रा ने तहसील सभागार में मिशन शक्ति के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत लाभार्थियों को वितरित किए प्रमाण पत्र

अंबेडकरनगर। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं के सशक्तीकरण हेतु संचालित मिशन शक्ति अभियान फेज-5 के अंतर्गत जनपद अंबेडकर नगर में आज बीएनकेबी स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर की छात्रा साक्षी विश्वकर्मा (एम०ए० फाइनल ईयर) ने एक दिन की जिलाधिकारी के रुप में कार्य संभाला और प्रशासनिक जिम्मेदारियों को निभाया। इस दौरान एक दिन की जिलाधिकारी द्वारा जिलाधिकारी कार्यालय में आयोजित जनता दर्शन में दूरदराज से आयी जनता की समस्या को गंभीरता से सुना, साथ ही कई महत्वपूर्ण निर्णय भी लिये, इस दौरान एक दिन की कलेक्टर द्वारा जन सामान्य की समस्याओं को सुनते हुए उसके त्वरित निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता विद्युत द्वारा एक सरकारी भवन में पंचायती राज विभाग के विद्युत बिल बकाए की समस्या से अवगत कराया गया जिस पर एक दिन की कलेक्टर द्वारा जिलाधिकारी के स्टोनों को विद्युत विभाग एवं पंचायती राज विभाग के साथ बैठक बुलाने के निर्देश दिए गए जिससे समस्या का स्थाई समाधान सुनिश्चित हो सके। इस अवसर पर जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला, पुलिस अधीक्षक अभिजित आर. शंकर, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व, अपर जिलाधिकारी न्यायिक व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर जिलाधिकारी द्वारा एक दिन की जिलाधिकारी को जिलाधिकारी के कार्य एवं दायित्व तथा प्रशासनिक कार्यों की जानकारी प्रदान की गई। इसके उपरांत एक दिन की जिलाधिकारी बनी साक्षी विश्वकर्मा, माननीय विधायक कटेहरी श्री धर्मराज निषाद, जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला, पुलिस अधीक्षक अभिजित आर शंकर, मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला द्वारा तहसील सभागार अकबरपुर में मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न विभागों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले महिला कार्मिकों यथा मुख्य सेविका, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, आंगनवाड़ी सहायिकाओं, स्वयं सहायता समूह की दीदियों को प्रशस्ति पत्र तथा दिव्यांगजनों को पेंशन प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

इस अवसर पर विधायक कटेहरी ने सरकार द्वारा महिला केंद्रित योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि सरकार द्वारा निरंतर महिलाओं के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान के लिए कार्य किया जा रहा है तथा विभिन्न महिला केंद्रित योजनाओं का संचालन किया जा रहा है उन्होंने सरकार की उपलब्धियां की विस्तृत जानकारी प्रदान की।

जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला ने कहा कि मिशन शक्ति अभियान 5.0 के अंतर्गत बालिकाओं का एक दिन का अधिकारी बनना उनके आत्मविश्वास, जागरुकता और नेतृत्व कौशल को मजबूत करने, प्रोत्साहित किए जाने एवं फिजिकल अनुभव प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि यह पहल समाज में महिलाओं व बालिकाओं की भूमिका को और सशक्त बनायेगी।

उन्होंने कहा कि यह अनुभव करके वह स्वयं भी प्रेरित होंगी और अन्य बच्चियों भी इससे प्रेरणा लेकर कड़ी मेहनत करके एवं परीक्षा को उत्तीर्ण करके कलेक्ट्रेट सहित विभिन्न उच्च पदों को सुशोभित कर सकेंगी।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत पुलिस एवं प्रशासन की टीम गांव-गांव जाकर लोगों की समस्याओं को सुनकर उनका निस्तारण कर रही है साथ ही उन्हें विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी प्रदान कर रही हैं यह अभियान आगामी एक माह तक चलेगा जिसे आगे और भी विस्तारित किए जाने के संभावना है। उन्होंने उपस्थित लोगों से अपील करते हुए कहा कि हुए जिन योजनाओं की जानकारी यहां पर प्राप्त कर रहे हैं वह अपने गांव एवं समाज के लोगों को भी जाकर योजनाओं की जानकारी प्रदान करें। उन्होंने महिला शक्तियों से अपील करते हुए कहा कि उनके घर के अंदर भी किसी भी प्रकार की समस्याएं हो, किसी भी प्रकार से उनका उत्पीड़न हो रहा हो तो यह अपनी समस्या पुलिस एवं प्रशासन से अवश्य बताएं उन्होंने कहा कि महिला एवं बच्चियों अपनी पहचान छुपा कर भी सूचना दे सकती हैं।

कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी ने महिलाओं को मजबूत स्वावलंबी एवं सशक्त बनाए जाने हैं की दिशा में सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्रदान की उन्होंने कहा कि मिशन शक्ति 5.0 एक जागरूकता कार्यक्रम है जिसे योजनाबद्ध तरीके से क्रियान्वित किया जा रहा है। उन्होंने महिला विकास के संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि विगत वर्षों में महिला विकास में प्रभावी कार्य हुए हैं आज महिलाएं देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी द्वारा जनपद में स्वयं सहायता समूह के अंतर्गत किए गए उत्कृष्ट कार्यों की जानकारी भी प्रदान की।

कार्यक्रम में जिला दिव्यांगजन एवं सशक्तिकरण अधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी, सहित विभिन्न विभागों द्वारा अपने-अपने विभाग के अंतर्गत महिला केंद्रित योजनाओं की विस्तृत जानकारी भी प्रदान की गई।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व, अपर जिलाधिकारी न्यायिक, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/उप जिलाधिकारी अकबरपुर श्रीमती प्रतीक्षा सिंह, क्षेत्राधिकार पुलिस अकबरपुर सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में जन सामान्य उपस्थित रहे।

एक नजर

मामूली कहासुनी पर युवती को घर में खींचकर अश्लील हरकतें करने का आरोप

पीलीभीत। युवती के साथ मारपीट और अश्लील हरकत करने की शिकायत पर पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कर लिया है। बीसलपुर कोतवाली क्षेत्र निवासी एक युवती ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि शुक्रवार दोपहर लगभग 12 बजे उसकी माँ खेत पर गई हुई थी। इसी दौरान एक युवक रास्ते में अपने जानवर नहला रहा था। जानवर हटाने को लेकर हुई कहासुनी के बाद, गांव के ही दो लोगों ने युवती को जबरन दबोच लिया और अपने घर ले गए। आरोप है कि आरोपियों ने उसके साथ अश्लील हरकतें की और बदनीयती से उसके कपड़े तक फाड़ डाले। पीड़िता ने शोर मचाया तो एक आरोपी ने तमंचे की बट से उसके सिर पर प्रहार कर दिया, जिससे उसे चोट आई। मौके पर पीड़िता का भाई और मां पहुंचे तो हमलावरों ने उन पर भी हमला कर दिया। चाकू लगने से भाई के हाथ में गंभीर चोट आई। घटना की जानकारी पुलिस को दी गई और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की मांग की। पीड़िता की शिकायत पर बीसलपुर थाना पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। थानाध्यक्ष बीसलपुर संजीव कुमार शुक्ला ने बताया कि प्रार्थना पत्र मिलने के बाद मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है। घायलों मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा गया है। पुलिस ने कहा कि दोषियों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा।

रास्ते में ट्राली खड़ी करने को लेकर विवाद, चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज

पीलीभीत। रास्ते से ट्राली हटाने को लेकर विवाद इतना बढ़ गया कि मारपीट तक की नौबत आ गई। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जाँच शुरू कर दी है। बरखेड़ा थाना क्षेत्र के गांव बरगदा निवासी शांति स्वरूप ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि 25 सितंबर की शाम लगभग 7 बजे जब वह अपना छोटा हाथी लेकर जा रहा था, तभी रास्ते में गांव के ही जगदीश ने रास्ते में ट्राली खड़ी कर दी। जब शांतिस्वरूप ने ट्राली हटाने को कहा तो ट्राली स्वामी जगदीश गाली गलौज करते हुए आमादा-फसाद हो गया। घटनास्थल पर चन्दनलाल, प्रकाश और कृष्णपाल भी पहुँच गए और गाली-गलौज करने लगे। आरोप है कि चारों ने मिलकर शांति स्वरूप के साथ मारपीट की। शोरगुल सुनकर परिवार व ग्रामीणों को आता देख आरोपी जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर चारों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

थाना समाधान दिवस पर मेधावी छात्राएं बनीं एक दिन की थाना प्रभारी

पीलीभीत। थाना समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह ने कोतवाली पूरनपुर पहुंचकर जनशिकायतों की सुनवाई की। इस दौरान भूमि विवाद, विद्युत समस्या सहित कई शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को मौके पर जाकर समस्याओं का शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी दशा में कोई शिकायत अधिक समय तक लंबित नहीं रहनी चाहिए। जिलाधिकारी ने थाना प्रभारी को निर्देशित किया कि राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम बनाकर विवादों का निस्तारण कराया जाए। साथ ही उन्होंने आगामी त्यौहारों को सौहार्दपूर्ण व शांतिपूर्ण ढंग से मनाने की अपील की और अफवाहों से दूर रहने का संदेश दिया। थाना समाधान दिवस के दौरान मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण व बालिकाओं में आत्मविश्वास बढ़ाने के उद्देश्य से छात्राओं को एक दिन का थाना प्रभारी बनाया गया। इसमें कम्पोजिट विद्यालय चाट फिरोजपुर की कक्षा 8 की छात्रा अनामिका और प्राथमिक विद्यालय सिमरिया की छात्रा फराना बी को यह जिम्मेदारी सौंपी गई। दोनों छात्राओं ने थाना परिसर का अवलोकन किया, थाने की कार्यप्रणाली को समझा और पुलिस की कार्यशैली से अवगत हुईं। इस दौरान उन्हें महिला सुरक्षा से जुड़ी हेल्पलाइन सेवाओं जैसे 1090 (वूमेन पावर लाइन), 181 (महिला हेल्पलाइन), 112 (आपातकालीन सेवा) के बारे में भी जानकारी दी गई। जनसुनवाई कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक अभिषेक यादव, उप जिलाधिकारी पूरनपुर, थानाध्यक्ष, लेखपाल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

बरेली बवाल

मौलाना तौकीर रजा समेत 180 नामजद

ढाई हजार उपद्रवियों पर दस मुकदमे दर्ज, 48 घंटे इंटरनेट सेवा बंद

विश्ववार्ता संवाददाता

बरेली। बरेली में हुये बवाल के बाद पुलिस प्रशासन की टीमों ने ताबड़तोड़ एक्शन शुरू कर दिया है। जहरीले भाषणों के लिये कुख्यात नफरती मौलाना तौकीर समेत 180 नामजद और 2500 अज्ञात उपद्रवियों पर बरेली में हिंसा फैलाने, तोड़फोड़, बवाल, पथराव, धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने, बलवा समेत कई धाराओं में दस मुकदमे कोतवाली, प्रेमनगर, बारादरी, कैंट, किला समेत शहर के थानों में दर्ज किये गये हैं। 39 उपद्रवियों को पुलिस ने शुक्रवार रात से शनिवार तक गिरफ्तार कर लिया है। मौलाना तौकीर समेत आठ उपद्रवियों को शनिवार सुबह जेल भेज दिया गया है। शासन के आदेश पर बरेली में शनिवार से अगले 48 घंटे के लिये इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई है। फेसबुक, व्हाट्सएप और यूट्यूब में मैसेज फारवर्ड नहीं होंगे।

पांच थानों में दस मुकदमे, ढाई हजार आरोपी – शहर के पांच प्रमुख थानों में अलग-अलग धाराओं में मुकदमे दर्ज हुए हैं। कुल मिलाकर 180 नामजद और करीब 2500 अज्ञात उपद्रवी आरोपित बनाए गए हैं।

कोतवाली थाना – इंस्पेक्टर अमित पांडेय की ओर से बलवे का मुकदमा दर्ज, मुख्य आरोपी मौलाना तौकीर रजा खान पुत्र स्वः रेहान रजा खां। निवासी 93 सौदागरान, निकट आला हजरत दरगाह, कोतवाली बरेली

बारादरी थाना – इंस्पेक्टर धनंजय पांडे और दरोगा अखिलेश उपाध्याय की तहरीर पर दो मुकदमे दर्ज हुये हैं। इनमें 28 नामजद, 19 नामजद और 40 से अधिक अज्ञात आरोपी। नामजद उपद्रवियों में चक महमूद निवासी अनीस सकलैनी, मदीना शाह का इमामबाड़ा निवासी साजिद सकलैनी, तहमीन, वसीम तहसीनी, अजीम, नदीम, अदनान, चक महमूद निवासी मोईन सिद्दीकी, चक महमूद निवासी फैजुल नबी, कलीम खां, मोबीन, नयाब उर्फ निम्मा, बबलू खां, दाऊद खां, काजी टोला निवासी अमन, सूफी टोला निवासी अजमल रफी, कासिम मियां की मजार निवासी फैजान, कासिम मियां मजार निवासी समनान, कटरा चांद खां निवासी सम्मू खान, अरशद उल्ला, मुस्तफा नूरी, नौशाद खान, मुनीम मियां, मोहम्मद आकिब, मुन्ना, सलाउद्दीन, यूनुस और आशु शामिल।

प्रेमनगर थाना – दरोगा प्रमोद कुमार की रिपोर्ट पर एफआईआर। मौलाना तौकीर रजा समेत 24 नामजद और 200 अज्ञात। उपद्रवियों में शाहबाद निवासी लक्कीशाह उर्फ जुनैद, आईएमसी पूर्व जिलाध्यक्ष नदीम खां, आईएमसी मीडिया प्रभारी मुनीर इदरीशी, यूथ अध्यक्ष अलतमश, राशिद खां, शाहबाद निवासी मोहसिन अख्तर, बानखाना निवासी शहनबाज, कोहाड़ापीर निवासी कामरान, अख्तर खां की गली निवासी शाहनबाज, इरफान, शहजाद, ल्हन बैंकट हॉल निवासी इमरान उर्फ बिरेट, शादाव, फाजिल, गुद्दड़बाग निवासी अमन कुरैशी, आरिफ, आशिफ रजा, नरकुलागंज निवासी इम्तियाज अली, नरकुलागंज निवासी मो. इमरान, नरकुलागंज निवासी मुशीर आलम, लल्ला मार्केट निवासी फिरोज हुसैन, अनवर हुसैन और आसिफ शामिल।

कैंट थाना – दरोगा राहित तोमर की तहरीर पर मुकदमा। 8 नामजद और 60 अज्ञात आरोपी। नामजद उपद्रवियों में उमरिया निवासी हाफिज शराफत, उमरिया निवासी मुन्ने दुकानदार, उमरिया निवासी शाहिद, मोहनपुर निवासी नफीस, ठिरिया निजावत खां निवासी साकिब जमाल खां, ठिरिया निजावत खां निवासी बरकत, ठिरिया निजावत खां निवासी गौहर खां और कैंट के सदर निवासी मो. महताब खां शामिल।

धारा 163 बीएनएसएस उल्लंघन में एफआईआर

किला थाना : फरहद बरातघर संचालक पर भी गिरी गाज

पुलिस की जांच में खुलासा हुआ कि फरहत बरातघर संचालक और उसका बेटा मौलाना तौकीर को अपने घर में छिपाये हुये थे। पुलिस ने दोनों को मुकदमे में आरोपी बनाकर घर पर कड़ी निगरानी लगा दी है। आरोपियों के फाइक इंक्लेव स्थित घर में ही तौकीर को शुक्रवार को हाउस अरेस्ट किया गया था। एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि आरोपियों ने शहर की फिजा में जहर भरने की कोशिश की। मौलाना के भड़काऊ बयान और बरगलाने पर हजारों की भीड़ ने कानून व्यवस्था को चुनौती दी, लेकिन पुलिस की सख्ती से हालात काबू में आ गए। अब पूरा प्रशासन साजिशकर्ताओं पर शिकंजा कसने में जुटा है। बरेली पुलिस ने साफ कर दिया है कि दंगाई किसी भी कीमत पर बख्शे नहीं जाएंगे।

सकलैन मियां के सालाना उर्स में जायरीन की आमद जारी

बरेली। हजरत शाह मोहम्मद सकलैन मियां के सालाना उर्स में देश के कोने-कोने से जायरीन की आमद जारी है। महाराष्ट्र और गुजरात से बड़े सकलैनी कारवां पहुंचे, वहीं गुजरात, बिहार, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली, उड़ीसा, उत्तराखंड, झारखंड, बंगाल, पंजाब और आंध्रप्रदेश सहित कई राज्यों से अकीदतमंद दरगाह शरीफ पर हाजिरी देने आए।

उर्स के चौथे दिन दरगाह पर चादर पोशी का सिलसिला सुबह से रात तक चलता रहा। भोजीपुरा, मझुआ, बिथरी, फ़रीदपुर, महेशपुर, मौला नगर, हजियापुर, बाकरगंज, अशरफ़ खां छावनी, बानखाना, फतेहगंज, शाही और बहेड़ी सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी तादाद में चादरें पेश की गईं। वहीं, मुरादाबाद के पाकबाड़ा और रामपुर के गनीमतनगर व चमरुआ गांवों से सैकड़ों अकीदतमंद 100 किलोमीटर पैदल चलकर चादरें लेकर दरगाह पहुंचे, जिससे माहौल को और भी परवाना बनाया। हजरत शाह सकलैन व हजरत शाह मौलाना शराफ़त अली मियां हुजूर के मजार पाक पर लगातार जायरीन की भीड़ उमड़ी रही। उर्स में गौसी मियां, हाजी लतीफ़ कुरेशी, मुक़ीत सकलैनी, निज़ाम सकलैनी, आफ़ताब आलम, मोहसिन आलम, राशिद खान, जमील सकलैनी, जाहिद सकलैनी, शावेज सकलैनी, खुर्रम सकलैनी, अकरम सकलैनी, आरिफ़ सकलैनी, सय्यद राशिद, फैसल सकलैनी और मुशाहिद सकलैनी समेत कई लोग सक्रिय रूप से लगे रहे।

एक नजर

रेस्क्यू किये गए तेंदुए की रहस्यमय मौत

पीलीभीत। वन विभाग द्वारा रेस्क्यू किए गए तेंदुए की मौत हो गई। वन विभाग ने शुक्रवार को इस तेंदुआ का रेस्क्यू किया था। पीलीभीत टाइगर रिजर्व स्टाफ की निगरानी के दौरान शनिवार सुबह तेंदुए की मौत हो गई। फिलहाल तेंदुआ की मौत का कारण अभी पता नहीं चल सका है। टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह ने बताया कि तेंदुए को फंदे से मुक्त कराकर सुरक्षित रखा गया था, लेकिन शनिवार सुबह उसकी मृत्यु हो गई। वन विभाग ने तेंदुआ के शव को सुरक्षित पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद सटीक कारणों की जानकारी मिल पाएगी। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार को पीलीभीत टाइगर रिजर्व के जंगलों से भटककर तेंदुआ नगरिया खुर्द कला गांव के पास पहुंच गया था। स्थानीय ग्रामीणों को झाड़ियों के बीच उसकी मौजूदगी का एहसास हुआ। इसी दौरान तेंदुआ किसी तरह फंदे में फंस गया, जिसके बाद गांव में दहशत बढ़ गई।

इंद्रजीत हत्या मामले में सात को जेल

पीलीभीत। अवैध खनन का विरोध करने के दौरान एक किसान की ट्रैक्टर चढ़ाकर की गई हत्या के मामले में पुलिस ने सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थाना हजारा क्षेत्र के गाँव अशोक नगर निवासी इंद्रजीत सिंह ने गाँव में स्थापित मुर्गी पालन से खेत को जाने वाली सड़क पर हो रहे अवैध खनन का विरोध किया। इस पर खनन माफिया उग्र हो गए। जानकारी मिलने पर प्रधानपति सूरजभान सिंह ग्रामीणों के साथ मौके पर पहुंचे। बेखौफ खनन माफियाओं ने सभी पर ट्रैक्टर-ट्रॉली चढ़ाने का प्रयास किया।

आमजन को सुरक्षा का एहसास कराने की दृष्टि से जिलाधिकारी ने किया नगर का भ्रमण

बरेली। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने आज वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक व पूरी टीम के साथ, जनपदवासियो को सुरक्षा का एहसास कराने व शहर के हालातो का जायजा लेने के उद्देश्य से नगर भ्रमण किया। जिलाधिकारी द्वारा किला, सीबीगंज, बारादरी, कैंट, कोतवाली, प्रेमनगर आदि थाना क्षेत्रों का भ्रमण किया गया। इस दौरान जन जीवन सामान्य पाया गया। दुकाने व स्कूल आदि सामान्य रूपये से खुले पाए गए। भ्रमण के समय आमजन और व्यापारियों से बातचीत कर हालातो की भी जानकारी ली गयी और सभी को आश्वास्त किया गया कि हालत बिल्कुल सामान्य और काबू में है किसी को भी किसी प्रकार से भयभीत होने की आवश्यकता नहीं है।

नवरात्रि में नारी शक्ति क्लब ने आकर्षित प्रदर्शनी का किया आयोजन

विश्ववार्ता संवाददाता

पीलीभीत। नारी शक्ति क्लब ने नगर एक होटल में फैशन ब्लॉसम के नाम से प्रदर्शनी आयोजित की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर जिला पंचायत अध्यक्षा मौजूद रही और विशिष्ट अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष शैलेन्द्र गुप्ता, एसडीएम अजीत प्रताप सिंह, इनर व्हील क्लब ऑफ पूरनपुर ग्लोरी की अध्यक्ष कल्पना गुप्ता द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम को राष्ट्रीय गान के साथ गति प्रदान की गई। प्रदर्शनी में बरेली, पीलीभीत, दिल्ली, बनारस, शाहजहांपुर और पूरनपुर से ज्वैलरी, सूट, ड्रेस, कुर्ते, जूतियाँ, चिकन के सूट, नाइट सूट, कॉड सेट और बनारसी साड़ी की विभिन्न रेंज मौजूद रही। इसके साथ ही स्टेशनरी,चाकलेट, आँवला के उत्पाद, भगवान की पोशाक और क्रोशिया के सामान की नई रेंज आकर्षण का केंद्र रही। प्रदर्शनी में आयुर्वेदिक के उत्पाद भी चमकते दिखे। महिला स्वास्थ्य के अंतर्गत डॉक्टर लाल पैथ द्वारा निःशुल्क जाँच की व्यवस्था भी की गई।

पूरनपुर नगर स्थित राम होटल में नारी शक्ति क्लब द्वारा आयोजित प्रदर्शनी में क्लब की सदस्यों के द्वारा भी विशेष स्टॉल लगाए गए, जिससे कार्यक्रम में चार चांद लग गए। मिंटी मंडेर, अनुराधा गुप्ता, रुचि मल्होत्रा, रिद्धि होरा, दिव्या होरा आदि सदस्य शामिल रहीं। प्रभा गुप्ता द्वारा तुलसी के पौधे देकर कार्यक्रम के अतिथियों का स्वागत किया गया। नगरवासियों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर खरीदारी की। प्रदर्शनी में लकी ड्रा में अंकिता खंडेलवाल, श्रेष्ठा खंडेलवाल और वैदेही अग्रवाल विजयी रहीं।

बेटियों को समर्पित वृक्षारोपण कार्यक्रम में पहुंचे अपर जिलाधिकारी

विश्ववार्ता संवाददाता

शाहजहांपुर। ग्राम पंचायत चौढेरा में शनिवार को युवक मंगल दल द्वारा आयोजित बेटियों को समर्पित वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अरविंद कुमार ने पंचायत भूमि पर महुआ का पौधा रोपित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। कार्यक्रम से पूर्व उन्होंने युवक मंगल दल को बधाई देते हुए कहा कि दल ने जिले में आई बाढ़ एवं अन्य दैवीय आपदाओं के दौरान सराहनीय योगदान दिया है। उन्होंने भविष्य में संगठन के उज्ज्वल होने की कामना करते हुए कहा कि शासन भी अब युवक मंगल दल की सक्रियता को गंभीरता से देख रहा है।

एडीएम ने मिशन शक्ति के तहत बेटियों को समर्पित इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि पहले महिलाएं असुरक्षित महसूस करती थीं, लेकिन आज प्रदेश में वातावरण बदल रहा है। महिलाएं अब शिक्षा, व्यापार, नौकरी और राजनीति तक हर क्षेत्र में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि परिवार में पहले बेटों को प्राथमिकता दी जाती थी, पर वास्तव में बेटियां परिवारों को आपस में जोड़ने का कार्य करती हैं।

उन्होंने ग्रामीणों से आह्वान किया कि जब भी घर में बेटी का जन्म हो, एक वृक्ष अवश्य लगाया जाए। वृक्ष न केवल छाया और फल देते हैं बल्कि आर्थिक रूप से भी सहारा बनते हैं।

इस दौरान युवक मंगल दल अध्यक्ष इंद्रजीत लोधी ने ग्राम पंचायत में खेल मैदान की मांग उठाई। जिस पर अपर जिलाधिकारी ने शीघ्र ही कागजात देखकर चिन्हांकन कर मैदान बनाए जाने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में युवक मंगल दल उपाध्यक्ष किशन वर्मा, ग्राम प्रधान गीता देवी, पंचायत सहायक नेहा कुशवाहा, आपदा विशेषज्ञ अभिषेक श्रीवास्तव, सहायक निदेशक कृषि पी.के. सिंह, प्रभारी युवा कल्याण अधिकारी सतेंद्र कुमार, क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी शुभम सिंह सहित बड़ी संख्या में महिला मंगल दल की सदस्याएं, ग्रामीण व युवा मौजूद रहे।

स्वस्थ नारी सशक्त परिवार : कुरैंया गाँव में आयोजित स्वास्थ्य शिविर का फीता काटकर किया शुभारम्भ

विश्ववार्ता संवाददाता

पीलीभीत। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कुरैया में "स्वस्थ नारी सशक्त परिवार" अभियान के अन्तर्गत स्वास्थ्य शिविर का शुभारम्भ भाजपा के मण्डल अध्यक्ष एवं गन्ना विकास समिति चेयरमैन नितिन दीक्षित द्वारा फीता काटकर किया गया। स्वास्थ्य शिविर में लगे हुये स्टॉल का निरीक्षण कर जनमानस को उपलब्ध करायी जा रही सुविधाओं एवं दवाइयों के बारे में भी जानकारी प्राप्त की।

पूरनपुर तहसील क्षेत्र के गाँव कुरैंया कलां स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर आयोजित स्वास्थ्य शिविर में प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. छत्रपाल द्वारा मुख्य अतिथि का अभिवादन करते हुये अभियान के विषय में अवगत कराया एवं उसमें प्रदान की जाने वाली सेवाओं के विषय में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। मुख्य अतिथि द्वारा स्वास्थ्य शिविर में आये हुये जनमासन, भाजपा कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों को सम्बोधित किया गया। उन्होने कहा कि यह आयोजन यह दर्शाता है कि उत्तर प्रदेश की सरकार नारी के स्वास्थ्य एवं नारी सशक्तीकरण के लिये प्रतिबद्ध है। स्वास्थ्य शिविर में गर्भवती महिलाओं की जॉच व टीकाकरण, बच्चों का टीकाकरण, परिवार नियोजन, मानसिक स्वास्थ्य एवं किशोर-किशोरियों को परामर्श एवं लाभार्थियों की हीमोग्लोबिन, बीपी एवं शुगर की भी निःशुल्क जॉच की गई एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा परामर्श, उपचार एवं दवाइयॉ वितरित की गईं। इस अवसर पर भाजपा के मण्डल अध्यक्ष एवं चेयरमैन गन्ना विकास समिति नितिन दीक्षित एवं प्रभारी चिकित्सा अधिकारी कुरैया डॉ. छत्रपाल, डॉ. खुशनूद अहमद, डॉ. शकील, डॉ. पलास शर्मा, डॉ. सूरज पाण्डेय, पल्लवी सक्सेना, नीलम देवी, सहित भाजपा के अन्य कार्यकर्ता एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, कुरैया के चिकित्सक एवं समस्त स्टॉफ उपस्थित रहे।

ब्रज प्रदेश अध्यक्ष ठाकुर दलवीर सिंह तोमर का शाहजहांपुर में भव्य स्वागत

विश्ववार्ता संवाददाता

शाहजहांपुर। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ब्रज प्रदेश के नवमनोनीत प्रदेश अध्यक्ष ठाकुर दलवीर सिंह तोमर (एड.) का शनिवार को शाहजहांपुर की सीमा पर जोरदार स्वागत किया गया। युवा जिला अध्यक्ष स्वदेश सिंह के नेतृत्व में गाड़ियों के काफिले के साथ उन्हें बरेली मोड़ स्थित जिला कार्यालय लाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पदम सिंह ने की तथा संचालन मुनीश सिंह परिहार एड. ने किया।

प्रदेश अध्यक्ष ने प्रभु श्रीराम एवं महाराणा प्रताप के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। उन्होंने संगठन को सामूहिक प्रयासों का परिणाम बताते हुए कहा कि वर्तमान युग डिजिटल है। इसमें सहभागिता आवश्यक है। बिना राजनीतिक शक्ति के विकास संभव नहीं और शक्ति केवल संगठन व एकता से मिल सकती है। उन्होंने युवाओं में गिरते संस्कार स्तर पर चिंता जताते हुए अभियान चलाने की बात कही। साथ ही संगठन बनाओ, संगठन बढ़ाओ, चलो बूथ की ओर अभियान पर बल दिया। इस मौके पर पवन कुमार सिंह, ठाकुर विजय प्रताप सिंह चंदेल, धर्मेंद्र प्रताप सिंह, वीरांगना अध्यक्ष संदेश सिंह, दाताराम सिंह चौहान सहित कई वक्ताओं ने विचार रखे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विश्वविद्यालय स्तरीय युवा सांसद में गूंजे पर्यावरण संरक्षण के स्वर

शाहजहांपुर। महात्मा ज्योतिबा फुले विश्वविद्यालय परिसर में विकासार्थ विद्यार्थी (SFD) Students for Development की ओर से राष्ट्रीय पर्यावरण युवा सांसद (NEYP) 2026 के लिए विश्वविद्यालय स्तरीय युवा सांसद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न कॉलेजों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी कर पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास पर अपने विचार प्रस्तुत किए। इस अवसर पर SFD प्रांत प्रमुख मचकेन्द्र सिंह ने कहा कि विकासार्थ विद्यार्थी पर्यावरण संरक्षण को समर्पित संगठन है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को बताया जाता है कि पेड़-पौधे, जल, जंगल और जमीन मानव जीवन के लिए कितने आवश्यक हैं। जिला संयोजक वैभव सक्सेना ने कहा कि संगठन का मुख्य उद्देश्य छात्रों में सतत विकास के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण पैदा करना है। उन्होंने कहा कि SFD जल संरक्षण, प्लास्टिक कचरा प्रबंधन, हरित परिसर पहल, पर्यावरण जागरूकता अभियान, साइकिल रैली, नुक्कड़ नाटक और प्रदर्शनी जैसी गतिविधियों के जरिए सामाजिक सरोकारों को मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग, वर्षा जल संचयन जैसी समस्याएं आज गंभीर चुनौती बन चुकी हैं, इसलिए युवाओं की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम में विभाग संगठन मंत्री राहुल गंगवार, जिला संगठन मंत्री संदीप, महानगर संयोजक अंशु सिंह सहित आर्यन राज, लक्ष्य सिंह, अतितोष, मुस्कान, आरोही, अल्तमश आदि छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

हमको विश्व गुरु कहने की दुनिया की लाचारी होगी

विश्ववार्ता संवाददाता

शाहजहांपुर। श्री 1008 महाराजा अग्रसेन जयंती समारोह का कवि सम्मेलन भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेई ऑडिटोरियम में आयोजित हुआ। कवि सम्मेलन का शुभारम्भ मां शारदे, महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा के समक्ष मुख्यातिथि सहकारिता राज्यमंत्री जेपीएस राठौर, आईआईए के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक अग्रवाल, राष्ट्रीय कवि अनिल अग्रवंशी, मोनिका देहलवी, अर्जुन सिसोदिया, डॉ. आदित्य जैन ने दीप प्रज्वलित कर व पुष्प अर्पित कर किया। सभी कवियों का बुके देकर समारोह समिति की ओर से स्वागत किया गया।

कवि मोनिका देहलवी ने गीतमय मां सरस्वती की वंदना की। वीर, हास्य सहित विभिन्न रसों की कविताएं सुनकर श्रोता हंसते हंसते लोटपोट हुए। तालियों की गड़गड़ाहट से अटल ऑडोटोरियम गूंज उठा। कवि सम्मलेन के समापन के साथ अग्रसेन जयंती समारोह सम्पन्न हो गया। सहकारिता राज्यमंत्री जेपीएस राठौर ने कहा कि कविता के बिना क्रांति पूरी नहीं होती है।

बिस्मिल ने गीत लिखा था सरफ़रोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है, देखना है ज़ोर कितना बाज़ू-ए-क़ातिल में है। यह गीत को अक्सर चंद्रशेखर आजाद गुनगुनाया करते थे। सोशल मीडिया के दौर में लोगों ने कविताएं पढ़ना बहुत कम कर दी है। परन्तु कविताएं जीवन का सच बयां करती हैं। उन्होंने कहा कि कवि समाज को जोड़ता है। उत्तर प्रदेश में इतिहासकार बहुत हुए।

भ्रष्टता को छुपाने और जांच को प्रभावित करने में जुटे विभागीय अधिकारी सहित आरोपित प्रधान

विश्ववार्ता संवाददाता

पीलीभीत। प्रधानों द्वारा अपनी भ्रष्टता को छुपाने और कानूनी कार्यवाही से बचने के लिए शिकायतकर्ता सहित निडर पत्रकार पर आरोप लगाते हुए प्रचलित जांच को प्रभावित करने का प्रयास किया जा रहा है। भ्रष्टाचार में लिप्त ग्राम प्रधान संगठन का सहारा लेकर अधिकारियों पर भी लगातार दवाब बनाने के लिए प्रयासरत हैं। हालांकि अभी तक अधिकारी दवाब में नहीं आये हैं।

पूरनपुर ब्लॉक क्षेत्र की ग्राम पंचायत अभयपुर, जगतपुर कसगंजा, कबीरपुर, लोहरपुर, सिकराना, पिपरिया मझरा व गुलड़ियां भूपसिंह के ग्राम प्रधानों ने अखिल भारतीय प्रधान संगठन के जिलाध्यक्ष नरेश पाल सिंह चौहान के पैड का सहारा लेकर जिलाधिकारी से 22 सितम्बर को दोबारा शिकायत की है, इससे पूर्व भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरे प्रधानों ने 1 सितम्बर 2025 को भी जिलाधिकारी से शिकायत की थी।

भ्रष्टाचार में लिप्त ग्राम प्रधानों ने शिकायत में कहा है कि दिव्यांशु कुमार पुत्र प्रमोद कुमार निवासी सी0 612 आवास विकास कालोनी शहर व जिला पीलीभीत द्वारा शपथपत्र 16 जून 2025 के माध्यम से एक सामूहिक शिकायत की गयी है, जबकि दिव्यांशु कुमार पुत्र प्रमोद कुमार प्रश्नगत (आरोपित) किसी भी ग्राम पंचायत का निवासी नहीं है, और न ही कभी पूर्व में निवास करता था। आरोप लगाते हुए प्रधानों ने यह भी कहा है कि पत्रकार महेश शर्मा हम लोगों की शिकायतों को रंगदारी बसूलने के लिये समय-समय पर करवाता रहता है, जिससे हम प्रधान लोग काफी परेशान रहते है। इतना ही नहीं भ्रष्टाचार में लिप्त प्रधानों ने पत्रकार बंधुओं का सम्बोधन करते हुए कहा कि उनका अन्य पत्रकारों द्वारा भी लगातार शोषण किया जा रहा है। भ्रष्टाचार में लिप्त प्रधानों ने निदेशक पंचायती राज्य उत्तर प्रदेश के पत्र दिनांक 31 जुलाई 2025 का भी सहारा लिया है और जिलाधिकारी से प्रचलित जाँच को बंद करने की मांग की है, जबकि शिकायतकर्ता द्वारा की गई शिकायत शासनादेश निर्गमन से पूर्व की है, जिसपर उल्लेखित शासनादेश लागू नहीं होता है।

आरोपित प्रधानों की भ्रष्टता की क्या है सत्यता

शिकायतकर्ता दिव्यांशु कुमार ने 8 अप्रैल 2025 को आयुक्त बरेली को सम्बोधित शपथपत्र युक्त शिकायती पत्र में कहा है कि ब्लॉक पूरनपुर की ग्राम पंचायत अभयपुर जगतपुर, कबीरपुर कसगंजा, लोहरपुरा, सिकरहना, पिपरिया मझारा, गुलड़िया भूपसिंह में संबंधित प्रधान व तत्कालीन पंचायत सचिव रत्नेश सोनकर ने शासकीय धन को गबन करने के उद्देश्य से हरप्रसाद व रोहित वर्मा नामक व्यक्तियों से साझ कर ली और रोहित वर्मा का पुष्पेंद्र कुमार के नाम से तथा हरप्रसाद का वेंडर ई-ग्राम स्वराज पोर्टल पर फीड करके पीएफएमएस के माध्यम से उनके बैंक खातों में 1454904 रुपये का फर्जी भुगतान करके संबंधित प्रधान एवं तत्कालीन पंचायत सचिव ने सरकार तथा विभाग के साथ धोखाधड़ी की है और शासकीय धनराशि का बंदरबांट किया है। चूकि पुष्पेंद्र कुमार व हरप्रसाद न तो ठेकेदार है, न ही श्रमिक हैं और न ही कोई कर्मचारी है। ई- ग्राम स्वराज पोर्टल पर पुष्पेंद्र कुमार नाम का वेंडर फीड किया गया और रोहित वर्मा नाम के व्यक्ति का बैंक खाता दर्ज किया गया, जोकि कानूनन अपराध है। इस तरह से पूरनपुर ब्लॉक की ग्राम पंचायतों में करोड़ों का फर्जीवाड़ा और घोटाला किया गया है। ऐसे घोटालेबाज पंचायत सचिवों सहित प्रधानों को डीपीआरओ और संबंधित डीपीएम का विशेष संरक्षण प्राप्त है। साथ ही यह भी कहा गया है कि शिकायतकर्ता द्वारा प्रकरण से संबंधित समुचित साक्ष्य जांच अधिकारी को उनके अनुरोध पर ससमय उपलब्ध करा दिए जाएंगे।

छह महीने में अधिकारियों ने क्या की कार्यवाही

सर्वप्रथम आयुक्त के पत्र का संज्ञान लेकर जिलाधिकारी ने डीपीआरओ को जाँच कर आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। डीपीआरओ की भूमिका संदिग्ध होने के कारण शिकायत को अस्वीकार करने का प्रयास किया, लेकिन जिलाधिकारी के हस्तक्षेप के बाद एडीओ (पंचायत) को जाँच दी गई। शिकायतकर्ता द्वारा राजपत्रित अधिकारी से जाँच कराने की मांग को दृष्टिगत रखते हुए जिलाधिकारी ने मामले की निष्पक्ष रूप से जांच करने के लिए दो सदस्यीय समिति गठित की। जांच समिति द्वारा प्रकरण से संबंधित अभिलेख तलब किए गए, लेकिन ब्लॉक स्तर से लेकर ग्राम पंचायत स्तर तक किसी ने भी जांच अधिकारियों को अभिलेख उपलब्ध नहीं कराए। प्रभारी डीपीआरओ ने एडीओ पंचायत को तीन दिन में अभिलेख उपलब्ध कराने अन्यथा की दशा में संबंधित के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने के निर्देश दिए। अब तक कई बार रिमाइंडर भी दिए गए, लेकिन डीपीआरओ रोहित भारती और सम्बंधित डीपीएम के संरक्षण के चलते जाँच सम्बन्धी अभिलेख जाँच अधिकारियों को उपलब्ध नहीं कराये गए हैं। प्रभारी डीपीआरओ के पत्र के बाद डीपीआरओ रोहित भारती भी छुट्टी से लौट आये और उन्होंने हठधर्मी और भ्रष्ट किस्म के पंचायत सचिव और ग्राम प्रधानों सहित अपनी गर्दन बचाने और भ्रष्टाचार को छुपाने के लिए आरोपित ग्राम प्रधानों से एक मनगढंत शिकायती पत्र डीएम ज्ञानेंद्र सिंह को दिला दिया, जिससे कि भ्रष्टाचार की जाँच को प्रभावित (बंद) किया जा सके और करोड़ों के गबन का राजफाश होने से बच जाये।

एक नजर

मोबाइल बना जान का दुश्मन, युवती हुई अचेत

फतेहपुर। मलवां थाना क्षेत्र के चितौरा गांव में मोबाइल चलाने को लेकर भाई बहन के बीच झगड़ा हो गया। बड़े भाई ने अपनी छोटी बहन को मारपीट दिया जिससे वह अचेत हो गई। हादसे की जानकारी परिजनों को हुई तो तुरंत उसको इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टर भर्ती कर उसका इलाज कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के चितौरा गांव निवासी मुकेश के 20 वर्षीय पुत्र अंकित का अपनी 18 वर्षीय बहन अंकिता से मोबाइल चलाने को लेकर विवाद हो गया। अंकित ने अपनी बहन को मारपीट दिया जिससे अंकिता अचेत हो गई हादसे की जानकारी परिजनों को हुई तो तुरंत फोन कर घटना की सूचना सरकारी एंबुलेंस को दिया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची एंबुलेंस ने अचेत अवस्था में युवती को इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर भर्ती कर उसका इलाज कर रहे हैं। वही साथ में अस्पताल पहुंची अंकिता की मां आशा देवी ने बताया की भाई बहन ने मोबाइल चलाने को लेकर आपस में लड़ गए भाई ने अपनी बहन को मारपीट दिया जिससे वह अचेत हो गई तो इलाज के लिए अस्पताल लेकर आए हैं।

नारी सुरक्षा को लेकर पुलिस सतर्क-सीओ

खागा/फतेहपुर। सरस्वती बाल मंदिर इंटर कालेज शहजादपुर में शनिवार को नारी शक्ति मिशन 05 कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पुलिस क्षेत्राधिकारी, कोतवाली प्रभारी महिला पुलिस अधिकारी सहित पूरी पुलिस फोर्स मौजूद रही। कालेज के प्रधानाचार्य राजकपूर सिंह व छात्र-छात्राएं शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष विधिवत पूजा-अर्चना से हुई। इसके बाद विद्यालय की कक्षा नौ से बारह तक की बालिकाओं ने नारी शक्ति पर आधारित विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं, जिनमें आत्मरक्षा, सामाजिक जागरूकता एवं महिला सशक्तिकरण के संदेश शामिल थे। छात्राओं ने सुरक्षा को लेकर अधिकारियों से जानकारी ली। क्षेत्राधिकारी ब्रजमोहन राय ने कहा कि नारी शक्ति मिशन का उद्देश्य बेटियों को सुरक्षा का भरोसा देना और उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करना है। वहीं कोतवाली प्रभारी ने छात्राओं को आश्वासन दिया कि पुलिस 24 घंटे उनकी सेवा के लिए तत्पर है। किसी भी प्रकार की समस्या पर तुरंत मदद उपलब्ध कराई जाएगी। प्रधानाचार्य राजकपूर सिंह ने पुलिस विभाग का आभार जताते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन से बालिकाओं का आत्मविश्वास बढ़ता है और उन्हें समाज में अपनी पहचान बनाने की प्रेरणा मिलती है। इस मौके पर दीपक, दिनेश, शिवप्रताप सिंह एवं समस्त स्टाफ मौजूद रहे।

संपूर्ण थाना दिवस का आयोजन ऐट थाना परिसर में आयोजित किया गया

ऐट जालौन। सम्पूर्ण थाना समाधान दिवस का आयोजन ऐट थाना में पुलिस अधीक्षक जालौन डा दुर्गेश कुमार व अपर जिलाधिकारी संजय कुमार की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। पुलिस अधीक्षक डा दुर्गेश कुमार एवं अपर जिलाधिकारी संजय कुमार थाना समाधान दिवस मे आए फरियादियों की शिकायतो को गंभीरता पूर्वक सुना गया और थाना व समाधान दिवस मे जो भी समस्याएं बाकी रह गई। उन्हें संबंधित अधिकारियों को देकर समय से निस्तारण करने के निर्देश तथा उनकी समस्याओं के गुणवत्तापूर्ण/समयबद्ध निस्तारण हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

पुलिस ने दो शोहदो को किया गिरफ्तार

हलिया (मिर्जापुर)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मिर्जापुर सोमेन बरना के निर्देशन में चलाये जा रहे मिशन शक्ति फेज 5.0 अभियान के तहत महिला सम्बन्धी अपराध के रोकथाम हेतु थानाध्यक्ष राजीव कुमार श्रीवास्तव व थाना हलिया पुलिस द्वारा शनिवार को चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वाहन के दौरान कुल दो अभियुक्त व शोहदो को अन्तर्गत धारा 170, 126, 135 में गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा गया। कार्रवाई व गिरफ्तारी करने वाली टीम में एसआई महेन्द्र प्रताप यादव, कांस्टेबल राजेश मौर्या, महिला कांस्टेबल सुमन भारती रही। इस संबंध में थानाध्यक्ष राजीव कुमार श्रीवास्तव ने बताया की वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में चलाये जा रहे मिशन शक्ति फेज 5.0 अभियान के तहत दो अभियुक्तध्शोहदे को गिरफ्तार कर कार्रवाई करते हुए उपजिलाधिकारी लालगंज के न्यायालय में हाजिर कर दिया गया है।

घर के अंदर सो रहे दिव्यांग किसान की गोली मारकर हत्या

मृतक के पुत्र ने अज्ञात लोगों के विरुद्ध दर्ज कराई रिपोर्ट

- डॉग स्क्वायड व फोरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य
- घटना के खुलासे में जुटी कोतवाली पुलिस

विश्ववार्ता संवाददाता

नरैनी। घर के बरामदे में चारपाई पर सो रहे दिव्यांग किसान की गोली मार कर हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस अधीक्षक ने घटनास्थल का मौका मुआयना किया। मौके पर पहुंची डॉग स्क्वायड व फॉरेंसिक टीम ने नमूने लिए। शव का पोस्टमार्टम कराया गया। पुत्र ने कोतवाली में अज्ञात लोगों के विरुद्ध तहरीर दी है।

कोतवाली क्षेत्र के हड़हा गांव निवासी मंसूर खान (50) पुत्र सिद्दीक खान शुक्रवार की रात घर के बरामदे में चारपाई पर सो रहा था। उसका पुत्र माशूक अपनी पत्नी मुस्कान के साथ कमरे में सो रहा था। नजदीक स्थित कमरे में उसकी दिव्यांग बहन राबिया सो रही थी। इसी बीच दीवार फांद कर घर में घुसे अज्ञात लोगो ने मंसूर के सीने से सटाकर दो फायर झोंक दिए। उसकी मौके पर मौत हो गई। गोली चलने की आवाज सुनकर राबिया और पुत्र माशूक की नीद खुल गई।

भूमि विवाद के चलते पुत्र ने जताई हत्या की आशंका

घटना के संदर्भ में मृतक के पुत्र माशूक खान ने बताया कि गांव उसके पिता या परिजनों की किसी से दुश्मनी नहीं। अलबत्ता एक साल पहले उसके दादा ने छह बीघा जमीन उसके नाम करवा दी थी। इस बात पर दादा के पुत्र रंजिश मानने लगे। आशंका जताई कि जमीन नाम कराने की खुन्नस में हत्या की गई हो।

मौके पर पहुंचे परिजनों ने उसका शव खून से लथपथ पड़ा देखा। हत्या की सूचना पाकर पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल, एएसपी शिवराज, सीओ नरैनी कृष्णकांत समेत कोतवाली प्रभारी संदीप तिवारी मौके पर पहुंच गए। डाग स्क्वायड और फॉरेसिंक टीम ने नमूने लिए। मृतक के पुत्र माशूक ने बताया कि बहन राविया की शादी गोयरा मुगली में हुई थी। दिव्यांग होने की वजह से वह छह साल से मायके मे रह रही थी। कोतवाली प्रभारी संदीप तिवारी ने बताया कि मृतक के पुत्र ने अज्ञात लोगों के खिलाफ कोतवाली में तहरीर दी है। तहरीर के आधार पर अज्ञात लोगो के खिलाफ सुसंगत धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। उधर, सीओ नरैनी कृष्णकांत का कहना है कि आरोपियो को गिरफ्तार करने के लिए टीमे गठित कर दी गई है। जल्दी ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

टैबलेट पाकर स्मार्ट हुए आदर्श आईटीआई के छात्र-छात्राएं

- भाजपा जिलाध्यक्ष ने समारोह में वितरित किए टैबलेट
- छात्र-छात्राओं को तकनीकी शिक्षा के प्रति जागरूक किया

विश्ववार्ता संवाददाता

बांदा। स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के तहत आदर्श आईटीआई में आयोजित समारोह के बीच भाजपा जिलाध्यक्ष समेत अन्य ने छात्र-छात्राओं को टैबलेट वितरित किए। इस मौके पर आईटीआई शिक्षा में टैबलेट के प्रयोग व उपयोगिता की जानकारी देकर छात्र-छात्राओ को तकनीकी शिक्षा के प्रति प्रेरित किया।

छात्रों को हाईटेक कर स्मार्ट बनाने के लिए प्रदेश सरकार की ओर से स्वामी विवेदानंद युवा सशक्तिकरण योजना के तहत टैबलेट व स्मार्ट फोन का वितरण किया जा रहा है। इसी क्रम में शहर के पुलिस लाइन तिराहा स्थित आदर्श आईटीआई में शनिवार को आयोजित भव्य समारोह में स्वामी विवेदानंद युवा सशक्तिकरण योजना के तहत छात्र-छात्राओं को भाजपा जिलाध्यक्ष कल्लू सिंह राजपूत समेत समाजसेवी व भाजपा नेता अमित सेठ भोलू ने टैबलेट वितरित किए। भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा मुख्यमंत्री का सपना है कि प्रदेश का हर युवा समग्र रूप से सक्षम हो। आज के इस तकनीकी युग में प्रदेश में वितरित किए जा रहे स्मार्ट फोन व टैबलेट से युवा अपनी पढ़ाई व रोजगार को आगे बढ़ाने में सफल होंगे। भाजपा नेता श्री सेठ ने आईटीआई शिक्षा में टैबलेट के प्रयोग व उपयोगिता की जानकारी देकर छात्र-छात्राओं को तकनीकी शिक्षा के प्रति प्रेरित किया। कहा टैबलेट से आनलाइन पढ़ाई में विद्यार्थियों को सहूलियत होगी। साथ ही प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारियों में आसानी होगी। यह योजना विभिन्न राज्यों द्वारा विशेष रूप से उत्तर प्रदेश में स्नातक, स्नातकोत्तर, तकनीकी और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के छात्रों को डिजिटल एक्सेस देने के लिए लागू की गई है।

केंद्र व राज्य सरकार ने विकास को दिया गया महत्व :सुनील पटेल

जिला पंचायत ने आयोजित गोष्ठी में दिल से जुड़ने का किया आहवान सदस्यों ने सुझाव के साथ रखे विचार, अधिकारियों ने दी जानकारी

विश्ववार्ता संवाददाता

बाँदा। जिला पंचायत के सभागार में विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत व उत्तर प्रदेश विषयक गोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें उपस्थित जन प्रतिनिधियों एवं जिला स्तरीय अधिकारियों ने विचार व्यक्त करते हुए सुझाव साझा किए। बैठक को संबोधित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष सुनील सिंह पटेल ने दल की बात न करते हुए दिल से जुड़ने की बात कहीं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से पूर्व की सरकारों द्वारा अपने हिसाब से योजनाओं का संचालन किया गया, लेकिन उसके बाद से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में बनी सरकार द्वारा विकास एवं तकनीकि को खास महत्व दिया गया, जिसकी वजह से भारत सशक्त रूप से विकास की ओर अग्रसर हो रहा है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री द्वारा सराहनीय कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत एवं उत्तर प्रदेश के लिए शिक्षा एवं जागरुकता की जरूरत है। उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति को आत्मनिर्भर होने पर जोर दिया। इससे पूर्व गोष्ठी को संबोधित करते हुए जिला पंचायत सदस्य अब्दुल रईस ने कहा कि जब देश का किसान खुशहाल होगा, तभी देश विकसित होगा। उन्होंने सांसद से अनुरोध किया कि फतेहपुर से बबेरू, अतर्रा व पन्ना होते हुए खजुराहो तक नई रेल लाइन डलवाई जाए।

इसी क्रम में जिला पंचायत सदस्य इंद्रजीत यादव ने कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए लघु कालीक व दीर्घ कालीन जन कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जाए। जिला परिषद कृषि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राजेंद्र कुमार गुप्ता ने शिक्षा के क्षेत्र में विकास के लिए शिक्षा के निजीकरण पर रोक लगाए जाने की मांग की। बाल कल्याण समिति की प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट अर्चना मिश्रा ने बाल विवाह पर रोक व महिला सुरक्षा की दिशा में कार्य करने पर बल दिया। जिला पंचायत सदस्य रजनी यादव ने जीएसटी हटाने, मंजू देवी ने महिला सशक्तीकरण संबंधी योजनाओं से अवगत कराया। भरत सिंह ने शिक्षा पर ध्यान देने की बात कहीं। मुख्य विकास अधिकारी अजय कुमार पांडेय व परियोजना निदेशक राजेश ने कहा कि सुझाव के लिए सरकार द्वारा क्यूआर कोड की व्यवस्था की गई है, जिसे स्कैन कर सुझाव साझा करें। बैठक में सांसद कृष्णादेवी शिवशंकर पटेल मौजूद रही। इस दौरान कार्य अधिकारी सुजीत कुमार मिश्रा द्वारा लीफलेट एवं बुकलेट का वितरण किया गया।

पानी भरे गड्ढे में गिर कर मासूम की मौत

फतेहपुर। औंग थाना क्षेत्र के ग्राम सुगनापुर शिवराजपुर में शनिवार की सुबह घर के सामने गड्ढे में भरे पानी में गिर कर 3 वर्षीय मासूम की डूबकर मौत हो गयी। जानकारी के अनुसार सुगनापुर शिवपुर गांव निवासी पुत्ती का पुत्र सचिन अपने घर के सामने खेल रहा था। तभी खेलते खेलते पास में ही गड्ढे में भरे पानी में जा गिरा जिससे मासूम बच्चे की डूब कर मौत हो गयी। उधर कुछ देर बाद जब परिजनों ने बच्चे को नहीं पाया तो उसकी खोजबीन शुरू कर दी। लगभग आधे घन्टे के बाद घर के सामने बने गड्ढे में भरे पानी में बच्चे का शव मिला।

बाइक सवार दो उचक्के झांसा देकर पचास हजार रुपये का गहना लेकर फरार

- पुलिस मामले की जांच पड़ताल करने में जुट गई है

विश्ववार्ता संवाददाता

हलिया (मिर्जापुर)। स्थानीय थाना क्षेत्र के हथेड़ा गांव स्थित आभूषण के एक दुकान पर शुक्रवार को पहुँचे बाइक सवार दो उचक्के सोने चांदी के करीब पचास हजार रुपये का आभूषण लेने के बाद दुकानदार को ऑनलाइन पेमेंट करने का झांसा देकर फरार हो गए। दुकानदार के खाते में पैसा नहीं पहुंचने पर दुकानदार की सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच पड़ताल करने में जुट गई है। उच्चको की तस्वीर बगल के दुकान में लगे सीसी टीवी कैमरे के फुटेज में कैद हो गई है।

सीसी टीवी कैमरा के वीडियो में अपाचे बाइक सवार बाइक चालक हेलमेट लगाकर तो बाइक सवार बिना हेलमेट के दुकान में जाते हुए और निकलते हुए दिखाई दे रहे है। पुलिस दुकानदार से तहरीर लेने के बाद पुरे मामले की जांच पड़ताल करने में जुट गई है। दुकान से दिनदहाड़े उच्चका गिरे होने से अन्य दुकानदारों में हड़कंप मच गया है। प्रयागराज जनपद के मांडा थाना क्षेत्र के भारतगंज निवासी शकील अहमद की आभूषण की दुकान हथेड़ा गांव में है। शुक्रवार को दुकान पर पहुँचे अपाचे बाइक सवार दो उचक्के दुकान से चांदी के ब्रासलेट व सोने के झलवा लेने के बाद दुकान दार से आन लाइन पैमेंट करने की बात कर दुकान से फरार हो गए। दुकानदार के खाते में पैसा नहीं आने पर दुकानदार ने बगल के दुकान में लगे सीसी टीवी कैमरे से दोनों उचक्को की पहचान करने का प्रयास किया लेकिन पहचान नहीं होने पर दुकानदार ने पुलिस को सूचना दिया। मौके पर पहुँचे थानाध्यक्ष राजीव कुमार श्रीवास्तव ने बगल के दुकान में लगे सीसी टीवी कैमरा का निरीक्षण कर दुकानदार से तहरीर लेने के बाद मामले की जांच पड़ताल करने में जुट गए है। सीसी टीवी कैमरा के फुटेज में बाइक सवार दो युवक दुकान के अंदर प्रवेश करते व बाहर निकलने का वीडियो दिख रहा है। बाइक चालक हेलमेट लगाया हुआ तो बाइक सवार बिना हेलमेट के दिखाई दे रहा है। इस संबंध में थानाध्यक्ष राजीव कुमार श्रीवास्तव ने बताया की आभूषण की दुकान पर आभूषण लेने के बाद आन लाइन पेमेंट करने का झांसा देकर आभूषण लेकर फरार दोनों उच्चक्को की तलाश किया जा रहा है।

सेवा पखवाड़ा अभियान के तहत सदर विधायक ने दिव्यागजनों कृत्रिम उपकरण कलेक्ट्रेट में वितरण किए

विश्ववार्ता संवाददाता

उरई। शनिवार को सेवा पखवाड़ा अभियान के तहत दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा जनपद के समस्त विकास खंडो में शिविर के माध्यम से चिन्हित किये गए दिव्यांगजनो को उनकी पात्रता के अनुरूप कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. घनश्याम अनुरागी, विधायक सदर गौरीशंकर वर्मा, सांसद प्रतिनिधि राजू अहिरवार सहित अन्य जनप्रतिनिधियों, नगर मजिस्ट्रेट राजेश कुमार वर्मा, जिला पंचायत राज अधिकारी राम अयोध्या प्रसाद, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी प्रवीण कुमार की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट परिसर में वितरित किये गए।

वितरण कार्यक्रम में विकास खण्ड डकोर, महेवा, कदौरा एवं नगर क्षेत्र उरई के चिन्हित दिव्यांगजनो को 50 ट्राईसाइकिलें, 3 व्हील चेयर, 5 वॉकिंग स्टिक, 5 स्मार्ट केन (दृष्टिबाधितों के लिए विशेष छड़ी), 15 जोड़ी वैशाखियां तथा 20 दिव्यांगजनों को कृत्रिम हाथ-पैर एवं कैलीपर लगाकर 98 दिव्यांगजनो को सहायक उपकरणों से लाभान्वित किया गया। जनप्रतिनिधियों द्वारा दिव्यांगजनो को फूलमाला पहनाकर उनको कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण प्रदान किये गए।

जनप्रतिनिधियों ने लाभार्थियों को संबोधित करते हुए सरकार की योजनाओं और उनके महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र को दोहराते हुए कहा कि सरकार की यह मंशा है कि समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचे। दिव्यांगजनों को सशक्त बनाना केवल एक सामाजिक दायित्व नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण का भी महत्वपूर्ण हिस्सा है। कार्यक्रम का सफल संचालन एआईसीबी के प्रोजेक्ट ऑफीसर सुधांशु शुक्ला द्वारा किया गया। इस अवसर पर पुष्पेंद्र सेंगर शैलेश कुमार गुप्ता, राकेश कुमार, प्रमोद कुमार श्रीवास्तव, धीरज कुमार मौजूद रहे।

मां कत्यायनी को शहद का भोग लगा मांगी सुख समृद्धि

- देवी मंदिर व पांडालों में छठवें दिन पूजी गईं मां कात्यायनी

विश्ववार्ता संवाददाता

फतेहपुर। शारदीय नवरात्र के छठवें दिन शनिवार को देवी मंदिरों में माता के छठवें स्वरूप कात्यायनी देवी की पूजा अर्चना श्रद्धालुओं ने की। जैसे-जैसे नवमी की तिथि नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे देवी मंदिरों एवं दुर्गा पांडालों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुट रही है। सिद्ध शक्तिपीठ दुर्गा मंदिर के साथ अन्य मंदिरों में माता के जयघोष गुंजायमान हो रहे हैं। वहीं भजन-कीर्तन व लांगुरियों की भी धूम मची हुई है।

आदिशक्ति मां दुर्गा का छठवां स्वरूप माता कात्यायनी का है। माना जाता है कि कत नामक महर्षि के पुत्र ऋषि कात्य ने मां भगवती की उपासना की थी और उनसे अपने घर में पुत्री के रूप में जन्म लेने की प्रार्थना भी की थी। माता ने ऋषि कात्य की प्रार्थना को स्वीकार किया और इन्हीं कात्य गौत्र में मर्हिष कात्यायन उत्पन्न हुए थे। कुछ काल के बाद दैत्य महिषासुर का अत्याचार जब पृथ्वी पर बहुत बढ़ गया था। तब भगवान ब्रह्रमा, विष्णु व महेश तीनों ने अपने तेज का अंश देकर महिषासुर के विनाश के लिए एक देवी को उत्पन्न किया था। सर्वप्रथम मर्हिष कात्यायन ने देवी की पूजा की थी। इसी कारण से मां कात्यायनी देवी कहलाईं। नवरात्र के छठवें दिन इन्हीं माता की पूजा अर्चना का विधान है। भक्तों द्वारा माता को शहद का भोग अर्पित किया गया। पूरे दिन भक्तों का यहां रेला लगा रहा। महिलाओं की इस दौरान खासी भीड़ लगी रही। दिन भर मंदिरों में मेले जैसा माहौल रहा।

शहद का भोग लगाने से आकर्षण शक्ति में वृद्धि

माना जाता है कि देवी भगवती को शहद का भोग लगाने से आकर्षण शक्ति में वृद्धि होती है। इसी कारण से श्रद्धालु नवरात्र के छठवें दिन मां कात्यायनी को शहद का भोग लगाते हैं। मंदिर समेत दुर्गा पांडालों पर त्रिशक्ति माता के साथ मां कात्यायनी का पूजन अर्चन श्रद्धालुओं ने किया।

प्राथमिक विद्यालय अस्ती का नोडल अधिकारी ने किया निरीक्षण

कान्वेंट की तर्ज पर प्राइमरी के बच्चो के अंग्रेज़ी बोलने पर खुश हुए अफसर

- पठन पाठन व शैक्षिक गुणवत्ता की जमकर की सराहना

विश्ववार्ता संवाददाता

फ़तेहपुर। आकांक्षी जनपद समीक्षा के लिये जनपद दौरे पर आई नोडल अधिकारी नीति आयोग भारत सरकार अदिति सिंह द्वारा जिले के तेलियानी ब्लांक स्थित प्राथमिक विद्यालय अस्ती का निरीक्षण किया गया। विद्यालय का शैक्षिक वातावरण पठन पाठन के तरीके एव बच्चो से बातचीत कर स्कूल की शैक्षिक गुणवत्ता को परखा इस दौरान विद्यालय की साफ-सफाई एव अन्य व्यवस्थाओं के साथ-साथ विद्यालय के बच्चों की पढ़ाई पर संतोष व्यक्त करते हुए प्रधानचार्य की सराहना की। साथ ही राजकीय पुस्तकालय का निरीक्षण कर जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्राथमिक विद्यालय अस्ती में लाइब्रेरी, एक्टिविटी कक्ष, पठन-पाठन कक्ष आदि को देखा और बच्चों से बातचीत कर शिक्षा की गुणवत्ता को परखा। विद्यालय के बच्चों ने अपना परिचय अंग्रेजी में दिया। प्राथमिक विद्यालय के बच्चों को कान्वेंट की तर्ज पर देखकर नोडल अधिकारी ने विद्यालय प्रधानचार्य की सराहना की। नोडल अधिकारी ने बच्चों को पुस्तक भी भेट की। विद्यालय के बच्चों ने नोडल अधिकारी का स्वागत रोली, टीका लगाकर किया। तत्पश्चात जीटी रोड स्थित राजकीय पुस्तकालय का निरीक्षण कर मौके पर अध्यनरत छात्रों से बातचीत कर दी जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी ली।

प्राथमिक विद्यालय अस्ती का निरीक्षण करती नोडल अधिकारी अदिति सिंह व डीएम।

उन्होंने कहा कि राजकीय पुस्तकालय में पढ़ने वाले छात्र-छात्राएं जो किसी प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हुए है उनसे उनके अनुभव साझा कराए जिससे अध्ययनरत छात्र- छात्राओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिले। लाइब्रेरी को डिजिटलीकरण करने पर बल दिया और कहा कि जो किताबें है उनको सॉफ्टवेयर में भी फीड कराए ताकि बच्चे तकनीकी के माध्यम से भी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर सके। इस अवसर पर जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, प्रशिक्षु आईएएस, जिला विकास अधिकारी परियोजना निदेशक डीआरडीए, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सहित संबंधित उपस्थित रहे।

एक नजर

छत से गिरकर युवक की मौत

खागा/फतेहपुर। धाता थाना क्षेत्र के गांव में सो रहे व्यक्ति की छत से गिरकर मौत हो गई। अचानक हुई मौत से परिवार में कोहराम मच गया। शुक्रवार की रात थाना क्षेत्र के सेमरी गांव में घर की छत पर सो रहे व्यक्ति की तेज बारिश से बचने के लिए दिशा भ्रम हो कर छत से नीचे गिर जाने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मृतक दुर्गा प्रसाद रात अपनी छत पर सो रहे थे छत पर बाउंड्री वॉल ना होने से बारिश के कारण नीद में सीढ़ी के बजाए छत के बाहरी हिस्से में पैर रख दिया, जिससे नीचे गिर कर गम्भीर रूप से घायल हो गए स्थिति नाजुक देख परिजन मंझनपुर जिला अस्पताल ले गए, जहां पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

ट्रेन की चपेट में आकर युवक की मौत

फतेहपुर। राधानगर थाना क्षेत्र के ग्राम सथरियांव के समीप शनिवार की सुबह रेलवे लाइन पार करते समय 25 वर्षीय युवक की ट्रेन की चपेट में आ जाने से मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गयी। जानकारी के अनुसार सथरियांव गांव निवासी चतुर का पुत्र राजकुमार शनिवार की सुबह लगभग 10 पैदल खेत की ओर जा रहा था। तभी रेलवे लाइन पार करते समय ट्रेन की चपेट में आया। जिससे उसकी घटना स्थल पर ही मौत हो गयी। वहीं घटना की सूचना पाकर मौके में पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर विच्छेदन ग्रह भेज दिया। घटना की जानकारी पोस्ट मार्टम हाउस में मृतक का चचेरा भाई सुरेन्द्र ने दी है।

वीडियो बना कर ब्लैकमेल करने वाला युवक गिरफ्तार

चुनार (मिर्जापुर)। स्थानीय कोतवाली अंतर्गत कस्बा पुलिस क्षेत्र के एक मुहल्ले में विवाहिता को ब्लैकमेल करने का मामला प्रकाश में आया है। मामले में पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने युवक के विरुद्ध बीएनएस की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर किया। आरोप है कि पड़ोसी युवक ने उसके कुछ निजी पलों के अश्लील वीडियो बना कर उसे वायरल करने की धमकी देकर विवाहिता से करीब 70 हजार रुपये वसूल लिए। इसके बाद भी वह लगातार और पैसे की मांग करता रहा। पीड़िता का कहना है कि जब उसने यह बात युवक के घरवालों को बताई तो वह गाली-गलौज करने लगा और चार युवकों के साथ उसके घर पहुंचकर मारपीट करने की कोशिश की तथा जान से मारने की धमकी दी। कोतवाल विजय शंकर सिंह ने बताया कि विवाहिता कि तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर पीड़िता को मेडिकल के लिए भेजा गया है।

बदलाव सेवा शर्तों में बदलाव के खिलाफ प्राथमिक शिक्षक संघ ने बोला हल्ला

बाइक रैली निकालकर प्राथमिक शिक्षकों ने जताया कड़ा विरोध

- शिक्षकों ने पीएम को संबोधित ज्ञापन सपा सांसद को सौंपा

विश्ववार्ता संवाददाता

बांदा। प्राथमिक शिक्षक संघ के बैनर तले शिक्षकों ने बाइक रैली निकाल कर सेवा शर्तों में बदलाव का कड़ा विरोध जताया। शिक्षकों ने पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस पहुंच कर प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन सपा सांसद को सौंपते हुए भारत सरकार द्वारा शिक्षकों की सेवा शर्तों में बदलाव किए जाने को गैर जरूरी बताया। शिक्षकों ने टीईटी की अनिवार्यता संबंधित आदेश को संशोधित कर शिक्षकों के हितों की रक्षा करने का अनुरोध किया। सांसद ने शिक्षकों की बात सदन में मजबूती से रखते हुए पत्राचार करने के साथ व्यक्तिगत रूप से प्रयास करने का आश्वासन दिया।

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष आशुतोष त्रिपाठी और मंत्री प्रजीत सिंह के नेतृत्व में शनिवार को सैकड़ों की संख्या में परिषदीय विद्यालयों के शिक्षक शनिवार को राजकीय इंटर कालेज ग्राउंड में एकत्रित हुए। शिक्षकों ने बाइक रैली निकालकर सेवा शर्तों में बदलाव किए जाने का विरोध जताया। पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस पहुंच कर सपा सांसद कृष्णा देवी पटेल को प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा। इसमें भारत सरकार द्वारा शिक्षकों की सेवा शर्तों में बदलाव किए जाने को गैर जरूरी बताया। कहा कि उच्चतम न्यायालय के पहली सितंबर 2025 में प्रदत्त आदेश से शिक्षकों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत लाखों शिक्षकों की सेवा, सुरक्षा, कार्य, स्थायित्व एवं गरिमा पर संकट उत्पन्न हो गया है। लाखों शिक्षक व उनके परिजन चिंतित व आक्रोशित होकर अवसाद ग्रस्त हो रहे हैं। जुलाई 2011 के पूर्व नियुक्त सभी शिक्षकों ने भी सभी मापदंडों पर खरा उतर कर सभी परीक्षाएं पास करने के बाद निर्धारित योग्यता पूरी करके ही शिक्षक बने है। जबकि भारत सरकार द्वारा वर्ष 2017 में ही मेज थपथपाकर सेवा शर्तों में संशोधन कर दिया गया। उच्चतम न्यायालय के निर्णय से शिक्षकों में आक्रोश और क्षोभ है। जिलाध्यक्ष ने कहा कि नौकरी में लंबे अरसे तक सेवा करने के बाद टीईटी की अनिवार्यता को थोपना गलत है। अनुभव को परीक्षा के तराजू में तोलना न्याय संगत नहीं है। सांसद ने ज्ञापन का संज्ञान लेकर शिक्षकों की बातों को सदन में मजबूती से रखते हुए पत्राचार करने के साथ व्यक्तिगत रूप से प्रयास करने का आश्वासन दिया। ज्ञापन देने वालों में रमाशंकर यादव, रामसुफल कश्यप सहित सभी जिला पदाधिकारी, ब्लॉक अध्यक्ष, मंत्री संघर्ष समिति अध्यक्ष, मंत्री, कार्य समितियां, तहसील प्रभारी, सह प्रभारी और तमाम महिला शिक्षक शामिल रहीं।

करंट की चपेट में आने से महिला की हुयी मौत

फतेहपुर। खागा कस्बा के मोहल्ला युगराज नगर में शनिवार की भोर कूलर में उतर रहे करंट की चपेट में आ जान से 30 वर्षीय महिला की मौत हो गयी। वहीं मृतका की बहन ने पति समेत ससुराली जनो पर दहेज की मांग पूरी न होने पर हत्या करने का आरोप लगाया है।

जानकारी के अनुसार कस्बा के युगराज नगर मोहल्ला निवासी ताजुब की पत्नी हुस्नबानो शनिवार की भोर लगभग 3 बजे लघुशंका करने के लिए उठी थी तभी अचानक कूलर में उतर रहे करंट की चपेट में आ जाने से उसकी मौत हो गयी। सूचना पाकर मौके में पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर विच्छेदन ग्रह भेज दिया। उधर पोस्ट मार्टम हाउस में बबली ने पति ताजुब, जेठानी निर्मला, भतीजा चांद व सास जन्नत पर आरोप लगाते हुये बताया कि दहेज में ससुराली जन चार पहिया की मांग कर रहे थे।

संपादकीय

जयंती नहीं, स्वर-उत्सव

जिस तरह राग दरबारी की तान मन को गहन शांति और आलौकिक अनुभूति में डुबो देती है, उसी तरह लता मंगेशकर का नाम लेते ही हर भारतीय का हृदय श्रद्धा, प्रेम और गर्व की लहरों से झंकृत हो उठता है। 28 सितंबर 1929 को इंदौर के एक साधारण मराठी परिवार में जन्मी लता जी केवल एक गायिका नहीं थीं, बल्कि भारतीय संगीत की वह धरोहर थीं, जिन्होंने अपने स्वर से युगों को जोड़ा। उनकी आवाज़ एक जादुई तार थी, जो हर भावना—प्रेम, विरह, भक्ति, और देशप्रेम को आत्मा की गहराइयों तक पहुँचाती थी। लता जी का जन्म न केवल एक तारीख था, बल्कि भारतीय संस्कृति में एक स्वर्णिम युग का प्रारंभ था, जिसने संगीत को आत्मा का दर्पण बना दिया। "स्वर कोकिला" का खिताब उनके लिए केवल एक सम्मान नहीं, बल्कि उनकी आवाज़ की पवित्रता और गहराई का साक्षात्कार था। उनका मूल नाम हेमा था, पर उनके पिता, शास्त्रीय संगीतज्ञ और रंगमंच के दिग्गज पंडित दीनानाथ मंगेशकर ने उन्हें "लता" नाम दिया। घर में संगीत का ऐसा माहौल था कि मानो हर दीवार से रागिनी और हर हवा में ताल गूंजता था। पाँच वर्ष की उम्र से ही लता जी ने पिता के नाटकों में अभिनय शुरू किया, और संगीत उनकी साँसों का हिस्सा बन गया। लेकिन 1942 में, जब वह मात्र 13 वर्ष की थीं, उनके पिता का असामयिक निधन ने परिवार को आर्थिक और भावनात्मक संकट में डाल दिया। इस नन्ही उम्र में लता जी ने अपने कंधों पर परिवार की जिम्मेदारी उठाई और अपनी आवाज़ को अपनी सबसे बड़ी ताकत बनाया। यही दृढ़ता और संकल्प उनकी आवाज़ में वह करुणा और तीव्रता लाया, जो हर गीत को अमर कर गया। 1942 में मराठी फिल्म "किटी हसाल" के लिए उनका पहला गीत (नाचू या गड़े, खेलो सारी मणि हौस भारी) रिकॉर्ड हुआ, लेकिन हिंदी सिनेमा में उनकी राह आसान नहीं थी। उस दौर में नूरजहाँ और शमशाद बेगम जैसी दमदार आवाज़ों का बोलबाला था, और लता जी की कोमल, मधुर आवाज़ को कई निर्माताओं ने "पतली" कहकर ठुकरा दिया। लेकिन लता जी का आत्मविश्वास और अथक परिश्रम ने संगीत की दुनिया को उनकी प्रतिभा का कायल बना दिया। 1949 में फिल्म "महल" का गीत "आएगा आनेवाला" उनकी पहली बड़ी कामयाबी थी, जिसने न केवल उन्हें रातोंरात सितारा बनाया, बल्कि हिंदी सिनेमा में पार्श्वगायन की नींव को नए सिरे से गढ़ा। यह गीत लता जी की आवाज़ का वह जादू था, जो समय और सीमाओं को लाँघकर आज भी हर दिल में गूंजता है। लता मंगेशकर की आवाज़ एक ऐसी नदी थी, जो हर भाव की गहराई को छूकर श्रोता के हृदय तक बहती थी। उनकी बहुमुखी प्रतिभा का जादू इस बात में था कि वह हर राग, हर भाव को अपनी आवाज़ में इस तरह पिरोती थीं। चाहे प्रेम की मधुर लय हो, जैसे "लग जा गले" में छलकती कोमलता, या "तेरे बिना ज़िंदगी से" में बसी नाज़ुक शिकायत; विरह की करुणा हो, जैसे "आजा रे परदेसी" की पुकार; भक्ति की पवित्रता हो, जैसे "ज्योति कलश छलके" या "ओ पालनहारे" का आलोक; या फिर राष्ट्रप्रेम की हुंकार, जैसे "ए मेरे वतन के लोगों" की गूंज—लता जी की आवाज़ हर गीत को एक अविस्मरणीय अनुभव बना देती थी। 1962 में भारत-चीन युद्ध के बाद गाया गया "ए मेरे वतन के लोगों" केवल एक गीत नहीं था, बल्कि देश की एकता और बलिदान की भावना का प्रतीक था। इस गीत ने न केवल जवाहरलाल नेहरू की आँखें नम कीं, बल्कि हर भारतीय के हृदय में देशभक्ति की ज्वाला प्रज्वलित कर दी। लता जी की महानता केवल उनकी आवाज़ तक सीमित नहीं थी; उनकी सादगी, अनुशासन और विनम्रता ने उन्हें एक युगपुरुष बनाया। वह समय की पाबंदी की जीवंत मिसाल थीं—रिकॉर्डिंग स्टूडियो में हमेशा समय से पहले पहुँचने वाली लता जी हर गीत को तपस्या की तरह गाती थीं। नौशाद, मदन मोहन, शंकर-जयकिशन, और आर.डी. बर्मन जैसे संगीतकारों के साथ उनका रिश्ता केवल पेशेवर नहीं, बल्कि हृदय से हृदय का बंधन था। वह गीत के बोल और भाव को पहले आत्मसात करती थीं, फिर अपनी आवाज़ से उसे अमर कर देती थीं। यही कारण है कि उनके गीत समय की सीमाओं को लाँघकर आज भी उतने ही जीवंत और प्रासंगिक हैं।

कटाक्ष ▶ हसन जैदी

क्या जाति अजर और अमर है

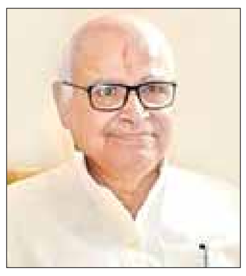
हृदयनारायण दीक्षित

उत्तर प्रदेश सरकार ने नाम के साथ जाति लिखने का नियम बदल दिया है। यह निर्णय इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक आदेश के अनुसार जारी किया गया है। कुछ दिन पहले इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सरकार को आदेश दिए थे कि पुलिस रिकार्ड व सार्वजनिक स्थलों पर लोगों के नाम के साथ जाति के उल्लेख पर रोक लगाई जाए। देश के सभी राज्यों में जातिवाद चल रहा है। जाति जन्मना है। धर्म, मत, मजहब छोड़े जा सकते हैं। लेकिन जाति नहीं। राजनीति में जाति ही मुख्य कारक है। दल संगठन अपने उम्मीदवार उतारते समय जाति के आंकड़ों का अध्ययन करते हैं। संगठन के पदाधिकारियों की सूची बनाते समय भी जाति का प्रभाव रहता है।

भारतीय समाज में जाति है। जाति आधारित मान, अपमान और विशेष अवसर भी हैं। हमारे पूर्वज जातिगत भेदभाव को समाप्त करना चाहते थे। गांधी, डॉ0 अम्बेडकर, डॉ0 हेडगेवार, डॉ0 लोहिया, ज्योतिबा फुले और विवेकानंद दयानंद ने भी जाति भेद के विरोध में नवजागरण किया। एक सुंदर जातिविहीन समाज भारत का स्वप्न आदर्श था। डॉक्टर लोहिया ने जाति तोड़ो का नारा दिया था। अन्य दल संगठन भी जातियों के विरोध में मैदान में रहे। अनेक संगठन जाति के खात्मे पर संघर्षरत रहे हैं। लेकिन कोई मुहिम सफल नहीं हुई। जाति कितनी खत्म हुई, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जातिवाद से लड़ते जाति तत्वों का स्वरूप जातिवादी बनता गया। जाति के विरोधी ईमानदार तत्व भी जानते हैं कि जाति की चर्चा से जातिवाद बढ़ता है। तो क्या जाति अजर और अमर है। उत्तर प्रदेश सरकार ने नाम के साथ जाति लिखने का नियम बदल दिया है। यह निर्णय इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक आदेश के अनुसार जारी किया गया है। कुछ दिन पहले इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सरकार को आदेश दिए थे कि पुलिस रिकार्ड व सार्वजनिक स्थलों पर लोगों के नाम के साथ जाति के उल्लेख पर रोक लगाई जाए। देश के सभी राज्यों में जातिवाद चल रहा है। जाति जन्मना है। धर्म, मत, मजहब छोड़े जा सकते हैं। लेकिन जाति नहीं। राजनीति में जाति ही मुख्य कारक है। दल संगठन अपने उम्मीदवार उतारते समय जाति के आंकड़ों का अध्ययन करते हैं। संगठन के पदाधिकारियों की सूची बनाते समय भी जाति का प्रभाव रहता है। गांव, कस्बों के बाजारों में, चाय आदि की दुकानों में भी जाति तत्व दिखता है। लोग अपनी जाति के दुकानदार से उपभोक्ता सामान लेने में सुविधा अनुभव करते हैं। समाज की नस-नस में जातिवाद है। लेकिन भारत में जातियां सामाजिक यथार्थ हैं। वे न होतीं तो अच्छा होता। जातियां सामाजिक एकता में बाधक हैं। जाति सामाजिक सच्चाई है। जातियां जन्मना हैं। कोई भी व्यक्ति स्वयं अपनी जाति नहीं चुन सकता। इनका ढांचा सोपान क्रम में है। इसके शीर्ष वाली जातियों का सम्मान रहा है। सीढ़ी में निचली जातियां काफी लम्बे समय से सामाजिक सम्मान से भी वंचित रही हैं। डॉ0 अम्बेडकर ने कोलम्बिया विश्वविद्यालय (1916) में "जातियों की उत्पत्ति और संरचना" पर शोध प्रस्तुत किया था। उन्होंने कहा था "प्रत्येक समाज में भिन्न भिन्न वर्ग होते हैं। बौद्धिक आर्थिक या अन्य कारणों से बने वर्ग अपना अस्तित्व भी रखते हैं। भारत में भी ऐसे ही वर्ग रहे होंगे। पुरानी भारतीय वर्ण व्यवस्था को कर्मश्रम आधारित वर्ग कहा जा सकता है। पहले वर्ण जन्मना नहीं थे। ऋग्वेद में वर्ण नहीं हैं। उत्तरवैदिककाल में वर्ण शब्द का प्रयोग वर्ग के अर्थ में हुआ है। एक वर्ग का दूसरे वर्ग में जाना संभव था। वर्ग भी जन्मना नहीं होते। डॉ0 अम्बेडकर ने कहा कि, "किसी समय किसी एक वर्ग वर्ण ने अपने ही वर्ण वर्ग में विवाह करने का बंधन लगाया होगा।" वे कहते हैं "जाति के उद्भव के अध्ययन से हमें इस प्रश्न का उत्तर मिलना चाहिए कि वह वर्ग कौन सा था जिसने अपने लिए बाड़ा खड़ा किया। मैं इसका प्रत्यक्ष नहीं अप्रत्यक्ष उत्तर ही दे सकता हूँ। हिन्दू समाज में कुछ प्रथाएं सर्वव्यापी थीं। अपने समस्त प्रतिबंधों के साथ वे ब्राह्मणों में थीं। ब्राह्मण वर्ग ने स्वयं की घेराबंदी जाति रूप में क्यों की? यह एक भिन्न प्रश्न है?" प्रश्न उचित है। ऋग्वेद के रचनाकाल में जाति वर्ण के विभाजन नहीं थे। उत्तर वैदिक काल में वर्ण हैं। वर्ण जन्मना नहीं थे। इसलिए जाति नहीं थी। जाति की जन्मतिथि खोजना असंभव है। जाति बंधन मजबूत है। जाति का कोई व्यक्ति या संगठन जाति का जन्मदाता नहीं हो सकता। ब्राह्मणों पर जाति प्रथा लागू करने के आरोप अक्सर लगाए जाते हैं। डॉ0 अम्बेडकर ने इसी शोध में कहा था, "जाति व्यवस्था का प्रसार और विकास एक विशाल कार्य था। ब्राह्मण अनेक गल्तियां करने के दोषी रहे हों, कह सकता हूं कि वे ऐसे थे लेकिन जाति व्यवस्था को गैर ब्राह्मणों पर लाद सकने की क्षमता उनमें नहीं थी।" सही बात है। कोई शक्तिशाली राजव्यवस्था या तानाशाह भी अपने शासित लोगों के बड़े वर्ग समूह को जन्मना किसी जाति में ही रहने के लिए विवश नहीं कर सकते। जाति का उद्भव पूर्वजों के अचेत कर्म का परिणाम है। सामाजिक परिवर्तन की निरंतरता में जन्मना जातियां बनी। लेकिन हमारे सचेत पूर्वजों ने जाति समाप्ति के लिए अथक श्रम तप भी किये। इस श्रम के बावजूद कतिपय लोगों ने दलित जातियों को जब कब भिन्न नस्ल भी बताया। डरबन में अगस्त 2001 में "नस्लवाद, नस्ली भेदभाव और असहिष्णुता" पर विश्व कांग्रेस का आयोजन था। भारत के कुछेक लोगों ने उस वक्त दलितों को अलग नस्ल बताया था लेकिन डॉ0 अम्बेडकर ने दलितों को कभी भी अलग नस्ल नहीं माना था। उन्हें उम्मीद थी कि जातियां खत्म ही होंगी। लिखा था "जाति का चलते रहना असंभव है। ऐसा कार्य दिक्कतों से भरा है।" सामाजिक समता अनिवार्य है। सामाजिक न्याय की दिशा में बेशक भारत का काम आगे बढ़ा है। जाति की अस्मिता ज्यादा दिन नहीं चल सकती है। राजनीति को सामाजिक परिवर्तन का काम भी करना चाहिए। जाति की विभाजनकारी शक्ति के विरूद्ध जनअभियान चाहिए। संविधान निर्माताओं ने जाति, लिंग या धर्म के आधार पर विभेद का निषेध किया है बावजूद इसके उत्पीड़न या प्रतिष्ठा जैसे सभी अवसरों पर जाति की पहचान आगे चलती है। अपने जिले या राज्य क्षेत्र में किसी के भी प्रतिष्ठित होते ही जाति के प्रश्न उठ जाते हैं। अनुसूचित या अन्य पिछड़े वर्गों के प्रतिष्ठित होने वाले लोग आशावाद भी जगाते हैं। वे वंचित निराश लोगों की प्रेरणा भी बनते हैं। दलित या अन्य पिछड़ा वर्ग होने के बावजूद कोई प्रतिष्ठा का आकाश छू रहा है तो उसी वर्ग के सामान्यजन भी ऐसा क्यों नहीं कर सकते? भारत को जाति व्यवस्था का मलबा नहीं ढोना चाहिए। मैं अनुसूचित जाति के एक परिवार में मेहमान था। बात 1984 की है। 41 वर्ष पुरानी। मेरा परिचय अनुसूचित जाति के एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी से कराया गया, "ये दीक्षित जी हैं, लेकिन ब्राह्मण होने के बावजूद अच्छे आदमी हैं।" जातिवादी दिमाग में ऐसी ही खुराफाती बातें चलती हैं। जाति का कोई औचित्य नहीं है। भारत को जातिभेदविहीन समाज बनाना होगा। "सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय" भारतीय संविधान की उद्देशिका के मूल तत्व है। राजनैतिक न्याय ने मताधिकार दिया है। सरकारें विधायिका के प्रति जवाबदेह हैं। प्रशासन उत्तरदायी नहीं है। वंचित वर्गों के लिए बहुत सारा नीति निर्माण हुआ है तो भी प्रशासनिक संवेदनहीनता के चलते सामाजिक न्याय दूर है। दार्शनिक क्षेत्र में भारत विश्वप्रतिष्ठ है। यहां कण-कण में परमात्मा की बाते कही जाती हैं लेकिन जन जन में जाति है और जाति भेद भी है। जाति की चर्चा से बचा नहीं जा सकता। सामाजिक यथार्थ को स्वीकार करना चाहिए। एकात्मवादी विचार आदर्श है। इस विचार के लिए विमर्श भी जरूरी है। परंपरा के साथ वैज्ञानिक दृष्टिकोण और जाति मुक्त चिन्ता के साथ आर्थिक आधार पर समूहों का व्यथा चिन्तन होना चाहिए। जाति अतिक्रमण का यही मार्ग है। यह काम सभी सामाजिक कार्यकर्ताओं, बुद्धिजीवियों और धर्मगुरूओं को भी करना चाहिए।

अपनी राय हमें इस मेल पर भेंजे-
vishwavarta.response@gmail.com

क्यों आपके किशोरों की दुनिया आप जैसी नहीं दिखती

महक अग्रवाल

हर पीढ़ी अपनी सांस्कृतिक पहचान के साथ बड़ी होती है। आज के भारतीय किशोरों की परिवर्तन की गति पहले कभी नहीं देखी गई। जहाँ पहले की पीढ़ियाँ बॉलीवुड सितारों, क्रिकेट आइकनों या मोहल्ले के दोस्तों की मदद से अपनी पहचान बनाती थीं, वहीं जनरेशन Z और नई जनरेशन अल्फा वैश्विक इंटरनेट संस्कृति की ओर रुख कर रही है, जो स्थानीय प्रभावों के साथ सहजता से घुलमिल जाती है। इंस्टाग्राम रील्स से लेकर क्षेत्रीय संगीत धुनों तक, स्ट्रीटवियर ब्रांड्स से लेकर के-पॉप फैनडम्स तक – उनकी पहचान वैश्विक और गहराई से भारतीय स्रोतों से बुनी हुई है। फैशन सबसे स्पष्ट कहानी कहता है। 1990 के दशक में कपड़ों का सपना अक्सर सिनेमा से आता था – शाहरुख़ खान की लेदर जैकेट्स या काजोल की शिफ़ॉन साड़ियाँ। आज के युवाओं का प्रयोग थ्रिफ्टेड कुर्तियों, स्नीकर्स, डिज़ाइनर स्ट्रीटवियर और Y2K-प्रेरित फैशन के पुनरुत्थान में दिखता है। दिल्ली जैसे शहरों से लेकर टियर-2 कॉलेज कैंपस तक यही दृश्य है। यह उलझन नहीं बल्कि आत्मविश्वास है – एक पीढ़ी जो पूरब और पश्चिम, पुराना और नया – दोनों को मिलाकर यह परिभाषित कर रही है कि व्यक्तिगतता और स्टाइल का असल मतलब क्या है।

संगीत भी इसी तरह का रूपांतरण दिखाता है। जहाँ पहले कैसेट और रेडियो सिर्फ़ फ़िल्मी गाने या शास्त्रीय परंपराएँ बजाते थे, अब प्लेलिस्ट में पंजाबी रैप, लो-फाई बीट्स, तमिल इंडी रॉक और कोरियन पॉप साथ-साथ बहते हैं। ये विविध रुचियाँ संयोग नहीं हैं। ये युवाओं के लिए नए दरवाज़े खोलते हैं जहाँ वे पहचान, अपनापन और आत्म-अभिव्यक्ति की खोज करते हैं। कोई किशोर हिप-हॉप की आक्रामकता में आत्मविश्वास पाता है, तो कोई इंडी बैलेड्स की कवितामय गहराई में सुकून खोजता है। माता-पिता को यह तेज़ी अक्सर उलझनभरी या भारी लगती है। बदलते हुए सौंदर्यशास्त्र और रुचियाँ पुराने समय की धीमी सांस्कृतिक लय की तुलना में बेतरतीब सी लग सकती हैं। लेकिन सतह के नीचे कुछ बहुत जाना-पहचाना है – अर्थ की खोज, अपनापन पाने की इच्छा और समझे जाने की ज़रूरत। जो बदला है वह है मंच। पहले जहाँ यह प्रयोग कक्षा या कॉलोनी तक सीमित रहते थे, अब बच्चे इन्हें डिजिटल जगहों पर निभाते हैं जहाँ मान्यता, आलोचना और संवाद तुरंत होते हैं। माता-पिता के लिए काम यह नहीं है कि वे हर नए ट्रेंड को याद रखें या उसका पालन करें, बल्कि यह समझें कि उनके पीछे कौन-सी प्रेरणा है। रील्स, प्लेलिस्ट और बदलते वार्डरोब असल जीवन से कटे हुए नहीं बल्कि इस पीढ़ी की सोच के अभिव्यक्ति हैं। अगर इन परिवर्तनों को उपेक्षा की बजाय जिज्ञासा से अपनाया जाए, तो यह पीढ़ियों के बीच एक पुल बनाता है। माध्यम बदल गए हैं, लेकिन देखे जाने, स्वीकारे जाने और प्यार किए जाने की लालसा सदा एक जैसी रहती है।

कविता

सुजाता

प्रेम

कुछ देर ठहरती है पलकों पर बूँद
किसी क्षण में दुनिया की कई यात्राएं
भटकती हैं
और डूब जाते हैं कई जहाज़
किसी अदृश्य रहस्यमय त्रिकोण में
पर्वतों से बर्फ की कई जमी परते
उतनी देर में खिसकती है भीषणता से
धरती उकताई हुई किसी एक पल में
करवटें बदल लेती है जाने कितनी बार
कई ख़त लिख कर फाड़ दिए जाते हैं
असम्भव फैसले टलते हैं कुछ पल और
उतनी देर भर असंपृक्त हो जाती हूँ मैं
जैसे गहरे जल में गोता लगाते
बस बंद कर ले कोई नाक
फिर उबर आए
ऐसे मैं प्रेम में हूँ!
ऐसे मैं प्रेम में निस्संग!

नहाने पर 5, धोने पर 18...

हास्य व्यंग

अनुराग अवस्थी

बाबा कहा करते थे, प्रात नहाए तात के खाए ...। हम लोगों को यह भी पढ़ाया गया कि,अर्ली टू बेड एंड अर्ली टू राइज.... । उधर अटल जी ने कहा अगला विश्व युद्ध पानी के लिए लड़ा जाएगा।बस नई पीढ़ी ने मतलब कि बातें ढूंढ ली। उसके डेली रूटीन में नहाने का कांसेप्ट ही नहीं रहा । नए पढ़ाकू 3 /4 बजे सुबह तक पढ़ते और दोपहर 10/11 पर सो के उठते हैं। बिना नहाए,सीधे पास्ता का नाश्ता। अब रही बात कपड़े धोने की तो , वो हल्के सूती कपड़े के बजाय जींस धारण करती है, जिसको दो महीने तक बगैर धोए पहना जा सकता है।जब में ल वि वि में पड़ता , चन्द्र शेखर आजाद हॉस्टल में रहता था तो कुछ साथी एम आर भी थे । वे देर रात तक, थकान मिटाने वाला टॉनिक ले देश की अर्थव्यवस्था बढ़ाने में योगदान देकर सुबह 9 साढ़े 9 के बीच उठते थे।फिर सीधे वॉशरूम जा, रात में लिए गए भोज्य से तैयार निष्प्रयोज्य पदार्थ को बाहर कर वजन हल्का कर,दाढ़ी बना सीधे कपड़े टाई और स्प्रे मार महकने लगते थे। जब कानपुर आया और किराए का घर ढूंढने लगा, तो एक आंटी ने ज्ञान चछु खोल दिए,बोली हम तो पढ़ने वाले लड़कों को देते हैं वो न नहाते हैं न कपड़े धोते, एक एक हफ्ते तक। फैमिली वाला दिन में दो बार पानी का मोटर चलवाता है। बुजुर्ग बताते हैं नहाने से ताजगी आती है। ताजगी आने से ज्यादा ताजा फ्रेस दिखना जरूरी है,और उसके लिए फेसबुक है तो। आप कहते रहिए बिनु सत्संग विवेक न होई...। खोलो मोबाइल एप पर जाओ आपकी फोटो के साथ बढ़िया कोट आपको ज्ञानी बना देगा। अब इसके लिए किताबें पढ़कर समय खोटा नहीं करना । करना है तो इंस्टाग्राम,फेसबुक,यू ट्यूब,पर दूसरों की रील देख नकल करने में। सुबह गुड मॉर्निंग के मेसेज की भीड़ देख लोग चने के झाड़ पर चढ़ जाते हैं, मेरी कितनी चिंता और चाह है। कौन बताए, सब एप और ग्रुप बना दूसरे को भेज रहे है,कोई दूसरे का खोल कर देख नहीं रहा है। समझदार तो सुबह उठ सबसे पहले ,मोबाइल को रिफ्रेश कर गुड मॉर्निंग रूपी कूड़ा बाहर कर देते हैं। इसलिए नहाइये भले न नहाए धोए दिखये। पढ़िए भले न,पढ़े लिखे दिखये । खाइए भले कुछ भी, खाते पीते घर के दिखये । पीजिए भले रोज शाम ,पीने खाने वाली इमेज न बनने दीजिए। सोच जैसी हो बनी रहे , दिखनी अच्छी चाहिए। घटियापन के जिंदा पुतले हो लेकिन इमेज बढ़िया रहनी चाहिए। अपनी सरकार को संस्कृति और सम्यक परिस्थितियों में सामंजस्य बैठाना होता है। इसलिए उसने भी कह दिया है ना कि, नहा लो जरूर कपड़े भले न धो ।इसलिए नहाने के साबुन पर टैक्स 5 कपड़े धोने पर 18 प्रतिशत रखा है। समझे मूल बात इसलिए सफेद कपड़े अंदर कर दो , काले नीले पहनो । बनने दो नेताओं को सफेदपोश,उनके तो सौ खून माफ। बाकी चाहो तो स्वदेशी अपनाओ । अब ये मत करना कि घड़ी साबुन के बाहर एमपी से आए ट्रकों को देख तुम रेहुआ से कपड़े धोने लगो । हमारे बुजुर्ग तो उसी से धोते थे। बज जाएगा घड़ी का घंटा। हां ये जानो कि जिसे तुम रिन और व्हील समझ रहे हो वह हिंदुस्तान का लीवर नहीं ,विदेशी फीवर है। आज बस इतना बाकी कभी बाद में।

लखनऊ की चिकनकारी

डॉ अनीता वर्मा

कलाओं की जब हम बात करते हैं, विशेषतः भारतीय कलाओं की तो ध्यान स्वयं ही उनकी विभिन्न विधाओं और अनुशासनों की ओर जाता है। कला के उन सभी पहलुओं पर जहाँ किसी न किसी प्रकार कला का अंश मात्र भी उपस्थित होता है, जैसे - स्थापत्य, संगीत, चित्रकला, रंगमंच, सिनेमा, लोककला, शिल्पकला तथा परिधान आदि। इन सब में विद्यमान मूल्यों एवं तत्त्वों के साथ भारतीय कला के सम्पूर्णता में दर्शन होते हैं। चूँकि सभी कलाएं एक दूसरे से अंतर्गुंफित हैं और सौंदर्यबोध के स्तर पर एक कला का सम्बन्ध दूसरी कला से स्वतः ही जुड़ा हुआ दिखता है इसलिए कलाओं का एक छोर पकड़ कर हम दूसरी के अन्तिम छोर तक की यात्रा कर सकते हैं या यूं कह सकते हैं कि एक कला दूसरी कला के बिना अधूरी है या कि समस्त कलाओं का आधार एक है। यह हम पर निर्भर करता है कि हम किस कला को अपने नजदीक देखते हैं या देखना और उसमें रमना चाहते हैं। सभी का कलाओं को देखने, समझने और आस्वाद करने का कोण अलग हो सकता है परन्तु प्रत्येक कला का महत्त्व अपने-अपने स्थान और मानदण्ड पर महत्त्वपूर्ण होता है। ये कलाएँ अपने विकास के लिए समाज में कितनी स्वायत्त या अवलंबित हैं और उनका उनसे कितना सरोकार है अथवा ये आम जीवन में व्यावहारिक रूप से कितनी काम आने वाली हैं, इसका निर्धारण और मूल्यांकन समय के साथ ही हो पाता है, परन्तु कोई भी कला तब तक अपने मूल्यों के स्तर पर बहुत प्रतिष्ठित नहीं होती है जब तक उसकी पक्षधरता समाज और आमजन का कल्याण करने वाली न हो या उसमें समाज प्रतिबिंबित न हो। इन विभिन्न कलाओं को जानने तथा समझने के लिए इनका साहचर्य बहुत आवश्यक है। इस दृष्टि से आंचलिक संवेदनाओं और सांस्कृतिक मूल्यों से सिक्त और उसी के खाद-पानी से पल्लवित-पुष्पित हुए भारतीय हस्तशिल्पों का महत्त्वपूर्ण स्थान है। संस्कृति बहुआयामी, विविध वर्णी गुलदस्ते जैसी होती है। अवध की संस्कृति में भी अनेक संस्कृतियों का सुवास मिलता है। इसके अनेक आयामों का विकास भी स्थानीय सुगंध और अनेक सांस्कृतिक मूल्यों से बटी हुयी रस्सी के सामान है। एक विशेष पहचान के रूप में अवध में वस्त्राकल्पन (हस्तकशीदाकारी) की भी अनेक विधाएं और तकनीक विकसित हुईं जिसका इतिहास और विकास-यात्रा जानना यहाँ की संस्कृति जानने-समझने का आकर्षक पक्ष है, जो अवध के विविध परिक्षेत्रों में स्थानीय विशेषताओं के साथ देखा और अनुभव किया जा सकता है। हस्तशिल्प का अर्थ आमतौर पर दस्तकारी या कारीगरी होता है, जिसे कुशल कारीगरों द्वारा स्वयं विकसित किये गए उपयुक्त उपकरणों से बनाया जाता है। हस्तशिल्प की विभिन्न विधाओं में से एक महत्त्वपूर्ण विधा हस्तकशीदाकारी है जिसे दक्ष हाथों से विभिन्न प्रकार के धागों और सुई के प्रयोग से बनाया जाता है। लखनऊ में किए जाने वाले हस्तशिल्प हैं- चिकनकारी, आरी, जरदोजी आदि हैं जिनमें से चिकनकारी प्रमुख हैं। चिकनकारी शब्द तुर्किश शब्द चेख़ से निकला

हुआ माना जाता है। ऐसा कहते हैं कि चेख़ का अर्थ जाली होता है। जाली, जिसमें से रोशनी तथा हवा आ सके। चेख़ आसानी से कोई कह नहीं पाता था, अतः चेख़ से चिक निकला और चिक से चिकनकारी। चिकन के बारे में दूसरी विचारधारा यह भी है कि चिकन शब्द फारसी भाषा के चाकिन से बिगड़कर बना है चाकिन का अर्थ है कशीदाकारी या बेल बूटे उभारना। जिस प्रकार मुगलकाल में भारत की कला, संगीत और संस्कृति को समृद्ध किया गया और देश को ताजमहल एवं लाल किले जैसी अनेक दर्शनीय एवं ऐतिहासिक इमारतें प्राप्त हुईं, उसी प्रकार चिकनकारी भी मुगलिया तहज़ीब की एक अनमोल विरासत है। कहा जाता है कि मुगल सम्राट जहाँगीर की पत्नी नूरजहाँ इसे ईरान से सीख कर आई थीं और इस विधा में उन्होंने महलों एवं इमामबाड़ों की दीवारों पर की गई नक्काशी को कपड़े पर उतार लेने का पूरा प्रयास किया। कुछ इतिहासकारों का मानना है कि सन् 1857 ई. की क्रांति के बाद दिल्ली में आर्थिक स्थिति खराब हो गई तो कुछ कारीगर वहाँ से कोलकाता चले गए और कुछ अवध की तरफ आ गए और वे कारीगर विस्थापित होकर यहाँ अपने कौशल के अनुसार काम करने लगे। चूँकि कपास नमी वाले वातावरण में पकने के कारण उससे बना धागा अत्यन्त मुलायम, महीन तथा मजबूत होता था इसलिए ढाका का मलमल इस काम के लिए बेहद अनुकूल और विशेष पाया जाता रहा जिसे गंगा और ब्रह्मपुत्र नदियों के चूने वाले पानी में धुला जाता था। इससे वह दूधिया सफेद हो जाता था। बारीक, हल्के और बहुत सफेद मलमल पर ही अच्छी चिकनकारी होती थी, परन्तु कोलकाता में चिकन का काम लम्बे समय तक नहीं हो पाया। अतः ढाका से कपड़े मँगवा कर लखनऊ में चिकन का काम होने लगा था और यह चिकन का महत्त्वपूर्ण केंद्र बन गया। लखनऊ की चिकनकारी अपनी विशिष्टता व सादगी के लिए विश्व प्रसिद्ध है। लखनऊ तथा उसके आसपास के क्षेत्रों में की जाने वाली कढ़ाई अन्य स्थानों से भिन्न तथा विशेष है। हस्तकशीदाकारी के काम में सुई-धागों का प्रयोग अत्यन्त महत्त्वपूर्ण है। उपयुक्त टाँकों का प्रयोग इसे विशेष बनाता है। चिकनकारी का काम करने के लिए मुख्यतः छत्तीस प्रकार के टाँकों का प्रयोग होता है, जैसे - बखिया, तेपची, जाली, हथकटी जाली, मुर्री, स्टेम स्टिच, तुरपाई, घास पत्ती, धनिया पत्ती, चना पत्ती, कील कंगन, फंदा और बिजली आदि। मुगल काल से ही चिकनकारी को विशेष महत्त्व प्राप्त होने लगा था और अपनी सादगी तथा सुन्दरता के कारण ही कशीदाकारी को पहचान प्राप्त हुई। चिकनकारी के अलंकरणों को अधिकतर लकड़ी के ठप्पों द्वारा छापा जाता है तदुपरान्त उस पर कढ़ाई की जाती है। चिकनकारी लखनऊ की मुख्य हस्तकशीदाकारी है। आलेखन की दृष्टि से देखें तो लखनऊ के इमामबाड़ों का स्थापत्य इसका मुख्य आधार बना है। इमामबाड़े तथा अन्य पुरानी इमारतों में जो अलंकरण बनाए गए हैं, वे ही कशीदाकारी के आधार बने। चिकनकारी का काम अपनी विशेषता तथा सौंदर्य के कारण संपूर्ण विश्व में पसंद किया जाता है। अपनी सादगी एवं हस्तकला-कौशल के कारण वस्त्राकल्पन के क्षेत्र में चिकनकारी अद्वितीय स्थान रखती है। नए युग की आपाधापी में उपेक्षित होते इस महत्त्वपूर्ण शिल्प को, इसकी मौलिकता और आत्मा बनाये रखते हुए यदि परिधानों के आधुनिक फैशन से जोड़ दिया जाये और इसके मोटिफ को समकालीन कलाकृतियों एवं रोजमर्रा में काम आने वाले हैंडीक्राफ्ट्स तथा दैनिक उपयोग की वस्तुओं में भी प्रयोग किया जाये तो इसके प्रचार-प्रसार एवं सुरुचिसम्पन्न लोगों के बीच ध्यानाकर्षण हेतु यह अच्छा कदम होगा।

एक नजर

त्योहारों पर शांति व सुरक्षा को लेकर पुलिस अधीक्षक ने पुलिस बल के साथ किया पैदल रूट मार्च

मऊ। नवरात्री, त्यौहार के लेकर जनपद में शांति/सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ बनाये रखने के उद्देश्य से शुक्रवार को सायंकाल पुलिस अधीक्षक इलामारन, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर भारी पुलिस बल व आरआरएफ फोर्स के साथ आजमगढ़ तिराहे, से मुशीपुरा पुलिया रेलवे स्टेशन, रोड़वेज आदि स्थानो पर रुट मार्च/पैदल गस्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। इस दौरान भ्रमण कर रोड के किनारे अतिक्रमण आदि बाजारों, भीड़-भाड़ वाले स्थानों, बस स्टैंड एवं महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों के आस-पास रुट मार्च/पैदल गस्त कर आम जनमानस में शांति/सुरक्षा व्यवस्था के प्रति आश्वस्त किया जा रहा तथा त्यौहार को शान्ति व सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने का संदेश दिया गया।

एक दिन की प्रधानाचार्य बनी अनुष्का पासवान

कुशीनगर। मिशन शक्ति के तहत उदित नारायण इंटरमीडिएट कॉलेज की कक्षा 11 (विज्ञान) की छात्रा अनुष्का पासवान एक दिन के लिए प्रधानाचार्य बनाया गया ।। प्रधानाचार्य की कुर्सी पर आसीन होने के बाद अनुष्का ने शिक्षकों व छात्रों की समस्याएं सुनीं । अनुष्का ने कहा कि सरकारी विद्यालय अध्ययन के लिए बेहतर केंद्र है , यहां पर सरकार द्वारा नि:शुल्क शिक्षा दी जाती है । वहीं बच्चों को कापी , कलम व पुस्तक खरीदने के लिए छात्रवृत्ति भी दी जाती है ।अनुष्का ने कहा कि विद्यालय में अनुशासन को बनाए रखने के लिए मोबाइल पर प्रतिबंध लगना चाहिए अगर बच्चे दूर से आते हैं तो अपना मोबाइल लाकर स्कूल में जमा कर सकते हैं और जाते समय फिर मोबाइल ले सकते हैं। छात्रों एवं शिक्षकों ने बड़ी - बड़ी से अपनी समस्याओं से अनुष्का को परिचित कराया , जिन्हें सुनने के बाद अनुष्का ने समाधान के उपाय भी बताए। इस दौरान प्रधानाचार्य अरविंद सिंह ,उप्रधानाचार्य अजय कुमार सिंह ,शिक्षक डॉ आलोक शुक्ला, मृगेंद्र राघव राव, रवि चौधरी, चंद्रशेखर दीक्षित,विशाल राव ,विनय भूषण पांडे अनूप मिश्रा, रमेश कुमार,रवि चौहान ,नीतू सिंह ,राधिका शुक्ला, संजू यादव, संजना शर्मा , श्रेया शुक्ला, अनिता राव, यतींद्र मिश्र, विजय शंकर लाल श्रीवास्तव, आनंद भार्गव आलोक शुक्ला , अरविंद कुमार सिंह, सेराज अहमद, सत्यम मिश्रा, अंकित मिश्रा,महेश यादव, सहित विद्यालय के सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

शिविर में 152 लोगों का हुआ नि:शुल्क चिकित्सकीय परीक्षण

कसया, कुशीनगर। नगर के देवरिया मार्ग पर दीवानी कचहरी के समीप स्वस्तिक मेडिकेयर में स्व. ज्ञानवती त्रिपाठी की स्मृति में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर में बुखार, पेट, सर्दी-जुखाम, शुगर, बीपी, त्वचा रोग से पीड़ित 152 लोगों का नि:शुल्क चिकित्सकीय परीक्षण हुआ। शुक्रवार को आयोजित शिविर में डा. अविनाश सिंह ने कहा कि बरसात के मौसम में संक्रामक बीमारियां तेजी से फैलती हैं। इसका मुख्य कारण गंदगी है। स्वस्थ रहने के लिए स्वच्छता पर ध्यान देना होगा। तभी हम बीमारियों से बच सकते हैं। डा. शुभलाल ने कहा कि आज के समय में अधिकांश लोगों के हड्डियों में कैल्शियम की कमी रह रही है। पूर्ति के लिए पोषक तत्व की जरूरत है। डा. मनोज जैन, डा. आलम व डा. सद्दाम हुसैन ने भी रोगों से बचाव के लिए लोगों को जागरूक किया। कहा कि शुद्ध पेयजल, आहार के साथ प्रतिदिन व्यायाम भी आवश्यक करें। आरएसएस के डा. सीएस सिंह ने कहा कि ज्ञानवती त्रिपाठी की स्मृति में लगाया गया। वह हमेशा स्वास्थ्य को लेकर प्रेरित किया करती थीं। पूर्व प्रवक्ता सुरेश गुप्त ने कहा कि स्वास्थ्य शिविर एक पुनीत कार्य है। इसके पूर्व सेवानिवृत फार्मासिस्ट सत्यप्रकाश मणि त्रिपाठी ने फीता काटकर शिविर का शुभारंभ किया। आयोजक डा. गौरव मणि त्रिपाठी ने आगंतुकों के प्रति आभार ज्ञापित किया। आरएसएस के जिला कार्यवाह देवेंद्र सिंह, फार्मासिस्ट सौरभ मिश्र, गीतांजलि शर्मा, अखिलेश कुमार, विकास श्रीवास्तव, दिनेश जायसवाल, इरशाद, धीरज तिवारी, ब्रम्हा सिंह, वेदप्रकाश मणि त्रिपाठी, आदर्श मणि त्रिपाठी उपस्थित रहे।

छेड़खानी का विरोध करने पर युवती पर फावड़े से हमला, आरोपी गिरफ्तार

रामकोला (कुशीनगर)। रामकोला थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत बड़हरा बाबू के टोला मौनहीं में शुक्रवार भोर में पूजा के लिए फूल तोड़ने गई एक युवती के साथ गांव का ही युवक छेड़छाड़ करने लगा। विरोध करने पर युवती पर फावड़े से जानलेवा हमला कर दिया। जानकारी के मुताबिक 20 वर्षीय पीड़िता के माता-पिता की मृत्यु पहले ही हो चुकी है। घर पर वह अपनी भाभी के साथ रहती है, जबकि भाई रोजी-रोटी के लिए परदेस में रहता है। नवरात्रि व्रत रखने के कारण शुक्रवार भोर में पूजा हेतु फूल तोड़कर घर लौट रही थी। तभी गांव का ही युवक रास्ते में उसे अकेला पाकर छेड़खानी करने लगा। काफी मशक्कत के बाद युवती उसके चंगुल से छूटकर भागने लगी और शोर मचाया, तभी आरोपी ने पीछे से फावड़े से हमला कर दिया। हल्ला सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने गंभीर रूप से घायल युवती को पहले सीएचसी रामकोला ले जाया गया, जहां से उसे गोरखपुर रेफर कर दिया गया। उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। रामकोला थाने के प्रभारी निरीक्षक राज प्रकाश सिंह ने बताया कि आरोपी युवक को हिरासत में ले लिया गया है।

बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए एकरूपता आवश्यक : सांसद

कुबेरस्थान। विकास खण्ड फाजिलनगर के जनपदीय आदर्श संविलियन विद्यालय रुदवालिया में शनिवार को आयोजित निश्शुल्क गणवेश वितरण समारोह में सांसद,क्षेत्रीय विधायक व भाजपा जिलाध्यक्ष ने बच्चों में शिक्षा और अनुशासन को बढ़ावा देने पर जोर दिया। सांसद कुशीनगर विजय कुमार दुबे ने कहा कि शिक्षा समाज की प्रगति की आधारशिला है। उन्होंने बच्चों से अपील की कि गणवेश पहनकर पढ़ाई में लगन और अनुशासन बनाए रखें। भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह योजना बच्चों के शैक्षणिक विकास और सामाजिक समानता को प्रोत्साहित करेगी। विधायक सुरेन्द्र कुशवाहा ने कहा कि नि:शुल्क गणवेश वितरण सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है।

जिलाधिकारी ने मुख्य कोषाधिकारी कार्यालय में मारा औचक छापा

गंदगी और लापरवाही पर जताई नाराज़गी

विश्ववार्ता संवाददाता

वाराणसी। जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने शनिवार को मुख्य कोषाधिकारी (सीटीओ) कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालय की व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया और कई खामियां मिलने पर कड़ी नाराज़गी जताई। जिलाधिकारी ने साफ शब्दों में कहा कि सरकारी दफ्तरों में लापरवाही और गंदगी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जिलाधिकारी ने सबसे पहले कार्यालय परिसर और भवनों की स्थिति देखी। उन्होंने रिकॉर्ड रजिस्टर, दस्तावेजों के रखरखाव और पटल सहायकों के दैनिक कार्यों का सत्यापन किया। निरीक्षण के दौरान परिसर में रखी बोरियां, संदूक, पुराने स्टाम्प पेपर, कैश काउंटिंग मशीन और दीवार पर लगे अग्निशमन यंत्र की भी जांच की गई।

निरीक्षण के दौरान जब जिलाधिकारी ने परिसर की सफाई व्यवस्था देखी तो उन्हें जगह-जगह प्लास्टिक, कूड़ा-कबाड़ और

धूल-गंदगी मिली। इस पर उन्होंने नाराज़गी जताते हुए संबंधित अधिकारी को नोटिस जारी करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि सरकारी कार्यालय की छवि जनता की नजर में तभी सुधरेगी जब वहां सफाई और अनुशासन का पालन किया जाएगा।

उन्होंने सीटीओ को निर्देश दिए कि कार्यालय में जमा निष्प्रयोज्य वस्तुओं की जल्द नीलामी कराई जाए। कमरों में सीलन और जाले साफ करने के साथ-साथ दीवारों की मरम्मत भी कराई जाए। कार्यालय के पीछे उगी झाड़ियां और घास-फूस हटाने का आदेश नाजिर को दिया गया। जिलाधिकारी ने खराब हालत में पड़े वाटर कूलर को तुरंत दुरुस्त कराने के निर्देश दिए। साथ ही सीटीओ को कार्यालय की समुचित मरम्मत का एस्टीमेट तैयार कर शीघ्र भेजने को कहा। उन्होंने यह भी कहा कि अग्निशमन यंत्रों की समय-समय पर जांच और कार्यशील स्थिति में बनाए रखना अनिवार्य होगा।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने साफ चेतावनी दी कि भविष्य में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित कर्मचारियों और अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी। उन्होंने कहा कि जनता के हित से जुड़े इस महत्वपूर्ण कार्यालय की कार्यप्रणाली में सुधार दिखना चाहिए।

निरीक्षण के समय एडीएम (सीएस), सीटीओ गोविंद सिंह समेत अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। जिलाधिकारी ने अंत में कहा कि जनता को सुविधा देना ही प्रशासन का पहला दायित्व है और इसमें ढिलाई कतई स्वीकार नहीं होगी।

बाथरूम जाने व कपड़े बदलने की जगह बन कर रह गया है कुशीनगर हवाई अड्डा : ब्रह्माशंकर त्रिपाठी

विश्ववार्ता संवाददाता

कुशीनगर। प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री एवं समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता ब्रह्माशंकर त्रिपाठी ने यहां के अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से अब तक हवाई सेवा शुरू नहाने की स्थिति पर अफसोस का इजहार किया है। उन्होंने कहा है कि अरबों रुपये की लागत से बना यह एयरपोर्ट सत्ताधारी दल के बड़े नेताओं के कार्यक्रम , स्वागत , बाथरूम जाने और कपड़ा बदलने की जगह बनकर रह गया है। उन्होंने सवाल किया है कि यदि उड़ान नहीं शुरू करानी थी , तो फिर जनता के अरबों रुपये क्यों बर्बाद किये गये।

उन्होंने कहा है कि अभी कल ही देश के गृह मंत्री का आगमन इस एयरपोर्ट पर हुआ था। वे इस एयरपोर्ट को लेकर कुछ नहीं बोले , तो इसका मतलब यह है कि कुशीनगर के विकास पर भाजपा के बड़े नेताओं का कोई भी ध्यान नहीं है। केंद्र सरकार के मौन ने कुशीनगर का विकास भी मौन कर दिया है।

श्री त्रिपाठी ने कहा है कि जब देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस एयरपोर्ट का उद्घाटन किया था, तो उन्होंने इस अंचल के लोगों को भरोसा दिलाया था कि बहुत जल्द ही यहां से अंतरराष्ट्रीय उड़ान शुरू होगी। ऐसे में सवाल यह है कि जिसने प्रधानमंत्री को यह जानकारी दी थी कि इंटरनेशनल एयरपोर्ट से हवाई सेवा कितने दिनों में शुरू हो जाएगी , क्या उसने देश के प्रधानमंत्री को गलत जानकारी देने की ढिठाई करने की हिमाकत की थी ? और यदि प्रधानमंत्री को उस दिन दी गयी जानकारी सही थी , तो अब तक उड़ान क्यों नहीं शुरू हुई। आये दिन टेक्निकल प्रॉब्लम की बात सुन - सुनकर जनता के कान पक चुके हैं। उन्होंने सरकार को आगाह किया है कि कुशीनगर एयरपोर्ट से हवाई सेवा शुरू करने में अगर अब भी हीलाहवाली जारी रही, तो जनता सड़कों पर उतरने के लिए विवश हो जाएगी। इसलिए सरकार समय रहते चेत जाए, तो अच्छा होगा।उन्होंने कहा है कि कुशीनगर अंतरराष्ट्रीय बौद्ध पर्यटक स्थल है।

उम्दा प्रदर्शन के बूते कंपोजिट विद्यालय धोकरहा की टीम बनी ओवरआल चैंपियन

» विधायक-सांसद व बेसिक बाल संयुक्त क्रीड़ा प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाया जोश

» बीईओ ने कहा खेल बच्चों के चरित्र और आत्मविश्वास का आधार हैं

विश्ववार्ता संवाददाता

तमकुहीराज (कुशीनगर)। दुदही विकास खंड के अमवा दीगर न्याय पंचायत के कंपोजिट विद्यालय धोकरहा में आयोजित विधायक-सांसद व बेसिक बाल संयुक्त क्रीड़ा प्रतियोगिता संपन्न हुई। न्यायपंचायत स्तरीय प्रतियोगिता में सर्वाधिक अंक प्राप्त कर कंपोजिट विद्यालय धोकरहा की टीम ओवरआल चैंपियन बनी। प्राथमिक में लकी व सनम तथा जूनियर में आदित्य व निर्मल व्यक्तिगत चैंपियन घोषित किए गए। विजई प्रतिभागी ब्लाक स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे।

शनिवार को प्रतियोगिता के प्राथमिक स्तर पर बालक वर्ग की 50 मीटर दौड़ में लकी, 100 मीटर में महेश, 200 व 400 मीटर दौड़ में अभिषेक विजेता घोषित किए गए। बालिका वर्ग की 50 मीटर दौड़ में प्रिया, 100 मीटर और 400 मीटर दौड़ में स्नेहा तथा 200 मीटर में सनम को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। कबड्डी बालक में दशहवां व बालिका में धोकरहा की टीम विजेता रही। जूनियर स्तर पर बालक वर्ग की 100 मीटर में इरफान, 200 मीटर आदित्य, 400 मीटर संदीप और 600 मीटर दौड़ में अंकित विजेता घोषित किए गए। बालिका वर्ग की 100 मीटर में आंचल, 200 व 400 मीटर में प्रतिमा व 600 मीटर दौड़ में निर्मला ने बाजी मारी। लंबी कूद में आदित्य व काजल अपने-अपने वर्ग में प्रथम रहे। खो-खो, कबड्डी, ऊंची कूद और लंबी कूद सहित कई प्रतियोगिताओं में बच्चों ने उम्दा प्रदर्शन कर प्रतियोगिताओं को रोचक बनाया। ब्लाक व्यायाम शिक्षक अमित श्रीवास्तव के नेतृत्व में सहायक अध्यापक राजेश यादव, धनंजय मिश्र, आफताब आलम, रवि आर्य, अनुदेशक अमित कन्नौजिया, सुमंत यादव व पुण्य प्रकाश गिरी ने प्रतियोगिता संपन्न कराई।

वीडीए की समीक्षा बैठक, सचिव डॉ. वेद प्रकाश मिश्र ने दिए सख्त निर्देश

विश्ववार्ता संवाददाता

वाराणसी। वाराणसी विकास प्राधिकरण (वीडीए) में शनिवार को सचिव डॉ. वेद प्रकाश मिश्र की अध्यक्षता में नियोजन अनुभाग की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में विभिन्न लंबित प्रकरणों की गहन समीक्षा की गई और विभागीय अधिकारियों को पारदर्शिता और समयबद्ध कार्रवाई के स्पष्ट निर्देश दिए गए। सचिव ने कहा कि जनता के हित से जुड़े सभी प्रकरणों का त्वरित निस्तारण प्राथमिकता पर होना चाहिए।

बैठक के दौरान सबसे पहले पुरातत्व विभाग से संबंधित मामलों की समीक्षा की गई। सचिव ने निर्देशित किया कि राष्ट्रीय महत्व के घोषित संरक्षित एवं विनियमित क्षेत्रों में मरम्मत, नवीनीकरण और पुनर्निर्माण संबंधी प्रकरणों में अनावश्यक विलंब न हो। आवेदकों से सीधा समन्वय स्थापित कर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी स्तर पर ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इसके बाद गंगा नदी से 200 मीटर के भीतर मरम्मत और पुनर्निर्माण से संबंधित मामलों पर चर्चा हुई। सचिव ने स्पष्ट

किया कि वर्तमान व्यवस्था में जोन स्तर से संप्रेषित प्रकरण उपाध्यक्ष की स्वीकृति के बाद जोनल कार्यालय से अनुमति प्राप्त कर रहे हैं। लेकिन पारदर्शिता और जवाबदेही बनाए रखने के लिए वित्तीय वर्षवार एक एकीकृत रजिस्टर तैयार किया जाए, जिसमें सभी जोनों द्वारा दी गई अनुमतियों का पूरा विवरण दर्ज हो। इसमें आवेदक का नाम, पूरा पता और आवश्यक तथ्य शामिल किए जाएं।

हेल्पडेस्क पर पारदर्शिता के लिए भी निर्देश दिए गए। सचिव ने कहा कि 200 मीटर क्षेत्र से संबंधित प्राप्त आवेदनों के लिए अलग रजिस्टर रखा जाए ताकि प्रत्येक मामले की स्थिति स्पष्ट और सुलभ हो। इसी तरह पेट्रोल पंप और बार से संबंधित एनओसी हेतु भी अलग अभिलेखीय रजिस्टर बनाने के निर्देश दिए गए।

बैठक में धारा-80 के अंतर्गत लंबित प्रकरणों का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा। यह पाया गया कि उपजिलाधिकारी कार्यालयों से प्राप्त अकृषित घोषित करने संबंधी कई प्रकरण लंबे समय से अटके हुए हैं। सचिव ने आदेश दिया कि सभी आवेदन पत्रों को क्रमवार अलग पंजीका में दर्ज किया जाए और पत्र प्राप्ति के तीन दिनों के भीतर स्पष्ट आख्या प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। नगर नियोजक को हर सप्ताह इसकी समीक्षा करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में नगर नियोजक प्रभात कुमार, सहायक नगर नियोजक सौरभ जोशी, अवर अभियंता (मानचित्र) जे.पी. गुप्ता, ट्रेसर रामविलास यादव, जगदीश प्रसाद, जवाहर प्रसाद, विजय तिवारी सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

सचिव डॉ. वेद प्रकाश मिश्र ने अंत में कहा कि विकास प्राधिकरण का हर कदम जनता की सुविधा और सुशासन को ध्यान में रखकर होना चाहिए। सभी अधिकारियों को समयबद्धता, पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ कार्य करना होगा। उन्होंने चेतावनी दी कि अनदेखी या लापरवाही पाए जाने पर जिम्मेदारी तय की जाएगी।

उपशास्त्रीय संगीत के पुरोधा पं. छन्नूलाल मिश्र अस्पताल से घर लौटे, स्वास्थ्य लाभ की कामना में जुटे श्रोता

विश्ववार्ता संवाददाता

वाराणसी। उपशास्त्रीय संगीत के प्रख्यात गायक और पद्मविभूषण सम्मानित पं. छन्नूलाल मिश्र को शुक्रवार को आईएमएस-बीएचयू के सर सुंदरलाल चिकित्सालय से छुट्टी दे दी गई। वह पिछले तेरह दिनों से गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) में भर्ती थे। अब उनकी स्थिति में सुधार है और चिकित्सकों ने संक्रमण से बचाव के लिए उन्हें घर भेजने का निर्णय लिया।

पंडित जी की पुत्री डॉ. नम्रता मिश्र उन्हें एंबुलेंस से लेकर मिर्जापुर रवाना हुईं। चिकित्सकों ने सफर के दौरान और घर पर विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। उन्हें एक विशेष यंत्र के साथ भेजा गया है, जो श्वसन क्रिया में सहायक होता है और फेफड़ों को अतिरिक्त बल प्रदान करता है। तेरह सितम्बर की रात पं. मिश्र को गंभीर हालत में मिर्जापुर के रामकृष्ण मिशन अस्पताल से बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय लाया गया था। उन्हें तेज बुखार के साथ मधुमेह, उच्च रक्तचाप, श्वसन संकट सिंड्रोम और बाएं पैर में रक्त का थक्का जमने जैसी गंभीर समस्याएं थीं। हालत नाजुक होने पर उन्हें गहन चिकित्सा कक्ष में विशेष निगरानी में रखा गया। सूचना मिलते ही विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजित कुमार चतुर्वेदी भी देखने पहुंचे थे और चिकित्सकों को बेहतर उपचार के निर्देश दिए थे।

गहन चिकित्सा कक्ष प्रभारी प्रो. ए.पी. सिंह ने बताया कि पिछले चार दिनों से

उनकी स्थिति में लगातार सुधार हो रहा था। धीरे-धीरे तबीयत संभलने पर उन्हें शुक्रवार को पहिएदार कुर्सी के सहारे एंबुलेंस तक लाया गया और वहां से घर भेजा गया।

अब मिर्जापुर में होगी विशेष देखरेख : आईएमएस-बीएचयू से छुट्टी मिलने के बाद अब पं. मिश्र का उपचार मिर्जापुर चिकित्सा महाविद्यालय के वरिष्ठ चिकित्सकों की टीम की देखरेख में होगा। चिकित्सकों ने निर्देश दिए हैं कि उन्हें प्रतिदिन लगभग चौदह सौ कैलोरी का भोजन दिया जाए, जो फिलहाल नाक की नली के माध्यम से ही पहुंचाया जाएगा। इसके अलावा, उन्हें शैया पर घाव से बचाने के लिए नियमित पट्टी बदलना, व्यायाम चिकित्सा और पूर्ण विश्राम अनिवार्य बताया गया है।

आईएमएस-बीएचयू के निदेशक प्रो. एस.एन. संखवार और चिकित्सालय अधीक्षक प्रो. के.के. गुप्ता ने बताया कि लगातार निगरानी और टीमवर्क के कारण पं. मिश्र की स्थिति में सुधार हुआ है और अब वे अपने घर लौट आए हैं।

संगीत प्रेमियों में हर्ष की लहर : पं. छन्नूलाल मिश्र भारतीय उपशास्त्रीय संगीत के दिग्गज गायक हैं, जिनकी गायकी ने देश-विदेश में श्रोताओं को वर्षों से मंत्रमुग्ध किया है। उनके स्वास्थ्य लाभ की खबर मिलते ही संगीत जगत में खुशी की लहर दौड़ गई है। उनके शिष्य और प्रशंसक अपने-अपने ढंग से ईश्वर से उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना कर रहे हैं।

फिलहाल चिकित्सकों और परिजनों ने अपील की है कि लोग पं. मिश्र की सेहत के लिए दुआ करें और व्यक्तिगत रूप से मिलने से बचें ताकि वे पूर्ण विश्राम कर सकें और जल्द पूरी तरह स्वस्थ होकर फिर से संगीत की साधना में लौट सकें।

जापान में सम्मानित हुए साहित्यकार सार्जेंट अभिमन्यु पाण्डेय 'मन्नू'

फाजिलनगर (कुशीनगर)। क्षेत्र के लिए गर्व का क्षण है। साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था अग्रहार के अध्यक्ष, चर्चित साहित्यकार सार्जेंट अभिमन्यु पाण्डेय 'मन्नू' ने जापान की धरती पर भारत और फाजिलनगर का नाम रोशन किया। टोक्यो यूनिवर्सिटी ऑफ सोशल वेलफेयर में आयोजित एशिया पैसेफिक स्कूल साइकोलॉजी एसोसिएशन के आठवें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में उन्होंने 'स्कूल मनोविज्ञान में डिजिटल उपकरणों और तकनीक का एकीकरण : इक्कीसवीं सदी के विद्यार्थियों के लिए मानसिक स्वास्थ्य समर्थन में नवाचार' विषय पर शोध प्रस्तुति दी। इस दौरान उन्हें संस्था के अध्यक्ष प्रो. पंच रामलिंगम, टोक्यो यूनिवर्सिटी के चेयरमैन प्रो. एलएम लोपेज़, अध्यक्ष प्रो. जिरो सकाई, पांडिचेरी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. पी प्रकाश बाबू समेत कई अंतरराष्ट्रीय हस्तियों ने संयुक्त रूप से सम्मानित किया। सार्जेंट अभिमन्यु पाण्डेय ने अपने अब तक प्रकाशित 14 काव्य संग्रहों में से आठ संग्रहों की प्रतियां टोक्यो यूनिवर्सिटी की हिन्दी लाइब्रेरी हेतु प्रो. मिचिको इसिकावा को भेंट कीं। इसी क्रम में वे अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस ऑन तमिल कल्चर के 51वें समारोह में भी विशेष अतिथि रहे, जहां उन्हें अंगवस्त्र और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर जर्मनी के मावाई सो थंगाराजाह, अरब अमेरिकन यूनिवर्सिटी ऑफ फलस्तीन के प्रो. वाइल एमएफ अबूहसन तथा एसडीएस एकेडमी के निदेशक डॉ. टी संथानम सहित कई विद्वान मौजूद रहे।

भाजपा की आत्म निर्भर भारत संकल्प अभियान की कार्यशाला सम्पन्न

विश्ववार्ता संवाददाता

मऊ। भारतीय जनता पार्टी की आत्म निर्भर भारत संकल्प अभियान की कार्यशाला एसआर प्लाजा भुजौटी में सम्पन्न हुई।

मुख्य अतिथि तथा वक्ता राज्य महिला आयोग की सदस्य सुनीता श्रीवास्तव ने आयोजित कार्यशाला के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान को लेकर कार्यकर्ताओं को दिशा-निर्देश दिए तथा बताया की स्वदेशी का अर्थ केवल वस्तुओं का उपयोग नहीं है बल्कि यह हमारी भाषा संस्कृति पहनावे और रीति-रिवाजों से भी जुड़ा है। उन्होंने कहा कि आजादी की लड़ाई में स्वदेशी ने ही हमें अंग्रेजों के खिलाफ खड़ा किया था। आज के दौर में भी हमें स्वदेशी को नए संदर्भों में परिभाषित करना होगा। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 से मेक इन इंडिया और मेड इन इंडिया की नीतियों के जरिए स्वदेशी को बढ़ावा दिया है। इसी का परिणाम है कि भारत का रक्षा निर्यात कुछ सौ करोड़ से बढ़कर 24,000 करोड़ रुपये हो गया है।

भारत की प्राचीन अर्थव्यवस्था पूरी दुनिया के लिए आदर्श थी। हम आजादी के पहले स्वदेशी के कारण आत्मनिर्भर थे, लेकिन आजादी के बाद दुनिया पर निर्भर हो गए। जीएसटी रिफॉर्म कोई सामान्य कदम नहीं बल्कि स्वदेशी को मजबूती देने वाला ऐतिहासिक निर्णय है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा युवा देश है। उन्होंने बताया कि 25 सितम्बर से 25 दिसम्बर तक आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान चलाया जाएगा जिसमें हस्ताक्षर अभियान रथ यात्राएं सेमिनार महिला-युवा सम्मेलन ऑनलाइन प्रतियोगिताएं और स्वदेशी मेले का आयोजन होगा।

भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत का संकल्प हमारे देश की नींव को मजबूत करेगा। आत्म निर्भर भारत की भावना जितनी मजबूत होगी हमारी निर्भरता उतनी ही स्वदेशी पर बढ़ेगी। क्षेत्रीय महामंत्री सुनील कुमार गुप्त ने कहा कि 17 सितंबर को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भगवान विश्वकर्मा जी का संयोग से एक ही दिन जन्म दिवस मनाया जाता है। भाजपा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा मनाएगी।

कार्यक्रम के संयोजक संतोष सिंह ने कार्यक्रम की रुपरेखा प्रस्तुत की। इस अवसर पर विधायक रामविलास चौहान जिला पंचायत अध्यक्ष मनोज राय, मुन्ना दुबे, अखिलेश तिवारी, संतोष सिंह, नूपुर अग्रवाल, अशोक सिंह, राकेश मिश्रा धर्मेंद्र राय आदि उपस्थित रहे।

डॉ. मनोज पांचवी बार विश्व के शीर्ष वैज्ञानिकों की सूची में

कुशीनगर के ग्राम महासोन के हैं निवासी, उच्च शिक्षा गोरखपुर से की है प्राप्त

विश्ववार्ता संवाददाता

कुशीनगर। भारतीय क़ृषि अनुसंधान परिषद (केंद्रीय क़ृषि अभियांत्रिकी संस्थान भोपाल) के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. मनोज कुमार त्रिपाठी ने वर्ष 2025 में भी विश्व के शीर्ष 2 प्रतिशत वैज्ञानिको में स्थान प्राप्त किया है। दुनिया भर के शीर्ष वैज्ञानिकों की सूची अमेरिका स्थित स्टैंन फोर्ड यूनिवर्सिटी ने जारी की है। इस सूची में उन्ही वैज्ञानिको को शामिल किया जाता है , जिनका शोध कार्य - शोध पत्र और अनुसंधान वैश्विक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है। सूची में शामिल वैज्ञानिको के शोध पत्रों में उनका सबसे ज्यादा उल्लेख किया गया है, जो उनके अनुसंधान कार्यों की प्रमाणिकता व योगदान को दर्शाता है। यह सूची प्रतिष्ठित वैज्ञानिक प्रकाशन एल्सेवियर द्वारा प्रकाशित की गईं है।

इसके अलावा डॉ. त्रिपाठी राष्ट्रीय एकेडमी के सदस्य भी हैं, जिन्हे भारत सरकार द्वारा प्रो बायोटिक फ़ूड के विकास पर पेटेंट भी प्राप्त हुआ है।डॉ. त्रिपाठी ने फल,सोयाबीन, सब्जी और मिलेट से तैयार खाद्य उत्पादों के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण तकनीको का अविष्कार कर चुके हैं।इसके साथ ही साथ उन्होंने वेस्ट टू वेल्थ तकनीको का भी विकास किया है, जो किसान और उद्योगो के लिए अति लाभकारी सिद्ध हो रहीं है और पर्यावरण संरक्षण में भी तकनीकी लाभकारी सिद्ध हो रहीं है। इन उपलब्धियों के लिए उन्हें अन्य कई पुरस्कारो से भी सम्मानित किया जा चूका है।शीर्ष वैज्ञानिको की सूची में सम्मिलित होने की वैज्ञानिक श्री तिपाठी के पिता योगेंद्र त्रिपाठी ने जानकारी दी है। इस उपलब्धि पर पिता योगेंद्र त्रिपाठी सहित डॉ. प्रमोद त्रिपाठी,विनोद त्रिपाठी, धीरेन्द्र त्रिपाठी, डॉ. रमेश त्रिपाठी, डॉ. रविंद्र त्रिपाठी आदि सैकड़ो शुभ चिंतको ने बधाई एवं शुभकामनायें दी हैं।

विश्व पर्यटन दिवस पर वरूणा तट पर दीपदान

बाबा भोलेनाथ से की विश्व शांति की प्रार्थना

विश्ववार्ता संवाददाता

वाराणसी। विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर शनिवार को वाराणसी टूरिज्म एसोसिएशन, राष्ट्रीय सरोकार मंच और एडीटीओई के संयुक्त तत्वावधान में शास्त्री घाट, वरूणा नदी पर दीपदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। बाबा भोलेनाथ और मां गंगा से विश्व शांति की कामना करते हुए पर्यटकों और स्थानीय लोगों ने दीप प्रवाहित किए।

राष्ट्रीय सरोकार मंच के अध्यक्ष विपिन मेहता ने कहा कि इस समय पूरी दुनिया में अस्थिरता और युद्ध का माहौल है, जिसके चलते हजारों लोग अपनी जान गंवा रहे हैं। ऐसे में वाराणसी के पर्यटन जगत से जुड़े लोग मिलकर दीपदान कर विश्व शांति के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बाबा विश्वनाथ की कृपा से समस्त मानवता का कल्याण हो और धरती पर शांति स्थापित हो। वाराणसी टूरिज्म एसोसिएशन के अध्यक्ष राशिद खान ने श्रद्धांजलि स्वरूप दीपदान करते हुए कहा कि पर्यटन उद्योग को वैश्विक स्तर पर भारी नुकसान उठाना पड़ा है। ऐसे समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'लोकल फॉर वोकल' अभियान से जुड़कर

घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देना होगा। उन्होंने कहा कि वाराणसी की सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत को संरक्षित कर पर्यटन को रोज़गार के नए अवसरों से जोड़ना समय की मांग है। इससे पर्यटन उद्योग फिर से गति पकड़ सकेगा। पर्यटन क्षेत्र से जुड़े वरिष्ठ सदस्य सुशील सिंह ने कहा कि हर वर्ष 27 सितंबर को विश्व पर्यटन दिवस मनाया जाता है। यह दिन न केवल पर्यटकों को पर्यटन के महत्व के प्रति जागरूक करता है, बल्कि देशों को आपसी संवाद और सांस्कृतिक संबंधों से जोड़ने का भी माध्यम है। उन्होंने इसे हर भारतीय के लिए सम्मान और गौरव का अवसर बताया।

कार्यक्रम में पर्यटन और होटल उद्योग से जुड़े प्रमुख लोग मौजूद रहे, जिनमें विशाल सिंह, पंकज सिंह, प्रवीण मेहता, संदीप पटियाल, शिव त्रिपाठी, अजय सिंह, जयेंद्र राय, सुशील सिंह, राम पांडेय, मजीद खान, विवेक तिवारी, अश्वनी सिंह, डी.एन. सिंह, सुधांशु सक्सेना, अनामिका सिंह, जितेंद्र सिंह, मुकुल दुबे, अनूप प्रसाद, पवन खन्ना और संतोष पटेल शामिल थे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में गाइड बंधु और ड्राइवर बंधु भी उपस्थित रहे।

एक नजर

ब्लॉक स्तरीय गणित ओलंपियाड के तहत प्राथमिक विद्यालय रेहरा बाजार में 63 छात्रों ने लिया भाग

रेहराबाजार ,बलरामपुर। शासन के मंशानुरूप गणित ओलपियाड एवं गणित प्रदर्शनी प्रतियोगी परीक्षा प्राथमिक बिद्यालय रेहरा मे कराया गया, शिक्षा क्षेत्र के 56 उच्च प्राथमिक/कम्पोजिट बिद्यालयों के 63छात्र/छात्राओ ने भाग लिया प्रातः 10:30 से 1:00 तक प्रतियोगिता चला। सफल छात्र--छात्राओं की सूची जिले पर प्रेषित किया जायेगा ,परीक्षक श्रीराम कमाल अहमद तूलिका सिंह गिरीश मौर्या आदि मौजूद रहे परीक्षार्थियों के अभिभावक के रूप में विद्यालय के शिक्षक मौजूद रहे।

खेत के ऊपर मेड़, मेड़ के ऊपर पेड़'' – परंपरागत विधि से भू-जल स्तर में सुधार

गोण्डा। प्रदेश सरकार भू-जल स्तर बढ़ाने के लिए वर्षा जल को खेतों में रोकने के लिए विशेष कार्यक्रम चला रही है। भारतीय संस्कृति में पुरखों की सबसे पुरानी भू-जल संरक्षण विधि खेत के ऊपर मेड़, मेड़ के ऊपर पेड़, वर्षा बूंदें जहाँ गिरें, वहीं रोकें। जिस खेत में जितना पानी रूकेगा, वह खेत उतना अधिक उपजाऊ होगा। मानव जीवन की सभी आवश्यकताएं जल पर निर्भर है तभी तो जल ही जीवन कहा गया है। हमारे पुरखों ने भोजन के लिए अनाज की आवश्यकता के दृष्टिगत एक स्थान पर फसल उगाया गया होगा, फसलें पैदा की गई होगी। जमीन समतल कर खेती योग्य बनाया गया होगा। अनाज पैदा करने के लिए खेत का निर्माण तय हुआ होगा, तभी से मेड़बन्दी जैसी जल संरक्षण की विधि का आविष्कार हुआ होगा। यह हमारे देश के पुरखों की विधि है जिनसे खेत खलिहान का जन्म हुआ है। जिन्होंने जल संरक्षण की परम्परागत प्रमाणित सरल सर्वमान्य मेड़बन्दी विधि का आविष्कार किया है। मेड़बन्दी से खेत में वर्षा का जल रूकता है, और भू-जल संचय होता है। इससे भू-जल स्तर बढ़ता है और गाँव की फसलों का जलभराव के कारण होने वाले नुकसान से बचाता है। भूमि के कटाव के कारण मृदा के पोषक तत्व खेत में ही बने रहते है, जो पैदावार के लिए आवश्यक है। नमी संरक्षण के कारण फसल में घास फूस के सड़ने से खेत को परम्परागत जैविक खाद की ऊर्जा प्राप्त होती है। मेड़बन्दी से एक ओर जहाँ भूमि को खराब होने से बचाव होता है वहीं पशुओं को मेड़ पर शुद्ध चारा, भोजन प्राप्त होता है। इसे मेड़बन्दी, चकबन्दी, घेराबन्दी, हदबन्दी, छोटी मेड़बन्दी, बड़ी मेड़बन्दी तिरछी मेड़बन्दी सुविधानुसार जैसे अलग क्षेत्रों में अलग-अलग नामों से जाना जाता है। धान, गेहूं की फसल तो केवल मेड़बन्दी से रूके जल से ही होती है। हमारे देश के पूर्वज जल रोकने के लिए खेत के ऊपर मेड़, मेड़ के ऊपर फलदार, छायादार औषधीय पेड़ लगाते थे। जिसकी छाया खेत में फसल पर कम पड़े जैसे बेल, सहजन, सागौन, करौंदा, अमरूद, नीबू, बेर, कटहल, शरीफा आदि के पेड़ लगाये जा सकते हैं। यह पेड़ इमारती लकड़ी आयुर्वेदिक औषधियों, फलों के साथ अतिरिक्त आय भी देती है। इन पेड़ों की छाया खेत में कम पड़ती है। इनके पत्तों से खेत को जैविक खाद मिलती है, पर्यावरण शुद्ध रहता है। मेड़ के ऊपर हमारे पुरखे अरहर, मूंग, उर्द, अलसी, सरसों, ज्वार, सन जैसी फसलें पैदा करते रहे हैं जिन्हें पानी कम चाहिए। जमीन सतह से ऊपर हो, मेड़ से अतिरिक्त उपज की फसल ले सकते हैं। मेड़बन्दी से ऊसर भूमि को उपजाऊ बनाया जा रहा है। जहाँ-जहाँ जल संकट है उसका एकमात्र उपाय है वर्षा जल को अधिक से अधिक खेत में मेड़बन्दी के माध्यम से रोकना चाहिए। प्रदेश में बड़ी संख्या में तालाब, कुओं, निजी ट्यूबवेल नहर के सिंचाई साधन होने के बावजूद भी कई हजारों हेक्टेयर भूमि की खेती वर्षा जल पर निर्भर है। वर्षा तो हर गाँव में होती है, वर्षा के भरोसे खेती होती है। खासकर बुन्देलखण्ड के इलाके में पहाड़ी, पठारी क्षेत्र के खेतों में मेड़बन्दी के माध्यम से जल रोककर उपजाऊ बनाया जा रहा है। किसान ड्रिप पद्धति, टपक पद्धति, फुहारा पद्धति किसी भी पद्धति से फसल की सिंचाई करें पानी तो सभी विधि को चाहिए, इसलिए जल संरक्षण जरूरी है।

स्वस्थ नारी सशक्त परिवार मिशन शक्ति 5.0

गोण्डा। मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत महिलाओं को सशक्त, स्वावलंबी एवं जागरूक बनाने के उद्देश्य से विकासखण्ड रुपईडीह की ग्राम पंचायत छतौनी में शक्ति चौपाल का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी गोण्डा श्रीमती प्रियंका निरंजन ने की। चौपाल के माध्यम से महिलाओं को नारी सशक्तिकरण, स्वावलंबन, सुरक्षा एवं महिला कल्याण से संबंधित केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। शक्ति चौपाल में जिलाधिकारी ने महिलाओं से संवाद स्थापित करते हुए उनकी समस्याओं को गम्भीरता से सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि रमिशन शक्ति अभियान केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति सजग करने तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का एक सशक्त माध्यम है। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी गोण्डा श्रीमती अंकिता जैन ने भी महिलाओं को सरकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए उन्हें इन योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक महिला को चाहिए कि वह अपने अधिकारों को पहचाने और सरकारी सहायता से अपने जीवन को बेहतर बनाए। इस अवसर पर स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला कल्याण, बाल विकास, पुलिस, कृषि, ग्रामीण विकास सहित सभी संबंधित विभागों के जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों द्वारा महिलाओं को मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, उज्ज्वला योजना, महिला हेल्पलाइन 1090, 181, वन स्टॉप सेंटर, महिला थाना सेवाएं, स्वयं सहायता समूहों की योजनाओं और अन्य कल्याणकारी कार्यक्रमों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। चौपाल में महिलाओं ने खुलकर अपनी समस्याएं साझा कीं, जिनमें घरेलू हिंसा, पेंशन, राशन, स्वास्थ्य सेवाएं, छात्रवृत्ति, स्व-रोजगार से संबंधित भी जानकारी दी गई। जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का समाधान संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ किया जाए और समाधान की सूचना आवेदिका को समय से उपलब्ध कराई जाए। कार्यक्रम के दौरान महिला सिपाही ने महिलाओं की सुरक्षा से संबंधित विस्तृत जानकारी दी तथा मिशन शक्ति के पोस्टर वितरित किए गए। शक्ति चौपाल के सफल आयोजन ने ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं में आत्मविश्वास एवं जागरूकता का संचार किया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को समाज में सम्मानजनक स्थान दिलाना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना रहा।

मुख्य चिकित्साधिकारी ने किया आयुष्मान आरोग्य मंदिर का निरीक्षण

उतरौला (बलरामपुर)। महिलाओं और परिवारों के स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने तथा जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से शुक्रवार को "स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार" एवं "मिशन शक्ति" अभियान के अंतर्गत मुख्य चिकित्साधिकारी (सीएमओ) डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी ने इमलिया बनघुसरा स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ जिला कार्यक्रम प्रबंधक शिवेंद्रमणी त्रिपाठी सहित स्वास्थ्य विभाग की टीम मौजूद रही। निरीक्षण के दौरान डॉ. रस्तोगी ने चल रहे स्वास्थ्य अभियानों की विस्तार से समीक्षा की और वहां कार्यरत स्वास्थ्यकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि "मिशन शक्ति" और "स्वस्थ नारी–सशक्त परिवार" जैसे कार्यक्रम ग्रामीण महिलाओं, किशोरियों और गर्भवती माताओं के लिए वरदान साबित हो रहे हैं, जिनका मुख्य उद्देश्य न केवल उपचार बल्कि जागरूकता और निवारक स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करना है। आयुष्मान आरोग्य मंदिर में इस मौके पर स्वास्थ्य सेवाओं की प्रभावी कार्यवाही देखी गई। 64 मरीजों की स्क्रीनिंग की गई, जिनमें सामान्य स्वास्थ्य जांच, रक्तचाप, शुगर लेवल आदि की जांच शामिल थी। 8 पात्र लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए, जिससे उन्हें भविष्य में निःशुल्क उपचार की सुविधा मिलेगी। 26 आभा कार्ड (आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट) तैयार किए गए, ताकि मरीजों का डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड सुरक्षित और सुलभ रह सके। गर्भवती महिलाओं और किशोरियों का टीकाकरण भी किया गया, जिसमें टीटी और नियमित एंटीनेटल वैक्सीनेशन शामिल रहा। इस निरीक्षण कार्यक्रम में उतरौला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डॉ. सी.पी. सिंह, बीसीपीएम (ब्लॉक कम्युनिटी प्रोसेस मैनेजर), आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा बहुएं तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण महिला–पुरुष उपस्थित रहे। उपस्थित ग्रामवासियों ने स्वास्थ्य विभाग की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे अभियानों से ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं लोगों तक पहुंच रही हैं।

पीड़ितों के हर कष्ट में साथ खड़ी है सरकार : मुख्यमंत्री

हर पीड़ित परिवार से मिले मुख्यमंत्री, एक–एक पीड़ित के पास पहुंचकर जाना उनका दर्द

राहुल उपाध्याय

बहराइच। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को बहराइच दौरे पर पहुंचे। उन्होंने हवाई सर्वेक्षण किया, फिर मानव-वन्यजीव संघर्ष से पीड़ित ग्रामीणों के साथ ग्रामसभा मंझारा, तौकली, कैसरगंज में संवाद किया। मुख्यमंत्री ने मौके पर मौजूद हर पीड़ित से मुलाकात की और उनका दर्द जाना। मुख्यमंत्री ने पीड़ित परिवारों को फल व राहत सामग्री वितरित की और बच्चों को चॉकलेट भी दिया। मुख्यमंत्री ने पीड़ितों को आश्वस्त किया कि सरकार आपकी हर पीड़ा और कष्ट में साथ खड़ी है।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता को सम्बोधित करते हुए साथ में अन्य नेतागण

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोशिश की जाए कि भेड़िया पकड़ा जाए। यदि वह पकड़ लिया जाता है तो ठीक, वरना वन विभाग की टीम शूटर बुलाकर उसे मारने की कार्रवाई करे। उससे लोगों को मुक्ति मिलनी चाहिए। सीएम ने पीड़ितों से कहा कि डबल इंजन सरकार आपकी पीड़ा-कष्ट में सदैव खड़ी है। सरकार हरसंभव सहयोग करेगी। सीएम ने प्रशासन से कहा कि घायलों के उपचार की व्यवस्था करें। साथ ही सांसद, विधायक के माध्यम से इनके परिवारों को तत्काल 50-50 हजार रुपये उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। सीएम योगी ने कहा कि पिछली बार महसी क्षेत्र इसके आतंक से त्रस्त था। उस समय वहां से छह भेड़ियों को पकड़कर चिड़ियाघर में भेजा गया था। यह आतंक इस बार कैसरगंज में दिख रहा है। यहां के लोगों को भी जल्द इससे राहत मिलेगी। सीएम ने हरसंभव सहायता व सुरक्षा प्रदान करने का आश्वासन दिया।

मुख्यमंत्री ने पीड़ितों से मुलाकात के उपरांत कहा कि घाघरा नदी के तटवर्ती क्षेत्रों में बरसात में अक्सर बहराइच में भेड़िया, लकड़बग्घा जैसे वन्यजीवों से सावधान होना पड़ता है। खासकर जब नदी का जलस्तर ऊपर होता है और इन वन्यजीवों की मांद में पानी घुस जाता है तो वे बाहर निकलकर मानव बस्ती की तरफ आते हैं और छोटे बच्चों व कमजोर लोगों पर हमला करने का दुस्साहस करते हैं। हमारी सरकार ने मानववन्य जीव संघर्ष को आपदा की श्रेणी में रखकर पीड़ितों परिवारों को सहायता के दायरे में लाया है। परिवार का सदस्य खोने वाले परिजनों को सरकार की तरफ से पांच लाख रुपये की सहायता दी जाती है। वन्यजीवों से बचाव के लिए प्रभावी कदम भी उठाए जाते हैं। घायलों का उपचार व आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। सीएम ने कहाकि यहां पिछले कुछ दिनों से यह आतंक देखने को मिला है। जैसे-जैसे घाघरा का जलस्तर बढ़ता गया तो उसके बाद 9 व 10 सितंबर की रात्रि से इस क्षेत्र में भय-दहशत का माहौल है। यद्यपि सरकार ने पूरे क्षेत्र में 21 टास्क फोर्स गठित की है। इसमें ग्राम रोजगार सेवक, पंचायत सहायक, सफाई कर्मचारी, ग्राम पंचायत सचिव, सहायक विकास अधिकारी व ग्राम चौकीदार आदि शामिल हैं।

टास्क फोर्स गांवों में जनजागरण के साथ-साथ वन्य जीवों से बचाव के बारे में आवश्यक उपाय कर रही है। वन विभाग के द्वारा भी वरिष्ठ अधिकारियों के नेतृत्व में छह टीमें गठित की गई हैं। विद्युत व पुलिस विभाग द्वारा भी लगातार पेट्रोलिंग बढ़ाई गई है। यहां 1437 एलईडी स्ट्रीट लाइट, 660 स्ट्रीट लाइट, 91 सोलर लाइट लगाई गई है। इस दौरान वन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण कुमार सक्सेना, कैसरगंज सांसद करण भूषण सिंह, बहराइच के सांसद आनंद कुमार गोड़, विधायक अनुपमा जायसवाल, सुरेश्वर सिंह, सुभाष त्रिपाठी, सरोज सोनकर, रामनिवास वर्मा, विधान परिषद सदस्य पद्मसेन चौधरी, डॉ. प्रज्ञा त्रिपाठी, जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू सिंह, पूर्व मंत्री मुकुट बिहारी वर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष बृजेश पांडेय आदि मौजूद रहे।

अलग-अलग हमलों में चार बच्चों ने गंवाई जान, 16 हुए घायल

मुख्यमंत्री ने बताया कि अलग–अलग हमले में चार बच्चों (कैसरगंज के मझला तोकली की ज्योति पुत्री रामजी, महसी के भौरी गांव की संध्या पुत्री दिनेश, मझला तोकली के अंगेश पुत्र रक्षाराम, मझला तोकली की सोनी पुत्री बाबूलाल) को खोना पड़ा है। वहीं भेड़िए के हमले में अब तक शिवप्यारी, मदन, श्यारथी, चंद्रिका, हरदेई, मनीषा, अंजली, पृथ्वीनाथ, सूरजलाल, सिताबी, शांति, राजाराम, प्रिंसु, अनिकेश, हरिशचंद्र, सावित्री देवी समेत 16 लोग घायल हुए हैं। मझला तोकली में भेड़िए ने लगातार हमला कर कई लोगों को घायल किया है।

श्रावस्ती से सीएम योगी ने दिया कड़ा संदेश

श्रावस्ती। प्रदेश में 'आई लव मुहम्मद' की आड़ में अराजकता के दुष्प्रयोजन के खिलाफ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बेहद कड़ा संदेश दिया है। शनिवार को श्रावस्ती में 510 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं के शिलान्यास व लोकार्पण के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कुछ लोग हैं जिनको शांति और कल्याण अच्छा नहीं लगता। जब भी कोई हिंदू पर्व और त्यौहार आता है, उनको गर्मी आने लगती है और उनकी गर्मी को शांत करने के लिए हमें डेंटिंग-पेंटिंग का सहारा लेना पड़ता है। अराजकता करने वालों को चंड-मुंड की संज्ञा देते हुए सीएम योगी ने कहा कि जैसे माँ भगवती चंड-मुंड को रौंदने का कार्य करती हैं उसी प्रकार समाज के लिए संकट उत्पन्न करने वाले तत्वों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई की जाएगी जो कई पीढ़ियों के लिए नजीर बन जाएगी। उन्होंने कहा अराजक तत्वों को दो टूक कहा: सनातन सभी का सम्मान करता है मगर मूल्यों की अवहेलना करने वालों के लिए स्पष्ट संदेश है कि 'न छूटोगे और न छूट पाओगे'। साथ ही, सीएम योगी ने 7 अक्टूबर को महर्षि वाल्मीकि के जन्मदिवस पर छुट्टी की घोषणा करते हुए प्रदेश भर के देवालयों में संस्कृति व पर्यटन विभाग के सहयोग रामायण पाठ के आयोजन की बात कही। कार्यक्रम में आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल, विधायक रामफेरन पांडेय, विधान परिषद सदस्य साकेत मिश्र,पद्मसेन चौधरी, डॉ. प्रज्ञा त्रिपाठी, जिला पंचायत अध्यक्ष दद्दन मिश्र आदि मौजूद रहे। श्रावस्ती के विकास को समर्पित एक लघु फिल्म का चित्रण भी कार्यक्रम में किया गया।

मुख्यमंत्री ने दिया आदमखोर भेड़िया को गोली मारने का आदेश

मृतक परिजनों को पांच–पांच लाख और घायलों को पचास हजार की आर्थिक सहायता व सभी को आवास देने की घोषणा की

» पीड़ित परिवार से मिले योगी कहा–सरकार और प्रशासन आपके साथ

विश्ववार्ता संवाददाता

बहराइच। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज बहराइच के कैसरगंज भेड़िया ग्रस्त इलाके का हवाई सर्वेक्षण करने के बाद पीड़ितों से मिलकर उनको फल कपड़े वितरित किए। मृतक परिजनों को पांच लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने की बात कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि घायलों को 50 हजार रुपए की सहायता राशि भी उपलब्ध कराई जाएगी।

सरकार सभी पीड़ितों के साथ है। क्योंकि इस वक्त नदियों में पानी आ जाने के कारण भेड़िया अपने मांद से निकलकर आबादी की तरफ आ गए हैं और छोटे बच्चों और बुजुर्गों को अपना शिकार बना रहे हैं वन विभाग की 21 टास्क फोर्स पूरे क्षेत्र में आदमखोर भेड़िया को पकड़ने के लिए लगी हुई है इसके साथ-साथ ग्राम रोजगार सेवक व अन्य कर्मचारियों की भी तैनाती की गई है मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विभाग को निर्देशित किया कि बहुत जल्द आदमखोर भेड़िया को या तो पकड़ा लिया जाए या उस आदमखोर को गोली मार दिया जाए मुख्यमंत्री की बात सुनते ही वहां पर मौजूद हजारों लोगों ने तालियां बजाकर मुख्यमंत्री के इस आदेश का स्वागत किया।

आदमखोर भेड़िए के हमले में मारे गए बच्ची के परिवार वालों से वार्ता की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने परिवार के लोगों ने बताया कि आर्थिक सहायता के रूप में उन्हें 5 लाख देने की बात कही है साथ ही मुख्यमंत्री ने पीड़ित परिवारों को फल और कपड़े भी दिए। मुख्यमंत्री ने उसे आदमखोर को गोली मारने की भी निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा जिस आदमखोर जानवर ने हमारी मासूम बच्ची को अपना निवाला बना लिया और पूरे क्षेत्र में दहशत बना रखा है। उसका जिंदा रहना ठीक नहीं होगा।

नेपाली पुलिस ने 06 युवा–युवतियों को नशीली दवा व स्मैक के साथ दबोचा

विश्ववार्ता संवाददाता

रूपईडीहा, बहराइच। भारतीय क्षेत्र में आकर नेपाली युवा नशीली दवाओं का सेवन कर रहे है। भारतीय क्षेत्र में नशीली दवा आसानी से मिल जाती है। नेपाली जिला बांके व बर्दिया पुलिस ने 06 लोगों को नशीली दवाओं और स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। इन लोगों ने पुलिस को बताया कि नशीली दवाए भारतीय क्षेत्र से खरीदकर लाये है।

पड़ोसी नेपाली जिला बांके की पुलिस ने गुरूवार की रात कोहलपुर नगर पालिका 12 में संदिग्ध तीन युवकों को पकड़ा। इनकी तलाशी लेने पर ट्रामाडोल 14 पीस और नाइट्राजेपाम 18 पीस बताया हुआ।

पकड़े गये युवकों की पहचान 18 वर्षीय किशोर, 25 वर्षीय नारायण खड़का और 19 वर्षीय सुरेंद्र वली के रूप में हुई है। जो सभी गुइडर, तुलसीपुर उप-महानगरीय शहर-6, डांग के निवासी हैं। इनके पास से पुलिस ने लुम्बिनी प्रदेश 02-001पा4139 नंबर संख्या वाला एक स्कूटर और बा76पा720 नंबर वाली एक मोटर साइकिल भी मिली है। बर्दिया पुलिस ने गुरूवार को बधैयाताल ग्रामीण नगर पालिका-2, फुटाह से 9 ग्राम 20 मिलीग्राम स्मैक व 50 पीस नाइट्राजेपाम के साथ तीनों लोगों को पकड़ा है।

मुख्यमंत्री ने डीएम को दिए मदरसा संचालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने के आदेश

सांसद कैसरगंज और विधायक पयागपुर समेत मुख्यमंत्री से की थी शिकायत

» सांसद कैसरगंज और विधायक पयागपुर समेत मुख्यमंत्री से की थी शिकायत

विश्ववार्ता संवाददाता

बहराइच। आदमखोर जानवर प्रभावित क्षेत्र का दौरा करने आए सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ से सांसद कैसरगंज करण भूषण सिंह और विधायक पयागपुर सुभाष त्रिपाठी ने पट्टीहाट गांव में संचालित मदरसा संचालक के खिलाफ शिकायत की।

सांसद और विधायक ने मुख्यमंत्री को लिखित शिकायत में कहा कि मदरसा संचालक के पास 5 साल पहले कुछ नहीं था और आज करोड़ों रुपए के मदरसे का निर्माण करा कर अवैध तरीके से संचालित कर रहा है।यह भी आरोप लगाया कि मदरसे के नाम पर उसे विदेशी फंडिंग मिल रही है।

जिस पर मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी को मदरसा संचालक के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कराने के साथ कार्रवाई करने और मदरसे से बरामद की गई किशोरियों का नजदीकी विद्यालय में पंजीयन कराने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री को दी गई लिखित शिकायत में विधायक पयागपुर ने कहा है कि कैसरगंज, हुजूरपुर, इकौना, पयागपुर मार्ग पर पट्टीहाट गांव में तीन मंजिला मदरसा का निर्माण कराया गया। जिसकी कीमत करोड़ों में है।

मदरसा संचालक खलील पुत्र इसहाक की माली हालत 5 वर्ष पूर्व इतनी बेहतर नहीं थी कि वह रहने के लिए एक अच्छा मकान बना सके। लेकिन उसने इन 5 वर्षों में तीन मंजिला बेहतरीन मदरसे का निर्माण करवा दिया। इसमें बालक बालिकाओ का शिक्षा के नाम नामांकन किया जाता था। मदरसा 2023 में भी जांच के दौरान गैर मान्यता प्राप्त पाया गया था। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। जिले में 495 मदरसे आज भी गैर मानता प्राप्त होने के बावजूद संचालित किया जा रहे हैं। लेकिन जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने कोई कार्रवाईनहीं की।

फिलहाल अवैध रूप से संचालित पट्टीहाट मदरसे से बरामद 40 किशोरियों के बाद प्रशासन ने सक्रियता दिखाते हुए गैर मान्यता प्राप्त मदरसों के खिलाफ जांच के आदेश दिए हैं। टीम भी गठित की है।

विधायक ने आरोप लगाते हुए भी कहा कि खलील निश्चित तौर पर विदेश के लोगों से संपर्क में था और उसे विदेशी फंडिंग मिल रही थी। इसी फंडिंग से मदरसे का संचालन कर रहा था। उन्होंने यह भी आशंका जताई है कि खलील विदेशी फंडिंग के बाद देश में रहकर देश विरोधी कार्यो में लिप्त था।

यह भी संभव है कि उसके संबंध बलरामपुर के झांगुर बाबा से रहे हो। मुख्यमंत्री ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला अधिकारी बहराइच को आदेश दिया है कि तत्काल मदरसा संचालक के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कराकर कार्रवाई की जाए और मदरसे से बरामद किशोरियों का नजदीकी विद्यालय में पंजीयन कराया जाए और उन्हें बेहतर शिक्षा दिलाई जाए। मुख्यमंत्री की इस आदेश के बाद अधिकारियों में खलबली मची है।

चित्तौरा डीहा में प्रधानाध्यापको की समीक्षा बैठक सकुशल हुई सम्पन्न

विश्ववार्ता संवाददाता

चित्तौरा,बहराइच। विकास खण्ड चित्तौरा के पूर्व माध्यमिक विद्यालय डीहा में चित्तौरा ब्लाक के सभी प्रधानाध्यापको, प्रभारी प्रधानाध्यापको की एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमे नवागंतुक खण्ड शिक्षा अधिकारी पुष्पेंद्र कुमार जैन ने अपने संबोधन में उपस्थित समस्त प्रधानाध्यापको को शासन की मंशानुसार समय समस्त प्रकार के मिलने वाली सुविधाएं 06 से 14 आयु वर्ग के समस्त बच्चो को शिक्षा अवश्य प्रदान की जाय तथा परिषदीय स्कूलों में अध्ययनरत समस्त बच्चो को टी एल एम आधारित रोचक शिक्षण कार्य सम्पूर्ण गुणवत्तापूर्ण प्रदान करना है।

कुछ कमजोर बच्चो को उपचारात्मक शिक्षण भी प्रदान किया जाय। यदि आपके द्वारा रोचक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करेंगे तो आपके द्वारा बताई गई कुछ आवश्यक समस्याओ का निदान भी प्रमुखता के साथ किया जाएगा। इस अवसर पर विद्या विलास पाठक, भूपेंद्र श्रीवास्तव, विशेश्वर सिंह, विनोद कुमार त्रिपाठी, अंजलि शुक्ला, सूर्य कुमार पांडेय, आशीष कुमार, दिलीप कुमार पांडेय,अजय कुमार,नदीम अहमद, रंजना वर्मा-एजुकेटर,कुमार अभय,सुरेश कुमार यादव ए आर पी सहित सैकड़ो शिक्षक उपस्थिति रहे।

गांधी जयंती के अवसर पर जनपद में होंगे विविध कार्यक्रम

» स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को किया जाएगा सम्मानित–डीएम

विश्ववार्ता संवाददाता

गोण्डा। आगामी 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी जी की जयंती के अवसर पर जनपद में विविध कार्यक्रमों का आयोजन सुनिश्चित किए जाने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी श्रीमती प्रियंका निरंजन ने की। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती अंकिता जैन, सभी विभागों के जनपद स्तरीय अधिकारी तथा विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि गांधी जयंती पर जनपद के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को सम्मानित किया जाए, जिससे नई पीढ़ी को देश की आज़ादी के संघर्ष के बारे में जानकारी मिले और उनमें देशभक्ति की भावना जागृत हो। उन्होंने कहा कि यह दिवस केवल महात्मा गांधी को स्मरण करने का अवसर नहीं, बल्कि उनके विचारों और मूल्यों को आत्मसात करने का दिन भी है।

जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिए कि जनपद के सभी नगर निकायों, ग्राम पंचायतों, विद्यालयों, एवं सरकारी कार्यालयों में प्रभात फेरी, स्वच्छता अभियान, भजन संध्या, गांधी जी के जीवन पर आधारित भाषण एवं निबंध प्रतियोगिताएं, चित्रकला प्रतियोगिताएं आदि का आयोजन किया जाए।

बदलता बेसिक : कोडिंग व एआई से अपडेटेड होंगे सरकारी स्कूलों के बच्चे

कक्षा छह से आठ तक के कंप्यूटर विषय में सात अध्याय को शामिल किया गया

» एमएस वर्ल्ड, एक्सेल, पॉवरपॉइंट, पायथन, स्क्रैच, सी–सी ++ एचटीएमएल और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

विश्ववार्ता संवाददाता

बहराइच। ग्रामीण क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों के लिए बेसिक शिक्षा विभाग ने तकनीकी शिक्षा की नवीन पहल के तहत भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर में प्रदेश के 750 विज्ञान शिक्षकों को डिजिटल साक्षरता, कंप्यूटेशनल थिंकिंग, कोडिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विषय में प्रशिक्षित कर छात्रों को इन विषयों में निपुण करने की शुरुआत की है। बीते आठ से बारह सितम्बर तक आईआईटी कानपुर में सम्पन्न पहले बैच के प्रशिक्षण में बहराइच जिले से पांच विज्ञान शिक्षकों ने यह प्रशिक्षण प्राप्त किया। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद एससीईआरटी उप्र व आईआईटी कानपुर के तत्वावधान में डीएलसीसीएआई कोर्स राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप डिजाइन किया गया है। पांच दिवसीय ऑफ़लाइन प्रशिक्षण के बाद अब 49 दिन का ऑनलाइन प्रशिक्षण होगा।

प्रशिक्षण प्राप्त कर लौटे कैसरगंज के पीएमश्री उप्रा विद्यालय पवही के प्रभारी प्रधानाध्यापक प्रभात शुक्ल ने बच्चो से अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण में छात्रों को कोडिंग और डिजिटल टूल्स व आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बारे में बताया गया। बच्चों में कुछ नया सीखने का उत्साह देखने को मिला। मेरे लिए भी यह प्रशिक्षण ज्ञानवर्धक रहा। तकनीकी शिक्षा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की समझ बच्चों के भविष्य में बहुत काम आयेगी।

ग्रामीण क्षेत्र में स्थित सरकारी विद्यालयों में कम्प्यूटर की पढ़ाई मील का पत्थर साबित होगी। कोडिंग लैंग्वेज पायथन एचटीएमएल से जुड़ी मूलभूत जानकारी से बच्चों में प्रोग्रामिंग की बेसिक समझ विकसित होगी, जो उनकी उच्च शिक्षा में मददगार होगा।

अर्चना पांडेय, विज्ञान शिक्षक, पीएमश्री उप्रा विद्यालय भौली। प्रशिक्षण ने हमें पारंपरिक पद्धति से आगे बढ़कर डिजिटल माध्यम अपनाने की प्रेरणा दी। हमने गूगल क्लास रूम और स्क्रैच जैसे टूल्स का इस्तेमाल सीखा, जिन्हें अब बच्चों को सिखायेंगे। कक्षा छह, सात व आठ के बच्चों को आधुनिक डिजिटल शिक्षा से जोड़ा जा सकेगा। प्रभात शुक्ल, विज्ञान शिक्षक, पीएमश्री उप्रा विद्यालय पवही। हमने पावरपॉइंट और एक्सेल जैसे टूल्स का बेहतर उपयोग सीखा। हम इन कंटेंट्स के माध्यम से बच्चों को कंप्यूटर की बेहतर शिक्षा दे पाएंगे। लोकेश श्रीवास्तव, विज्ञान शिक्षक, उप्रा विद्यालय सोनबरसा।

आईआईटी कानपुर में मिला प्रशिक्षण बेहद ख़ास रहा। अब हम कक्षा छह से आठ तक के बच्चों को कंप्यूटर साक्षरता, कोडिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस गुणवत्तापूर्ण तरीके से सिखा पाएंगे। सुनील सोनी विज्ञान शिक्षक, उप्रा विद्यालय शाहपुर रसूलपुर।

आज मैंने आपको पार उतारा, जब मैं आऊं भवसागर से पार लगा देना

विश्ववार्ता संवाददाता

बहराइच। श्री मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम लीला कमेटी रजि. द्वारा शहर के बशीरगंज स्थित राम लीला मैदान में मथुरा-वृंदावन के कलाकारों द्वारा राम लीला का भव्य मंचन किया जा रहा है। शनिवार को दशरथ मरण, केवट संवाद, निषाद मिलन का मनोरम मंचन किया गया। रामलीला देखने स्थानीय और दूर दराज से आए श्रद्धालुओं ने भरपूर आनंद उठाया।

देर रात तक लोगों की भारी भीड़ मौजूद रही।राम, लक्ष्मण और सीता की वन गमन के समय भीलों के राजा निषादराज से भेंट हुई।निषादराज प्रभु राम को देखकर दुखी होने के साथ बाद में आनंदित हो उठे। निषादराज ने आदर सत्कार कर बस्ती में रुकने का प्रभु श्रीराम से आग्रह किया लेकिन प्रभु राम ने पिता के वचनों से बंधे होने की बात कहीं। अगले दिन प्रातः निषादराज राम,लक्ष्मण और सीता गंगा की ओर चलते हैं। श्रीराम गंगा तट पर सुमंत को अयोध्या लौट जाने को कहते हैं।

गंगा के पार जाने के लिए राम केवट से याचना करते हैं। लेकिन केवट यह कहते हुए मना कर देते हैं कि कहीं आपके चरणरज का स्पर्श पाकर नाव नारी न बन जाए। केवट राम से चरण धोकर नाव में बैठाने की शर्त रखते हैं। केवट प्रभु राम के चरणरज को धोकर पीते हैं। केवट राम, लक्ष्मण और सीता को गंगा पार कराते हैं। राम केवट को गंगा पार करने की मुद्रिका के रूप में अंगूठी देते हैं लेकिन केवट यह कहकर मना कर देते हैं कि आज आप मेरे घाट पर आए तो मैंने आपको पार उतारा, जब मैं आपके घाट आऊं तो आप मुझे भवसागर से पार लगा देना। केवट की यह बात सुनकर राम आशीर्वाद देकर आगे बढ़ जाते हैं। राम-केवट संवाद की लीला मंचन देकर दर्शक प्रभु राम के उद्घोष से वातावरण गुंजायमान हो उठता है। इस दौरान अध्यक्ष श्याम करण टेकड़ीवाल,कमल शेखर गुप्ता, संतोष अग्रवाल,राहुल रॉय, जय जय अग्रवाल,राकेश चन्द्र श्रीवास्तव, मीडिया प्रभारी सचिन श्रीवास्तव, अंशुमान यज्ञसैनी,नन्हे लाल लोधी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने लायंस नेत्र चिकित्सालय व वृद्धाश्रम के भूमि पूजन का किया शुभारंभ

विश्ववार्ता संवाददाता

गोंडा। सदर तहसील के ग्राम इन्द्रापुर बड़गांव में लायंस केयर फाउंडेशन द्वारा प्रस्तावित लायंस नेत्र चिकित्सालय एवं वृद्धाश्रम के निर्माण कार्य हेतु भूमि पूजन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जिलाधिकारी श्रीमती प्रियंका निरंजन ने विधिवत पूजा-अर्चना कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया।

अपने संबोधन में जिलाधिकारी ने लायंस क्लब द्वारा समाज सेवा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि यह पहल जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं और वृद्धजनों की देखभाल के लिए एक मील का पत्थर सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि समाज के वंचित वर्ग, विशेषकर नेत्र रोगियों एवं बेसहारा बुजुर्गों के लिए यह परियोजना अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी।

जिलाधिकारी ने उपस्थित जनसमूह से अपील की कि वे इस प्रकार की जनकल्याणकारी योजनाओं में सहयोग करें और सेवा की इस भावना को आगे बढ़ाएं। उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि जिला प्रशासन की ओर से इस परियोजना को हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर लायंस क्लब दिलीप सिंह सहित सभी पदाधिकारीगण, स्थानीय नागरिक एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

एक नजर

दुर्गा पूजा व संध्या आरती के लिए उमड़े श्रद्धालु

गुरसहायगंज (कन्नौज)। नवरात्र को लेकर नगर के विभिन्न स्थानों पर दुर्गा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। जबकि घर व मंदिरों में भी भक्त पूजा अर्चना कर मां की आराधना कर रहे है। मां भगवती की पूजा अर्चना के लिए सुबह व शाम मंदिरों में भक्तों की भीड़ लग रही है। जबकि महिला संगीत व संध्या आरती का आयोजन भी धूमधाम से किया जा रहा है। धार्मिक आयोजनों से नगर का वातावरण भक्तिमय बना हुआ है। नवरात्र के पावन पर्व पर भक्तों ने घर व मंदिरों में मां भगवती की चतुर्थ शक्ति मां कुष्मांडा की आरती वंदना कर आराधना की। जबकि कई महिला पुरूष लगातार व्रत रखकर मां की आराधना में लगे है। नगर में जगह–जगह दुर्गा महोत्सव का आयोजन कर पूजा अर्चना व आरती वंदना की जा रही है। नगर के श्री राममंदिर, गंगेश्वरनाथ मंदिर, सती माता मंदिर, प्राचीन मां काली मंदिर, मनकामेश्वर मंदिर, पशुपतिनाथ मंदिर व मढियन देवी में भक्तों की कतार लग रही है। नगर के गंगेश्वरनाथ मंदिर में दुर्गा पंडाल के लिए विशाल संध्या आरती का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें भारी संख्या में भक्त पहुच रहे है। इसी प्रकार नगर के मोहल्ला गांधी नगर स्थित प्राचीन शिव मंदिर में समिति के द्वारा चौदवां विशाल नवदुर्गा महोत्सव आयोजित किया गया है। तिर्वा रोड पर भी विशाल काली मां की प्रतिमा की स्थापना की गई जहां प्रतिदिन सुबह शाम आरती पूजन प्रसाद वितरण का कार्यक्रम भव्य पंडाल में किया जा रहा है दुर्गा पंडाल में भाजपा क्षेत्रीय मंत्री देवेन्द्र देव, ने पंडाल पहुंचकर मां दुर्गा की आरती की और पूजन कर प्रसाद ग्रहण किया इस मौके पर नीरज मिश्रा डा. आरएम सिंह तोमर, शिवा गुप्ता, विपिन चौरसिया, अरविंद यादव, नीरज मिश्रा, सुमित सक्सेना, अनिल चौरसिया आदि मौजूद रहे।

कुपोषण भगाने मे मोटे अनाजों की भूमिका अहम

कन्नौज। जलालाबाद कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा पोषण माह के अवसर पर आँगनवाड़ी कार्यकत्रियों को कुपोषण निवारण के लिए भोजन में श्री अन्न का समिश्रण" विषय पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में केंद्र की गृह वैज्ञानिक डॉ चन्द्रकला यादव ने बताया कि पोषण माह जागरूकता बढ़ाने, कुपोषण का समाधान लोगों तक पहुंचाने और समाज को प्रेरित करने का एक अवसर है। डॉ यादव ने बताया कि इन कमियों को दूर करने के लिए बच्चों के भोजन में मौसमी फल एवं सब्ज़ियों के साथ दालो और मोटे अनाजों जैसे ज्वार, बजार, मडुआ, काकुनी, सावा आदि मोटे अनाजों को भी भोजन में शामिल करना चाहिए इसके अलावा, यह अनाज पर्यावरण के अनुकूल होते हैं, जिससे खाद्य सुरक्षा बढ़ती है और किसानों को भी लाभ होता है. मोटे अनाज बच्चों की वृद्धि में सुधार करते हैं और एनीमिया, डायबिटीज और हृदय रोगों जैसी बीमारियों से बचाते हैं।

रघुरायी बने दूल्हा, जनकपुरी पहुंची राम बारात

गुरसहायगंज (कन्नौज)। श्री आदर्श रामलीला समिति पुरानी गल्ला मंडी के तत्वाधान में धूमधाम के साथ भगवान श्री राम की बारात नगर में निकाली गई इस दौरान विशाल उमड़े जन सैलाब को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को खासी मस्कत करनी पड़ी झांकियां और रथ की शोभा देख नगर वासियों ने कई जगह भगवान श्री रामचंद्र की आरती उतार कर पुष्प वर्षा कीनगर के रामगंज स्थित रामलीला मैदान श्री आदर्श रामलीला समिति के संरक्षक इंद्र कुमार गुप्ता एवं रामलीला समिति के अध्यक्ष उत्कर्ष गुप्ता ने भगवान श्री राम लक्ष्मण की आरती उतार कर पूजन किया पुष्प वर्षा कर राम बारात का शुभारंभ किया राम बारात रामगंज से पूर्वी क्रॉसिंग होते हुए तिर्वा रोड पहुंची जहां चकोर रोड होते हुए रामलीला ग्राउंड में राम बारात का समापन हुआ राम बारात में मनमोहक झांकियां कृष्ण राधा इस्कॉन टेंपल नदी पार्वती झांकी शंकर बजरंगबली दुर्गा माता कृष्ण भगवान मनमोहक झांकिया ने श्रद्धालुओ का मन मोह लिया काली मंडल के कलाकारों ने जमकर अपना प्रदर्शन किया उच्चकलाकारों द्वारा सुंदर झांकियां आकर्षण का केंद्र बनी रही । समिति के संरक्षक इंद्र कुमार गुप्ता ने बताया कि समिति के पदाधिकारी के सहयोग से राम बारात में 71 मनमोहक झांकियां निकल गई नगर के श्रद्धालुओं ने भगवान राम लक्ष्मण की रथ पर आरती उतार कर पुष्प वर्षा की और जय श्री राम की गगन विधि नारे लगाए इस मौके पर मोहित गुप्ता देवेंद्र देव राजेश गुप्ता मनोज अग्रवाल दिलीप गुप्ता लाला जोशी रामकुमार पाठक सहितसमिति के पदाधिकारी मौजूद रहे।

पीएमश्री विद्यालय का अधिकारियों ने किया निरीक्षण

कन्नौज। गुगरापुर राज्य परियोजना की ओर से जनपद कन्नौज आए नोडल अधिकारियों की टीम ने पीएमश्री उच्च प्राथमिक कंपोजिट विद्यालय गुगरापुर का औचक निरीक्षण किया। टीम का नेतृत्व नोडल अधिकारी अंकित श्रीवास्तव और स्वाति देव ने किया। निरीक्षण के दौरान खंड शिक्षा अधिकारी शिवेंद्र कुमार वर्मा भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने पीएमश्री कंपोजिट विद्यालय की कक्षाएं, स्मार्ट क्लास की व्यवस्था, खेल सामग्री, बाल संसद, मीना मंच, एस एम सी बैठकों और पेरेंट्स टीचर मीटिंग से जुड़ी जानकारी प्राप्त की। छात्र–छात्राओं से सीधा संवाद कर कंप्यूटर शिक्षा का भी आंकलन किया गया। बच्चों से कंप्यूटर पर आकृतियाँ बनवाई गईं, रंग भरवाया गया और उनकी टाइपिंग क्षमता को जांचा गया।इसके बाद टीम ने मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता का अवलोकन किया। छात्रों को परोसी गई पौष्टिक तहरी का स्वाद लेकर एमडीएम की गुणवत्ता की प्रशंसा की गई।

आत्मविश्वास व परिश्रम के साथ आगे बढ़ें छात्राएं

नारी शक्ति ही राष्ट्र की वास्तविक शक्ति है, महिलाओं को समान अवसर और सुरक्षा का मिले वातावरण : जिलाधिकारी

विश्ववार्ता संवाददाता

छिबरामऊ (कन्नौज)। जुगल शीतला सीनियर सेकेंडरी स्कूल, छिबरामऊ में नारी सुरक्षा एवं नारी शक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन बड़े ही उत्साह और गरिमा के साथ सम्पन्न हुआ। इस विशेष अवसर जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री एवं पुलिस अधीक्षक विनोद सिंह का विद्यालय परिवार तथा छात्र–छात्राओं ने हर्षोल्लास से स्वागत किया।

बच्चों ने तिलक वंदन कर पुष्पगुच्छ के माध्यम से अतिथियों का अभिनंदन किया, शनिवार को जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्रीने कहा कि नारी शक्ति ही राष्ट्र की वास्तविक शक्ति है। उन्होंने छात्राओं से आग्रह किया कि वह आत्मविश्वास और परिश्रम के साथ जीवन में आगे बढ़ें और हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करें। उन्होंने यह भी कहा कि समाज तभी प्रगति कर सकता है जब उसमें महिलाओं को समान अवसर और सुरक्षा का वातावरण प्राप्त हो। पुलिस अधीक्षक विनोद सिंह ने कहा कि नारी सुरक्षा को समाज का सर्वोच्च कर्तव्य बताया उन्होंने आत्मरक्षा सतर्कता तथा साहसिकता के महत्व को रेखांकित किया उन्होंने छात्रों को विश्वास दिलाया कि प्रशासन सदैव उनके साथ है और उन्हें निर्भीक होकर अपनी शिक्षा एवं सपनों की ओर अग्रसर होना चाहिए विद्यालय के प्रबंधक हिमांशु सक्सेना ने जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक का माल्यार्पण कर हार्दिक स्वागत किया और विद्यालय में उनके आगमन को गौरव का क्षण बताया उन्होंने कहा कि ऐसे अवसर पर छात्रों एवं छात्राओं के जीवन में नई चेतना और ऊर्जा का संचार होता है कार्यक्रम के दौरान जुगल शीतला विद्यालय की छात्रा कोऑर्डिनेटर कनिष्क सिंह व अन्य बच्चों ने जिज्ञासा पूर्ण प्रश्न भी पूछे जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक में अत्यंत सहजता और संवेदनशीलता से उन प्रश्नों का उत्तर दिया तथा व्यावहारिक समाधान सुझाव यह संवाद बच्चों के लिए अत्यंत प्रेरणादाई रहा और उन्हें जीवन की चुनौतियों का सामना करने का साहस प्रदान करता है विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर शैलेंद्र कुमार मिश्रा और प्रबंधक हिमांशु सक्सेना ने संयुक्त रूप से धन्यवाद ज्ञाप करते हुए मुख्य अतिथियों को प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया विद्यालय परिवार ने संकल्प लिया कि वह सदैव नारी सुरक्षा नारी सम्मान और नारी शक्ति के संदेश को समाज तक पहुंचने में अग्रसर रहेंगे। उप जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र कुमार द्विवेदी पुलिस क्षेत्राधिकार सुरेश मलिक छिबरामऊ कोतवाली प्रभारी के अलावा विद्यालय के शिक्षक छात्र एवं छात्राएं मौजूद रही।

» नारी सुरक्षा समाज का सर्वोच्च कर्तव्य होना चाहिए : एसपी

राजनीतिक विरोधी उनकी छवि धूमिल करने में लगे हुए हैं : नेहा त्रिपाठी

कन्नौज। छिबरामऊ में जमीन कब्जा और मारपीट को लेकर सोशल मीडिया पर फैली खबरों ने राजनीतिक सरगर्मी तेज कर दी है। भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष नेहा त्रिपाठी ने इन खबरों को पूरी तरह फर्जी बताते हुए इसे सुनियोजित साजिश करार दिया है। आरोप लगाया कि राजनीतिक विरोधी उनकी छवि धूमिल करने में लगे हैं। त्रिपाठी ने प्रशासन को दिए प्रार्थना पत्र में कहा कि 25 सितंबर को जिस जमीन विवाद का जिक्र किया जा रहा है, उससे उनका कोई संबंध नहीं है। उस समय वह लंबे समय से लखनऊ में रह रही थीं। उन्होंने बताया कि पूर्व में भी उनके खिलाफ अफवाहें फैलाई जा चुकी है। इस बार भी फर्जी पोस्ट और कमेंट्स के स्क्रीनशॉट प्रशासन को सौंप दिए गए है। नेहा त्रिपाठी का कहना है कि पिछले विधानसभा चुनाव में जब उन्होंने टिकट की दावेदारी की थी, तभी उन्हें बदनाम करने की कोशिश की गई थी। अब फिर से टिकट की राजनीति के चलते ऐसी साजिशें हो रही हैं। उन्होंने कहा कि वह आगामी विधानसभा चुनाव में फिर से दावेदारी करेंगी। यदि पार्टी उन्हें टिकट देती है तो वह पार्टी के चुनाव चिन्ह से ही लड़ेंगी, अन्यथा वरिष्ठों की सलाह और बांके बिहारी जी के आदेश के अनुसार निर्णय लेंगी। उन्होंने कहा, "पार्टी मेरे लिए माता समान है। उन्होंने स्पष्ट किया कि देश और प्रदेश स्तर पर उन्हें किसी नेता से शिकायत नहीं है, लेकिन लोकल स्तर पर कुछ नेता उनकी छवि खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। श्रीमती त्रिपाठी ने इन सब बातों से उनके ऊपर कोई फर्क नहीं पड़ता है। पार्टी भी उनकी असलियत को जानती है।

29 सितंबर को होगी जिला स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता

कन्नौज। जिला विद्यालय निरीक्षक पप्पू सरोज के निर्देश पर जिला स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन 29 सितंबर को होगा जिसमें कक्षा 9 से 12 तक के छात्राएं प्रतिभा कर सकते हैं।

कार्यक्रम की आयोजक एवं प्रधानाचार्य श्रीमती गोमती देवी गर्ल्स इंटर कॉलेज कन्नौज ने बताया कि सोमवार को जूनियर वर्ग कक्षा 9 से 12 की जिला स्तरीय चित्र कला प्रतियोगिता का आयोजन श्रीमती गोमती देवी गर्ल्स इंटर कॉलेज कन्नौज में होना है। सभी प्रधानाचार्य अपने विद्यालय स्तर पर प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान पर चयनित छात्र एवं छात्राओं को प्रतियोगिता में प्रतिभाग कराना सुनिश्चित करें प्रतियोगिता प्रातः 9:00 बजे से आरंभ की जाएगी।

आलू के विदेश निर्यात पर हटे मंडी शुल्क : विमल

» आलू विकास एवं विपणन संघ की बैठक में आलू आधारित उद्योग स्थापित करने की मांग

विश्ववार्ता संवाददाता

फर्रुखाबाद। आलू विकास एवं विपणन सहकारी संघ प्रबंध कमेटी की बैठक सभापति विमल कटियार की अध्यक्षता में सातनपुर मंडी स्थित कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक का संचालन सहायक निबंधक सहकारिता अजय पालीवाल ने किया। बैठक में प्रस्ताव पारित किया गया कि सदस्यता बढ़ाई जानी चाहिए।

इसके साथ ही आलू विपणन संघ से ही धान गेहूं दलहन के बीजों का वितरण कराया जाए। आलू पर आधारित उद्योग की स्थापना करने संबंधी की प्रस्ताव पारित किया गया। कहां गया कि फर्रुखाबाद व कन्नौज किसी में भी प्राथमिक वरीयता देकर आलू आधारित उद्योग की स्थापना कराई जाए। इसके साथ ही नेपाल इत्यादि देशों में आलू के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए निर्यात पर से मंडी शुल्क समाप्त किया जाए। इसके साथ ही भाड़ा अनुदान 25 प्रति पैकेट अथवा खरीद के हिसाब से किया जाए। आलू को राशन की दुकानों से वितरित कराया जाए।बैठक में सर्वसम्मत से तय किया गया कि संस्था के दो वाहन हैं एक एम्बेसडर कार व मोटरसाइकिल कैम्प में है । इन वाहनों को नीलाम किया जाए ताकि संस्था के संपत्ति को बेकार होने से बचाया जा सके। सुरक्षा की दृष्टि से संस्था में सीसीटीवी कैमरे लगवाए जाएं। बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित हुआ की जर्जर भवन की मरम्मत कराई जाए फर्नीचर आदि की व्यवस्था ठीक से की जाए। सभापति विमल कटियार में आए हुए सभी सदस्यों का आभार जताया व भविष्य में सार्थक सहयोग करते रहने की अपील की।

उन्होंने प्रधानमंत्री व वित्त मंत्री के जीएसटी के बारे में किए गए प्रयासों को लागू करने की बात कही और कहा कि यह प्रयास काफी दूरगामी परिणाम देने वाले हैं। बैठक में निदेशक बा भाजपा जिला अध्यक्ष मैनपुरी ममता राजपूत अशोक कटियार, सुशील द्विवेदी, किरण सिंह, राजवती बाथम ,अनिल दोहरे, अनुराधा गौतम ने भाग लिया। सभापति ने सभी के प्रति आभार जताया। यह जानकारी किसान नेता व निदेशक अशोक कटियार ने दी।

निर्माणाधीन मार्गो पर चेतावनी बोर्ड लगवायें : डीएम

विश्ववार्ता संवाददाता

हरदोई। शनिवार को विवेकानन्द सभागार में आयोजित सड़क सुरक्षा समिति की आहूत बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी अनुनय झा ने कहा कि जनपद में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को अधिकारी गम्भीरता से लें और चिन्हित ब्लैक स्पॉट का समयबद्ध सुधारीकरण कराये तथा वाहनों के सुरक्षित आवागमन को सुनिश्चित किए जाने हेतु समस्त श्रेणी के मार्गों पर लेन मार्किंग कराई जाएगी।

उन्होने अधिकारियों को निर्देश दिये कि भिन्न चौराहों पर ज़ेबरा क्रॉसिंग मार्किंग का कार्य कराया जाए तथा चौराहों की री इंजीनियरिंग करते हुए व्यवस्थित किया जाये एवं बिलग्राम चुंगी व पिहानी चुंगी की सड़कों को गड्ढा मुक्त बनाया जाए तथा अवैध कट बंद किये जाए और सड़कों पर पर्याप्त मार्ग प्रकाश की व्यवस्था कराई जाए, इसके साथ ही नगर निकायों के वेंडिंग जोन को व्यवस्थित किया जाए तथा सुगम यातायात में व्यवधान उत्पन्न करने वाली अव्यवस्थित एवं अवैध होर्डिंग्स को तत्काल हटाया जाए और निराश्रित पशुओं के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाकर पशुओं को पशु आश्रय स्थलों में पहुंचाया जाए, तथा पशुओं के सीघों पर रिम्लेक्टर लगवाया जाये ताकि रात्रि मे पशुओ के कारण होने वाली दुर्घटनाओं को रोका जाये। एनएचएआई को निर्देश दिये कि रोड़ पर अवैध ढाबों को नोटिस देकर उन्हें हटाया जाय इस सम्बन्ध मे एनएचआई ने बताया कि ढाबों को नोटिस जारी की गयी।

जिलाधिकारी ने कहा कि रोड़ के किनारे लगी हुई झाड़ियों को हटाया कटवाया जाये और जिन मार्ग निर्माणाधीन है वहां चेतावनी बोर्ड लगवायें। बैठक में अपर जिलाधिरी विरा प्रियंका सिंह, आरटीओ प्रशासन अरविन्द कुमार सिंह, पीडब्लूडी के अधिकारी, यातायात निरीक्षक, सीओ सिटी अंकित मिश्रा एवं आदि उपस्थित रहे।

20 सालो से खड़ंजा व नाली के लिए तरस रहे ग्रामीण

हरदोई। ब्लाक पिहानी की ग्राम पंचायत तबक्कलपुर मजरा कुशबारी मे लगभग 2 दशकों से विकास कार्य ठप पड़े हुए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में बीस साल पुराना खड़ंजा अब जर्जर हालत में है,जिसमें आए दिन लोग गिरकर घायल हो रहे हैं। वहीं नाली निर्माण की मांग भी वर्षों से की जा रही है,लेकिन अब तक सिर्फ आश्वासन ही मिलता रहा। ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने कई बार प्रधान और पंचायत सचिव से नाली व खड़ंजा निर्माण के लिए मांग की,लेकिन हर बार कोई न कोई बहाना बना दिया जाता रहा।बारिश होते ही सड़कों पर कीचड़ भर जाता है और गंदा पानी घरों के सामने जमा हो जाता है।जिससे बच्चो को स्कूल जाने मे बहुत ही मुश्किल से निकलना पङता है। बीमार व्यक्ति को अस्पताल ले जाने के लिए उनके मकान तक गाडी भी नही जा सकती है। गांव में नाली नहीं होने से गंदा पानी गलियों में बहता रहता है।

महिलाओं की सहायता के लिए उठाया ऐसा कदम, कि लोग कर रहे तारीफ

विश्ववार्ता संवाददाता

शाहाबाद। हरदोई महिला सशक्ति करण को बढ़ावा देने के लिए अब ग्राम प्रधान भी आगे आ रहे हैं।ग्राम पंचायत ओडरिया के प्रधान पति ने अपने गांव की बेसहारा महिलाओं को साड़ी आदि वितरित कर उनका आशीर्वाद लिया।

शनिवार को ग्राम पंचायत ओडेरी के मजरा धर्मापुर में हरदेव राजा के पावन स्थल पर 24 सितंबर से 30 सितंबर तक होने वाली श्रीमद भागवत कथा का गुण गान हो रहा है। जिसमें एक अक्टूबर को एक विशाल भंडारे का आयोजन होगा। इसी क्रम में महिला सशक्तिकरण के उपलक्ष्य में ग्राम प्रधान प्रतिनिधि मुकेश द्विवेदी ने महिलाओं को साड़ी वितरण की। साड़ी पाकर महिओ के चेहरे पर खुशी छलकी। मुकेश द्विवेदी ने बताया कि उन्होंने सीतापुर आंख अस्पताल के डाक्टरों की टीम बुलाकर लोगों की आंखों का परीक्षण कराया तथा चश्मा लगाने के लिए भी दिया। उनके इस पुनीत कार्य की लोग प्रशंसा कर रहे हैं।

नियम विरुद्ध चल रही कंबाइन मशीन को किया गया सीज

विश्ववार्ता संवाददाता

शाहाबाद। हरदोई शनिवार को राजस्व विभाग और कृषि विभाग की संयुक्त टीम द्वारा नियम विरुद्ध धान फसल की कटाई करने वाली मशीन कंबाइन को पकड़ कर सीज कर दिया गया। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बेझा के पास रोड के किनारे एक किसान के खेत में धान की फसल कंबाइन द्वारा काटी जा रही थी। जिसकी सूचना पर कानूनगो गिरजा शंकर बाजपेई लेखपाल रत्नेश राठौर एवं कृषि विभाग की ओर से सहायक विकास अधिकारी कृषि प्रशांत कुमार यादव द्वारा नियम के विपरीत चल रही कंबाइन मशीन को पड़कर थाने लाया गया। जहां राजस्व और विभाग की ओर से कार्रवाई करते हुए कंबाइन मशीन को सीज कर दिया गया।

बताया जा रहा है कि उक्त मशीन बिना एसएमएस के फसल काट रही थी। कृषि विभाग के अधिकारी प्रशांत कुमार यादव,कानूनगो गिरिजाशंकर,लेखपाल रत्नेश द्वारा एसडीएम अंकित तिवारी के निर्देश पर सीज करते हुए कंबाइन मशीन को कोतवाली पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया।कंबाइन मशीन न्योरा देव थाना सांडी के विक्रम सिंह की बताई गई है।

समाज कल्याण मंत्री ने दिव्यांगजनों को वितरित किए सहायक उपकरण

विश्व वार्ता संवाददाता

कन्नौज। समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने विकास भवन परिसर में आयोजित कार्यक्रम में दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरित किए। इस दौरान 35 ट्राईसाइकिलें, 12 कान की मशीनें और 1 स्मार्ट केन लाभार्थियों को दी गईं।मंत्री ने कहा कि शासन दिव्यांगजनों के पुनर्वास और सशक्तिकरण के लिए लगातार योजनाएं चला रहा है।

सहायक उपकरण न केवल सुविधा देंगे बल्कि आत्मनिर्भर बनने और आजीविका का साधन विकसित करने में भी मदद करेंगे। इससे जीवनस्तर और पारिवारिक आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। उन्होंने कहा कि हर वर्ग समान अवसर का अधिकारी है, सरकार चाहती है कि दिव्यांगजन सम्मानपूर्वक मुख्यधारा से जुड़ें। जिला प्रशासन को निर्देश दिए गए कि पात्र लाभार्थियों को समयबद्ध लाभ उपलब्ध कराया जाए।कार्यक्रम में पार्टी जिलाध्यक्ष वीर सिंह भदौरिया, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी महेन्द्र प्रताप सिंह, समाज कल्याण अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। इस दौरान एक मार्मिक दृश्य भी सामने आया, जब गुरसहायगंज के सुभाष नगर निवासी प्रशांत विश्वास के तीनों दिव्यांग बच्चे मुनमुन विश्वास, तुलसी विश्वास और चंद्रहास विश्वास को सहायक उपकरण प्रदान किए गए। मंच से मंत्री ने बच्चों को आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा भी दी।

पीएसएम पीजी कॉलेज कन्नौज में 358 छात्रों को मिले टेबलेट, खिले चेहरे

पंडित सुंदरलाल मेमोरियल परास्नातक महाविद्यालय (पीएसएम पीजी कॉलेज) कन्नौज में स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना (डिजीशक्ति) के तहत बी.ए., एम.ए. और बी.एड. के 358 छात्र–छात्राओं को टेबलेट वितरित किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण, विशिष्ट अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष वीर सिंह भदौरिया और कॉलेज प्राचार्य डॉ. अजय सिंह ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया।राज्य मंत्री असीम अरुण ने कहा कि युवाओं को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के लिए यह सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है। टेबलेट के जरिए शैक्षिक और करियर संबंधी जानकारियां एक क्लिक पर उपलब्ध होंगी। उन्होंने युवाओं से उद्यमशीलता और नवाचार के लिए सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया।विशिष्ट अतिथि वीर सिंह भदौरिया ने छात्रों से अपील की कि वे टेबलेट का उपयोग शिक्षा एवं तकनीकी उन्नयन के लिए करें, न कि मनोरंजन के साधन के रूप में। प्राचार्य डॉ. अजय सिंह ने सभी अतिथियों का आभार जताया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. श्याम बाजपेई ने किया।इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख जलालाबाद अवनीश कुमार, विवेक पाठक, डॉ. अमित सचान, डॉ. सुरेंद्र कुमार, रेनू त्यागी, डॉ. संगीता पांडेय, डॉ. संजय शर्मा सहित कई गणमान्य व्यक्ति एवं महाविद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

ब्लॉक में गणित ओलंपियाड संपन्न, छात्र होंगे जनपदीय प्रतियोगिता के लिए चयनित

उतरौला(बलरामपुर)। शनिवार को बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा ब्लॉक स्तरीय गणित ओलंपियाड परीक्षा का आयोजन बीआरसी पर किया गया। इस प्रतियोगिता में ब्लॉक के उच्च प्राथमिक व कम्पोजिट विद्यालयों से कुल 36 छात्र-छात्राएं शामिल हुए। यह प्रतियोगिता दो चरणों में आयोजित की गई। पहला चरण विद्यालय स्तर पर संपन्न हुआ। चयनित छात्रों ने शनिवार को बीआरसी उतरौला पर ब्लॉक स्तर की परीक्षा दी। एआरपी जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव कक्ष निरीक्षक के रूप में मौजूद रहे। खंड शिक्षा अधिकारी सुनीता वर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता के नियमानुसार श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले 10 छात्रों का चयन किया जाएगा। ये छात्र आगामी जनपदीय गणित ओलंपियाड में ब्लॉक का प्रतिनिधित्व करेंगे। परीक्षा की निष्पक्षता और पारदर्शिता के लिए विशेष सतर्कता बरती गई।

जीएसटी स्वर्गीय प्रकाश चंद बाजपेई सभागार के जीणोद्धार,इंटरलॉकिंग आदि का किया उद्घाटन

कर सुधार नेक्ट जेनेरेशन जीएसटी सुधार हैं: डॉ अशोक बाजपेई

विश्ववार्ता संवाददाता

हरदोई। केंद्र सरकार की ओर से जीएसटी की स्लैब में बहुत बड़ा बदलाव कर दिया गया है। बाजार पर इसका असर क्या होगा और लोगों को किस तरह सुविधा मिलेगी। इन सभी बिंदुओं की जानकारी के लिए ब्लॉक पिहानी में ब्लाक प्रमुख कुशी वाजपेई के नेतृत्व में क्षेत्र पंचायत व प्रधानों की बैठक का आयोजन किया गया।

जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ अशोक बाजपेई ने बताया कि प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में जीएसटी व्यवस्था में ऐतिहासिक सुधार किए गए हैं। इन सुधारों ने हमारी कर प्रणाली को सरल, पारदर्शी बनाया है। उन्होंने कहा कि यह कर सुधार नेक्ट जेनेरेशन जीएसटी सुधार हैं। श्री वाजपेई ने कहा कि जीएसटी में सुधार प्रधानमंत्री के विजन जीवन में आसानी, व्यापार में आसानी का साकार रूप है। अब देश में सिर्फ दो दरें 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत लागू होंगी।

बताया कि दूध,पनीर, शैंपू, साबुन,टूथपेस्ट जैसी रोजमर्रा की चीजें अब केवल 5 प्रतिशत या शून्य दर पर मिलेंगी। शिक्षा सरकार की प्राथमिकता में है। इस कारण कॉपी, पेंसिल, नोटबुक और बच्चों की सामग्री अब पूरी तरह कर मुक्त है। किसानों के लिए ट्रैक्टर,टायर, कीटनाशक और सिंचाई उपकरण से कर घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया गया है।स्वास्थ्य बीमा पॉलिसियों पर जीएसटी पूरी तरह हटाया गया है। दवाइयों, ऑक्सीजन और टेस्ट किट पर भारी कटौती की गई है। कार और बाइक पर जीएसटी 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत 10 प्रतिशत की राहत दी गई है। इस तरह करोड़ों परिवारों की जेब में बचत का पैसा होगा।

छोटे व्यवसाय पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि छोटे व्यवसायों और स्टार्टअप्स के लिए यह सुधार बड़ा सहारा सिद्ध होंगे। जीएसटी से टैक्स चोरी में भारी कमी आई है। छोटे व्यापारियों के लिए कर पालन आसान हुआ है। यह सुधार विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की दिशा में एक निर्णायक कदम है। श्री बाजपेई ने आम लोगों से केंद्र सरकार की ओर से सुधारों को ऐतिहासिक करार दिया। घटी जीएसटी मिला उपहार, धन्यवाद मोदी सरकार" व "गरीब हित में मोदी सरकार" जैसे नारे लगाए गए।

प्रधान संघ अध्यक्ष मेवाराम, किसान नेता सत्यप्रकाश रिंकू सिंह,दिलीप मिश्रा आदि लोगों ने कार्यक्रममें संबोधित किया। इस मौके पर सोनू सिंह मुनेंद्र सिंह, भाजपा नगर अध्यक्ष गौरव गुप्ता, जिला पंचायत सदस्य दीनदयाल वर्मा,प्रवीण द्विवेदी बबलू, जिला पंचायत सदस्य सोनू सहित सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

गरीबों की शिकायत सुने और निष्पक्ष जांच के आधार पर कड़ी कार्यवाही करें :डीएम

हरदोई। थाना बेहटा गोकुल में आयोजित थाना समाधान दिवस की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी ने उपस्थित राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों से कहा कि तहसील व थाने पर आने वाले असहाय एवं गरीब फरियादियों की शिकायत को सुने और निष्पक्ष जांच के आधार पर अपराधियों पर कड़ी कार्यवाही करें तथा सरकारी एवं गरीबों आदि की भूमि पर अवैध कब्जा करने वाले भूमाफियों के विरूद्व कठोर कार्यवाही करते हुए जेल भेजें और समस्त भूमि कब्जा मुक्त करायें। डीएम ने लेखपालों से कहा कि ग्राम भ्रमण के दौरान ग्रामवासियों को भारत एवं प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दें तथा पात्र गरीबों को योजनाओं से लाभान्वित करायें और गांव में 70 वर्ष आयु पूर्ण करने वाले लोगों के आयुष्मान कार्ड प्राथमिकता पर बनवायें।

एक नजर

अभिषेक ने तोड़ा कोहली और रिजवान का रिकॉर्ड

दुबई। टीम इंडिया ने एशिया कप में जीत का सिलसिला कायम रखा। भारत ने शुक्रवार को श्रीलंका के खिलाफ सुपर ओवर में जीत हासिल की। दुबई स्टेडियम में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट खोकर 202 रन बनाए। जवाब में श्रीलंकाई टीम ने भी इतने ही रन बनाए और मैच टाई हो गया। सुपर ओवर में श्रीलंका ने भारत को 3 रन का टारगेट दिया। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पहली ही बॉल पर तीन रन बनाकर भारत को जीत दिला दी। भारतीय टीम अब लगातार 6 सुपर ओवर जीत चुकी है। टीम इंडिया दुनिया की इकलौती ऐसी टीम है जो कभी टी-20 का टाईब्रेकर नहीं हारी है। इसके अलावा अभिषेक शर्मा किसी एक टी-20 एशिया कप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर बन गए हैं। उन्होंने मोहम्मद रिजवान और विराट कोहली का रिकॉर्ड तोड़ा है।

सुपर ओवर में शनाका रिव्यू लेकर आउट होने से बचे

दुबई। स्टेडियम में मौजूदा एशिया कप का सबसे रोमांचक मुकाबला खेला गया। साढ़े चार घंटे चले इस मैच को भारत ने सुपर ओवर में जीता। इसमें सूर्या की टीम को महज 3 रन का टारगेट मिला था, जो कि एक बॉल में चेज हो गया। मैच के दौरान कुछ ऐसे लम्हे देखने को मिले जिन्होंने मैच को और मजेदार बना दिया। इनमें सबसे खास सुपर ओवर में दसुन शनाका का जीवनदान रहा। वे ICC के नियमों के सहारे रिव्यू लेकर आउट होने से बच गए। दरअसल अर्शदीप सिंह की बॉल पर अंपायर ने शनाका को कैच आउट दे दिया। तभी बैटर ने रिव्यू लिया, उसी समय विकेटकीपर संजू सैमसन ने उन्हें रनआउट कर दिया। लेकिन शनाका तब तक रिव्यू ले चुके थे जिस वजह से बॉल डेड हो गई और थर्ड अंपायर को उन्हें नॉटआउट दे दिया। हालांकि शनाका अगली ही बॉल पर जितेश शर्मा को कैच दे बैठे।

एशिया कप- टीम इंडिया के 2 खिलाड़ी चोटिल

दुबई। एशिया कप 2025 के फाइनल मैच से पहले हार्दिक पंड्या और तिलक वर्मा चोटिल हो गए हैं। ऑलराउंडर पंड्या के खेलने पर सस्पेंस है। उनकी मांसपेशियों में खिंचाव है। तिलक वर्मा के पैर में चोट आई है। उनकी स्थिति कैसी है, यह नहीं बताया गया है। पंड्या और तिलक को शुक्रवार को श्रीलंका के खिलाफ सुपर-4 के आखिरी मैच में चोट लगी। भारतीय गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि हार्दिक की चोट का शनिवार को रिव्यू होगा। उन्होंने बताया कि अभिषेक शर्मा की मांसपेशियों में भी खिंचाव आया था, लेकिन अब वे ठीक हैं। भारत ने श्रीलंका को सुपर ओवर में हराया। मैच में श्रीलंका ने भारत के 202 रन के जवाब में इतने ही रन बनाए। मुकाबला टाई होने के बाद सुपर ओवर हुआ। इसमें भारत को 3 रन का टारगेट मिला था, जो उसने पहली ही गेंद में हासिल कर लिया।

सुपर ओवर ड्रामा, रनआउट होकर भी बैटिंग करते रहे शनाका

एशिया कप में शुक्रवार रात भारत-श्रीलंका मुकाबले में कन्फ्यूजन पैदा हो गया। दरअसल, सुपर ओवर में दसुन शनाका को संजू सैमसन ने रन आउट किया। शनाका तब क्रीज से बाहर भी थे, लेकिन तीसरे अंपायर ने नॉट आउट दे दिया। इस पर भारतीय टीम अंपायर से बहस करती दिखी। श्रीलंका के कोच सनथ जयसूर्या ने भी नियम पर सवाल उठाए। मैच में भारत ने श्रीलंका को सुपर ओवर में हराया। इसमें भारत को 3 रन का टारगेट मिला था, जिसे भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पहली गेंद में हासिल कर लिया।

इगा चाइना ओपन में तीसरे राउंड में

चीनी खिलाड़ी युआन यू को 6-0, 6-3 से हराया

सिनर प्री क्वार्टर में फ्रांस के खिलाड़ी से भिड़ेंगे

एजेंसी

बिजींग। विंबलडन चैंपियन इगा स्वातेक ने शनिवार को चाइना ओपन में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीसरे दौर में प्रवेश कर लिया। उन्होंने चीनी खिलाड़ी युआन यू को 6-0, 6-3 से हराया। इसके साथ ही वह WTA टूर इतिहास में भी लगातार तीन सीजन में WTA-1000 टूर्नामेंट्स में 25 या उससे अधिक जीत दर्ज करने वाली पहली खिलाड़ी बन गई हैं। स्वातेक ने पिछले हफ्ते कोरिया ओपन जीता था

पिछले हफ्ते सियोल में कोरिया ओपन जीतने जीता था। वह चाइना ओपन में टॉस सीड थी। उन्होंने युआन यू के खिलाफ पहला सेट 6-0 से आसानी से जीता और दूसरे सेट में 6-3 से जीत हासिल कर अगले दौर में जगह बनाई।

24 साल की पोलैंड की इस खिलाड़ी ने अपने करियर में अब तक छह ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं, जिनमें चार फ्रेंच ओपन और एक US ओपन शामिल है।

न्य मैचों में चौथी वरीयता प्राप्त मिर्रा एंड्रीवा ने भी शानदार खेल दिखाया और चीनी खिलाड़ी झू लिन को 6-2, 6-2 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। इसके अलावा, अमेरिका की एम्मा नवारो ने एलेना-गैब्रिएल रूसे को 6-3, 7-6 (0) से मात दी।

पुरुष टूर्नामेंट में भी रोमांच- चाइना ओपन के साथ-साथ बीजिंग में ATP 500 पुरुष टूर्नामेंट भी चल रहा है। इसमें दुनिया के टॉप खिलाड़ी जैनिक सिनर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए फ्रांस के टेरेंस एटमाने से भिड़ेंगे। उन्होंने पहले दौर में क्रोएशिया के अनुभवी खिलाड़ी मारिन सिलिच को केवल चार गेम खोकर हराया था। सिनर तीन हफ्ते पहले US ओपन के फाइनल में कार्लोस अल्काराज से हार गए थे।

4 फैक्टर्स तय करेंगे भारत पाकिस्तान फाइनल का रिजल्ट

भारत के ओपनर्स और पाकिस्तान के पेस गेंदबाज हो सकते हैं गेम चेंजर्स

एजेंसी

मुबई। भारत और पाकिस्तान 41 साल में पहली बार एशिया कप के फाइनल में आमने-सामने होने जा रहे हैं। ग्रुप और सुपर-4 स्टेज में टीम इंडिया ने एकतरफा अंदाज में पाकिस्तान को हराया था। दोनों मैच दुबई में खेले गए, अब फाइनल भी दुबई में ही रविवार को होगा।

फॉर्म और रिदम के लिहाज से टीम इंडिया इस समय पाकिस्तान से काफी आगे नजर आ रही है। हालांकि, पाकिस्तान की टीम में भी उत्साह और विश्वास की कमी नहीं होगी। भारत से दो मैच हारने के बावजूद पाकिस्तान ने अच्छी वापसी की और बांग्लादेश और श्रीलंका को हराकर फाइनल का टिकट हासिल कर लिया है।

तो फाइनल में किस टीम का पलड़ा भारी रह सकता है। यह जानने के लिए हमने टूर्नामेंट में अब तक हुए मैचों को एनालाइज किया। इस एनालिसिस में चार ऐसे फैक्टर्स सामने आए जो फाइनल मैच का नतीजा तय कर सकते हैं।

दुबई में पिच की निर्णायक भूमिका रही है।। यहां 2018 से दुनिया की टॉप-8 टीमों के बीच 20 टी-20 मैच हुए हैं। इनमें से 15 बार चेज करने वाली टीम जीती है। कप्तानों की सोच साफ होती थी कि टॉस जीतो, बॉलिंग चुनो और मैच जीतो। लेकिन पिछले तीन में से दो मैचों में पहले बैटिंग करने वाली टीम मुकाबला जीतने में सफल रही और एक मैच टाई रहा।

फाइनल में कप्तानों के सामने कनफ्यूजन रहेगा कि टॉस जीतकर बैटिंग चुनें या बॉलिंग। तो सबसे पहले यह देखना होगा कि फाइनल की पिच होती कैसी है? पिच इस बार भी बड़ा रोल प्ले करेगी और कप्तान का पहले बैटिंग या फील्डिंग का फैसला भी डिसाइडिंग फैक्टर हो सकता है। आगे देखिए दुबई का ओवरऑल रिकॉर्ड।

भारत की ओपनिंग जोड़ी अपने दम पर पाकिस्तान से मैच छीनने का दम रखती है। अभिषेक शर्मा बेहतरीन फॉर्म में हैं और सुपर-4 स्टेज में लगातार 3 फिफ्टी लगा चुके हैं। वे टूर्नामेंट के टॉप रन स्कोरर हैं और 200 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से रन बना रहे हैं।

BSNL का 4G नेटवर्क लॉन्च : अब भारत के सभी टेलिकॉम ऑपरेटर 4G से लैस, गांव-शहर सभी जगह तेज 4G इंटरनेट मिलेगा

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज (27 सितंबर) BSNL का 4G नेटवर्क लॉन्च किया। BSNL 4G अब देशभर के 98 हजार लोकेशंस पर रोलआउट हो गया है। यह नेटवर्क पूरी तरह से स्वदेशी तकनीक पर तैयार हुआ है।इस सर्विस के लॉन्च होते ही भारत के सभी टेलिकॉम ऑपरेटर 4G से लैस हो गए हैं। जियो, एयरटेल, वोडाफोन-आईडिया (VI) जैसी कंपनियां पहले से ही 4G और 5G नेटवर्क पर हैं।साथ ही, भारत उन चुनिंदा देशों में शामिल हो गया है जो खुद अपने इस्तेमाल के लिए टेलीकॉम कंपोनेंट्स बनाते हैं। यह तकनीक पूरी तरह भारत में बनी है और भविष्य में 5G सेवाओं में अपग्रेड किया जा सकेगा।

बीएसएनएल ने खुद की 4G टेक्नोलॉजी डेवलप की है, जो विदेशी नहीं बल्कि देसी है। इसे 98,000 जगहों पर लगाया जाएगा। मतलब, गांव-शहर सभी जगह तेज 4G इंटरनेट मिलेगा।

5G में आसानी से अपग्रेड हो सकता है ये नेटवर्क

BSNL का ये स्वदेशी 4G स्टैक 5G में आसानी से अपग्रेड हो सकता है। ये क्लाउड-बेस्ड और फ्यूचर-रेडी डिजाइन वाला है। मतलब सॉफ्टवेयर अपडेट से ही 5G पर शिफ्ट हो जाएगा। कोई बड़े हार्डवेयर चेंज की जरूरत नहीं पड़ेगी। टेलीकॉम मिनिस्टर ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी कहा है कि ये सीमलेसली 5G में अपग्रेडेबल है। यानी, 4G लॉन्च के बाद जल्द ही 5G की तैयारी हो जाएगी।

BSNL के कस्टमर लगातार कम हो रहे

टेलिकॉम रेग्युलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया के जुलाई 2025 के आंकड़ों के अनुसार, BSNL और जुलाई में BSNL के 1.01 लाख ग्राहक कम हुए, वहीं MTNL के भी सब्सक्राइबर घटे। अब पब्लिक सेक्टर टेलिकॉम कंपनियों का मार्केट शेयर 8% से भी कम रह गया है। रिपोर्ट के अनुसार, जियो ने जुलाई में सबसे ज्यादा 4.83 लाख नए मोबाइल ग्राहक जोड़े हैं। एयरटेल ने जुलाई में 4.64 लाख नए मोबाइल यूजर्स जोड़े।

बैंकों को 15 दिन में करना होगा क्लेम सेटलमेंट :नहीं तो मृतक के नॉमिनी को मुआवजा देना होगा

एजेंसी

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने क्लेम सेटलमेंट के नियमों को रिवाइज किया है। नए नियमों के मुताबिक बैंकों को अपने मृतक ग्राहक के बैंक अकाउंट या लॉकर के क्लेम को 15 दिन में सेटल करना होगा। अगर, इसमें देरी हुई तो नॉमिनी को मुआवजा देना होगा।

सेंट्रल बैंक के नई गाइडलाइन से बैंकों के अगल-अलग सेटलमेंट का नियम एक हो जाएगा, जिससे कस्टमर्स के क्लेम का निपटारा आसानी से हो सकेगा। RBI ने कस्टमर सर्विस को सुधारने के लिए डॉक्यूमेंटेशन को भी स्टैंडर्डाइज्ड करने का फैसला किया है। नया नियम देश के सभी बैंकों को 31 मार्च 2026 से पहले लागू करना होगा।

RBI ने शुक्रवार, 26 सितंबर को नए नियम जारी किए, जिनके तहत मृतक ग्राहकों के बैंक खाते या लॉकर के क्लेम को 15 दिन में सेटल करना होगा। अगर

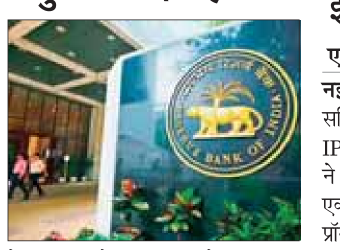

देरी हुई, तो नॉमिनी को मुआवजा मिलेगा।

इनका मकसद बैंकों में अलग-अलग चल रही सेटलमेंट प्रोसेस को एकसमान करना और कस्टमर सर्विस को बेहतर बनाना है। साथ ही, जरूरी दस्तावेजों को स्टैंडर्ड करके प्रक्रिया को आसान बनाना है। यहां लागू होगा- RBI का ये निर्देश देश के सभी कॉमर्शियल बैंकों और कोऑपरेटिव बैंकों पर लागू होंगे। नए नियम मृतक के बैंक खातों, सेफ डिपॉजिट लॉकर और सेफ कस्टडी में रखी चीजों के क्लेम पर लागू होंगे।

टाटा कैपिटल का IPO 6 अक्टूबर को ओपन होगा

इश्यू से 16,400 करोड़ जुटाने का प्लान, IPO में कंपनी टोटल 47 करोड़ शेयर्स

एजेंसी

नई दिल्ली। टाटा ग्रुप की फाइनेंशियल सर्विसेज कंपनी टाटा कैपिटल अपना IPO लाने के लिए तैयारी में है। कंपनी ने 26 सितंबर को सेबी और स्टॉक एक्सचेंज के पास अपना रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (RHP) दाखिल किया है। टाटा कैपिटल इस IPO के जरिए करीब 16,400 करोड़ रुपए (लगभग 1.85 बिलियन डॉलर) जुटाने का प्लान बना रही है। यह 2025 का सबसे बड़ा इश्यू होगा।

इश्यू में कंपनी टोटल 47.58 करोड़ शेयर्स बेचेगी। जिसमें 21 करोड़ नए शेयर (फ्रेश इश्यू) और टाटा सन्स व इंटरनेशनल फाइनेंस कॉरपोरेशन (IFC) जैसे शेयरहोल्डर्स के 26.5 करोड़ शेयरों की बिक्री (ऑफर फॉर सेल) शामिल है। कंपनी का पोस्ट-मनी इक्विटी वैल्यूएशन 16.5 बिलियन डॉलर

(करीब 1.46 लाख करोड़ रुपए) रहने की उम्मीद है।

टाटा कैपिटल का IPO 6 अक्टूबर को ओपन होगा

IPO 6 अक्टूबर 2025 को खुलेगा और 8 अक्टूबर 2025 को बंद होगा। वहीं एंकर निवेशकों के लिए बोली 3 अक्टूबर को होगी। इस इश्यू में देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी LIC भी बड़ा दांव लगाने की तैयारी में है।

कंपनी ने IPO के लिए 4 अगस्त को मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (SEBI) के पास अपडेटेड ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (DRHP) यानी ड्राफ्ट पेपर्स फाइल किए थे।

कंपनी ने 5 महीने पहले IPO के लिए SEBI के पास ड्राफ्ट पेपर्स फाइल किए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, टाटा कैपिटल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड की IPO के लिए सेबी के पास यह प्री-फाइलिंग कॉन्फिडेंशियल थी।

नवंबर 2022 में SEBI ने कॉन्फिडेंशियल प्री-फाइलिंग रूट पेश किया गया था। इसके तहत कंपनियों को अपनी जरूरी बिजनेस डिटेल्स पब्लिक किए बिना अपना DRHP फाइल करने में सहायता मिलती है।

टाटा संस, टाटा कैपिटल की होल्डिंग कंपनी है। इसके पास टाटा कैपिटल में करीब 93% हिस्सेदारी है।

कपिल शर्मा को धमकी देने वाला आरोपी गिरफ्तार

मुंबई क्राइम ब्रांच ने बंगाल से पकड़ा; गोल्डी बरार ग्रुप का मेंबर बताकर 1 करोड़ मांगे थे

हाल ही में कॉमेडियन कपिल शर्मा को मेल के जरिए जान से मारने की धमकी और 1 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी गई थी। मुंबई क्राइम ब्रांच ने धमकी देने वाले शख्स को पश्चिम बंगाल के 24 परगना से गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए शख्स की पहचान दिलीप चौधरी के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, दिलीप चौधरी खुद को गैंगस्टर गोल्डी बरार और रोहित गोदारा गैंग का मेंबर बताकर कपिल शर्मा को मेल भेजकर 1 करोड़ रुपए की फिरौती मांग रहा था। पुलिस ने उसे एस्प्लेनेड कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे 30 सितम्बर तक की पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया है। मुंबई पुलिस फिलहाल आरोपी से पूछताछ कर रही है। साथ ही, यह भी पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि क्या वास्तव में आरोपी का गोल्डी बरार और रोहित गोदारा गैंग से कोई संबंध है।

पहला हमला 10 जुलाई को हुआ : कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत के सरे शहर में स्थित कपिल शर्मा के कैप्स कैफे पर पहला हमला 10 जुलाई को हुआ था। हमलावर ने 10 से 12 राउंड फायरिंग का वीडियो भी बनाया था। इसकी जिम्मेदारी खालिस्तानी आतंकवादी हरजीत सिंह लाड्डी ने ली थी। सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर बताया था कि कॉमेडी शो के दौरान निहंग सिखों के खिलाफ टिप्पणी को लेकर उसने कपिल शर्मा के कैफे पर गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया। कपिल शर्मा को सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की चेतावनी दी थी और कहा कि माफी नहीं मांगी तो मामला और बिगड़ सकता है।

दूसरा हमला 7 अगस्त को हुआ : कपिल शर्मा के कैप्स कैफे पर 7 अगस्त को दूसरी बार फायरिंग की थी। फायरिंग के वक्त कैफे बंद था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कैफे की खिड़कियों में 6 गोली के निशान और टूटा हुआ शीशा दिखाई दिया था। इस फायरिंग की जिम्मेदारी गैंगस्टर लॉरेंस और गोल्डी ढिल्लों ने ली थी। इसको लेकर गोल्डी ढिल्लों ने सोशल मीडिया पर पोस्ट भी डाली थी। इसमें कहा गया था कि आज जो ये कपिल शर्मा के कैप्स कैफे में फायरिंग हुई है, इसकी जिम्मेदारी हम लेते हैं। इसको हमने कॉल की थी। इसको रिंग नहीं सुनाई दी, तो कार्रवाई करनी पड़ी। अब भी रिंग न सुनेगी तो अगली कार्रवाई जल्दी ही मुंबई करेंगे।

फराह ने दीपिका की कथित शिफ्ट डिमांड का मजाक उड़ाया

कहा- वह अब सिर्फ आठ घंटे शूट करती हैं, शो में आने का समय नहीं

फराह खान अपने लेटेस्ट व्लॉग के लिए कुक दिलीप के साथ एक्टर रोहित सराफ के घर पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने इंडस्ट्री में दीपिका पादुकोण की कथित आठ घंटे की शिफ्ट की मांग को लेकर मजाक उड़ाया। व्लॉग में जब दिलीप ने पूछा कि दीपिका कब उनके शो में आएंगी, तो फराह ने मजाक में कहा, ‘जिस दिन तू गांव चला जाएगा, उस दिन शो में आएंगी।’ उन्होंने आगे कहा, ‘दीपिका अब सिर्फ आठ घंटे शूट करती हैं, इसलिए उनके पास शो में आने का समय नहीं है। दिलीप ने तुरंत जवाब दिया, अब से मैं भी शो के लिए दिन में आठ घंटे शूट करूंगा। फराह ने कहा, ‘तुम अभी केवल दो घंटे शूट करते हो, अब से तुम भी आठ घंटे शूट करोगे। बता दें कि एक्ट्रेस दीपिका संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म 'स्पिरिट' से बाहर हुई थीं। कथित तौर से दीपिका की तरफ से आठ घंटे की शिफ्ट, मोटी फीस, प्रॉफिट में हिस्सा और तेलुगु में डायलॉग न बोलने जैसी डिमांड शामिल थी। दीपिका 2024 के सितंबर में मां बनी हैं इसलिए वो कथित तौर से हफ्ते में बस 5 दिन आठ घंटे की शिफ्ट चाहती थीं। एक्ट्रेस की इन सारी मांगों से संदीप खुश नहीं थे। जिसके बाद उनको फिल्म से बाहर किया गया था। हाल ही में फराह खान ने उस वायरल वीडियो को लेकर रिएक्ट किया था, जिसमें सोशल मीडिया पर उन्हें और करण जौहर को आयुष शर्मा को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया गया था। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इसमें दिख रहा था कि फराह और करण आयुष के पास से गुजर रहे थे। कुछ यूजर्स का कहना था कि फराह ने आयुष को नजरअंदाज किया। जिस पर फराह खान ने कहा, ‘कृपया बकवास लिखना बंद करें। मैं कभी किसी को नजरअंदाज नहीं कर सकती, खासकर आयुष को नहीं। मैंने उनके और अर्पिता के साथ व्लॉग शूट किया है। बस जल्दी में उन्हें नहीं देखा। इसे खराब दिखाने के लिए इसे (वीडियो) स्लो मोशन में बनाया गया।

पैसों के लिए सैफ ने प्रोड्यूसर को किया था किस:एक्टर बोले- महिला प्रोड्यूसर ने रखी थी डिमांड, हर हफ्ते मिलते थे एक हजार रुपए

एक्टर सैफ अली खान फिल्मी बैकग्राउंड से होने के बाद भी करियर के शुरुआत में अच्छा नहीं कर पाए थे। शुरुआत में उन्हें अपनी एक्टिंग, लुक सबकी वजह से आलोचना झेलनी पड़ी थी। सैफ अपने करियर के दूसरी पारी में बतौर एक्टर निखरकर के सामने आए और आज उनकी गिनती बेहतरीन एक्टर्स में होती है। अपने एक हालिया इंटरव्यू में सैफ ने बताया है कि कैसे करियर के शुरुआत में उन्होंने पैसों की तंगी देखी थी। एस्क्वायर इंडिया के साथ बातचीत में एक्टर ने स्ट्रगल के दिनों को याद करते हुए बताया कि महज 21 साल की उम्र में अमृता सिंह से शादी और 25 साल की उम्र में पिता बनने की वजह से उनकी जिम्मेदारियां बढ़ गई थी। उस वक्त एक प्रोड्यूसर ने उन्हें हर हफ्ते एक हजार देने के बदले अजीब सी डिमांड रखी थी। सैफ ने कहा- 'मुझे हर हफ्ते एक हजार रुपए मिलते थे। एक प्रोड्यूसर ने मेरे सामने ये डिमांड रखी थी कि मुझे उनके गाल पर दिन में 10 बार किस करना है। मैं जितनी बार ये करता था, मुझे पैसा मिलता था। लोग मुझे ये कहते थे कि मैं कितना लकी हूं कि मुझे कई चांस मिल रहे हैं, लेकिन ऐसा नहीं था कि मुझे बेस्ट फिल्में मिल रही हैं या मैं मेन लीड किरदार निभा रहा हूं। मैं हर फिल्म में सेकंड या थर्ड लीड था। लेकिन फिर एक समय ऐसा आया जब एक के बाद एक फिल्में बहुत बुरी होती गईं।'

इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स नॉमिनेशन मिलने पर बोले इम्तियाज अली

'गर्व है कि भारत को उस मंच पर ला पाए, जहां इतने सारे अंतरराष्ट्रीय दिग्गज खड़े हैं'

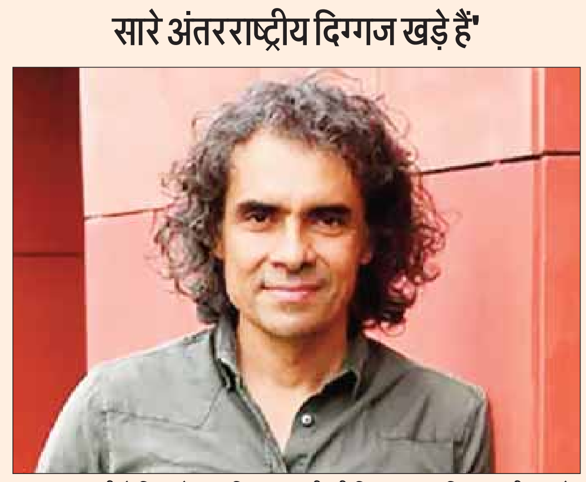

हाल ही में फिल्ममेकर इम्तियाज अली की फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' को इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड के दो कैटेगरी को लिए नॉमिनेशन मिला है। दिवंगत पंजाबी संगीतकार अमर सिंह चमकीला के जीवन पर आधारित इस फिल्म को बेस्ट मिनी-सीरीज और फिल्म के लीड हीरो दिलजीत दोसांझ को बेस्ट एक्टर कैटेगरी में नॉमिनेट किया गया है। इस पर अब इम्तियाज ने अपना रिएक्शन दिया है। एक चैनल में बात करते हुए अली ने कहा कि उन्हें गर्व है कि साल 2024 में नेटफ्लिक्स पर आई इस फिल्म को क्रिटिक्स की प्रशंसा मिली और उसने भारत को अंतरराष्ट्रीय दिग्गजों के साथ खड़ा कर दिया है। इम्तियाज ने कहा- 'हम अभी डिनर से वापस आए ही थे कि हमें यह खबर मिली। यह एक आशीर्वाद की तरह है, जो चमकीला की कहानी के माध्यम से हमारे पास आई है। मुझे बहुत खुशी है कि इस फिल्म को आवाज मिल रही है और इसे देखा जा रहा है। हमें बहुत गर्व है कि हम भारत को उस मंच पर ला पाए, जहां इतने सारे अंतरराष्ट्रीय दिग्गज खड़े हैं।' ‘जब वी मेट’, ‘लव आज कल’, ‘हाईवे’ और ‘तमाशा’ जैसी मॉर्डन रिश्तों पर आधारित फिल्मों के लिए मशहूर इम्तियाज ने कहा कि ‘चमकीला’ को मिली मान्यता इस बात की याद दिलाती है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने के लिए ‘बहुत ही स्थानीय फिल्म’ बनानी होगी। उन्होंने कहा- 'आपको ऐसी भाषा में बात करने की कोशिश नहीं करनी चाहिए जो इंटरनेशनल हो, क्योंकि ऐसी कोई भाषा नहीं है। आपको सिनेमा के संदर्भ में अपनी मूल भाषा में बात करनी चाहिए।' उन्होंने आगे कहा- 'यह एक बड़ी सीख है और यह बहुत अच्छा लगता है कि यह फिल्म पंजाब पर आधारित है और पंजाब के लोगों से मिले प्यार के कारण ही इसे बनाया गया है।' इम्तियाज ने फिल्म में चमकीला का रोल निभा रहे एक्टर सिंगर दिलजीत दोसांझ की भी तारीफ की। दिलजीत की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने अपने प्रदर्शन के माध्यम से चमकीला के किरदार को पकड़ा और एक बेहद लोकप्रिय गायक के रूप में अपनी छवि को दरकिनार कर दिया, जो खचाखच भरे स्टेडियम में परफॉर्म करते हैं।

एक नजर

अयोध्या मण्डल के आईजी, डीएम व एसपी ने शहर में किया फ्लैग मार्च

सुलतानपुर। दुर्गा पूजा महोत्सव, दशहरा, महानवमी, रामलीला, भरत मिलाप, मूर्ति विसर्जन और रथ यात्रा के मद्देनज़र नगर क्षेत्र में शनिवार को पुलिस महानिरीक्षक अयोध्या मण्डल प्रवीन कुमार, जिलाधिकारी कुमार हर्ष और पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह ने संयुक्त रूप से फ्लैग मार्च निकाला। फ्लैग मार्च शाहगंज चौकी, नेशनल टाकीज, पंचरास्ता, ठठेरी बाजार, चौक घंटा घर, हनुमानगढ़ी सहित नगर के प्रमुख मार्गों पर निकाला गया। इस दौरान अधिकारियों ने कानून-व्यवस्था की स्थिति का जायजा लिया और जनपदवासियों से शांति बनाए रखने की अपील की। फ्लैग मार्च में अपर पुलिस अधीक्षक अखण्ड प्रताप सिंह, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष प्रवीन कुमार अग्रवाल, एसडीएम सदर, पुलिस क्षेत्राधिकारी नगर, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर सहित भारी पुलिस बल शामिल रहा। प्रशासन ने साफ कहा कि त्योहारों पर किसी भी प्रकार की अफवाह या शांति भंग करने की कोशिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी और जनपद में अमन-चैन कायम रखना सभी की जिम्मेदारी है।

मिशन शक्ति के तहत थाने में छात्राओं को दी गई अहम जानकारी

मोतिगरपुर-सुलतानपुर। मिशन शक्ति के तहत कैथाना उच्च प्राथमिक विद्यालय की छात्राएं थाने पर पहुंचकर जरूरी जानकारियां लीं। शनिवार को थाने पर कैथाना उच्च प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक नरेंद्र प्रताप वर्मा, ज्ञानेंद्र सिंह व विद्यालय में मिशन शक्ति का दायित्व संभालने वाली शिक्षक आरती देवी छात्रा प्रतिज्ञा सिंह, पलक सिंह, महक कनौजिया, यशी यादव, काजल, सृष्टि, अंशु, आयशा को लेकर थाने पर पहुंची तो थाने पर मौजूद नायब तहसीलदार रुबी यादव, वरिष्ठ उपनिरीक्षक विनोद मिश्र, श्रीराम मिश्र, अशोक कुमार वर्मा ने छात्राओं को 1090, 181, 112, 1098 जैसे हेल्पलाइन नंबर हमेशा मदद के लिए उपलब्ध हैं बताया गया। साथ ही बच्चियों को आत्मविश्वास के साथ जीवन जीने और शिक्षा के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया गया।

तालाब बनी सड़क ,अनदेखी पर बढ़ रहा आक्रोश

बल्दीराय - सुलतानपुर। बल्दीराय तहसील क्षेत्र अंतर्गत रसूलपुर-सादुल्लापुर मार्ग से जुड़ी सफलेपुर-दौनों मार्ग की हालत बद से बदतर हो चुकी है।सड़क जगह-जगह तालाब में तब्दील हो गई है, जिससे रोजाना राहगीर गिरकर चोटिल हो रहे हैं।लेकिन विभागीय अधिकारी इस समस्या से अंजान बने बैठे हैं।ग्राम सफलेपुर निवासी अधिवक्ता अनिल कुमार यादव ने जिलाधिकारी से सड़क का तत्काल मरम्मतीकरण कराए जाने की मांग की है। उनका कहना है कि मंडी समिति ने वर्ष 2024-25 की कार्ययोजना में इस मार्ग को प्रस्तावित किया था।शिकायत के बाद विभाग ने पत्रांक संख्या 24/503 में रिपोर्ट लगाकर सड़क को कार्ययोजना में तो दिखा दिया,लेकिन जमीनी स्तर पर आज तक कोई काम शुरू नहीं हुआ।ग्रामीणों का कहना है कि यह मार्ग कुड़वार-हलियापुर मेन रोड से जुड़ता है और सफलेपुर, दौनों समेत कई गांवों को जोड़ता है। रोजाना सैकड़ों लोग इसी रास्ते से आवाजाही करते हैं,लेकिन जिम्मेदार अधिकारी सिर्फ कागजों में खानापूरी कर रहे हैं। अनिल यादव ने बताया कि वर्ष 2017-18 में इस मार्ग की मरम्मत कराई गई थी, तब से अब तक विभाग ने सुध तक नहीं ली। शिकायत समाधान दिवस में भी प्रार्थना पत्र दिया गया, लेकिन वहां भी पुरानी आख्या लगाकर मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया गया।ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से मांग की है कि तालाब बनी सड़क का तत्काल मरम्मतीकरण कराया जाए, अन्यथा बड़े आंदोलन की चेतावनी भी दी है।

मिशन शक्ति के तहत छात्राओं को किया गया जागरूक

जयसिंहपुर-सुलतानपुर। मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत शनिवार को इंटर कॉलेज नटौली में पुलिस ने छात्राओं को विषम परिस्थितियों से उबरने को लेकर जागरूक किया गया। क्राइम इंस्पेक्टर अखिलेश सिंह ने कहा कि छात्राओं को पढ़ाई के साथ-साथ अपने अधिकारों व सुरक्षा के प्रति सजग रहना चाहिए। उन्होंने छात्राओं से निडर होकर आगे बढ़ने और समाज में सशक्त भूमिका निभाने का आह्वान किया। इस दौरान हेड कांस्टेबल ऊषा सोनी ने महिला सुरक्षा, आत्मरक्षा के तरीके तथा साइबर अपराध से बचाव संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां छात्राओं को दीं। उन्होंने महिला हेल्पलाइन सहित आपातकालीन नंबरों की जानकारी भी साझा की। पुलिस ने छात्राओं में जरूरी नंबरों का पंपलेट भी वितरित किया। कार्यक्रम में कॉलेज के प्रधानाचार्य विवेक कुमार उपाध्याय, महिला कांस्टेबल सुनीता पटेल, बड़े बाबू सतेंद्र तिवारी, अध्यापक नूरुश्बा, संगम लाल पांडे, राकेश विश्वकर्मा, सदाशिव वर्मा व शिवेंद्र तिवारी समेत सैकड़ों छात्राएं मौजूद रहीं।

विजय यादव बने पीडीए के जिलाध्यक्ष नेताओं-कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

विश्ववार्ता संवाददाता

सुलतानपुर। नगरपालिका परिषद कर्मचारी संघ के पूर्व जिला महामंत्री एवं प्रदेश उपाध्यक्ष मजदूर संघ विजय यादव को शनिवार को गैर राजनीतिक संगठन पीपुल्स डेमोक्रेटिक एलायंस का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया। उनके इस मनोनयन की खबर मिलते ही कार्यकर्ताओं और शुभचिंतकों में खुशी की लहर दौड़ गई।

इस मौके पर सपा अधिवक्ता सभा प्रदेश सचिव अशोक सिंह बिसेन एडवोकेट व कांग्रेस सेवा दल के प्रदेश सचिव दिनेश मिश्रा वैद्यनाथ एजेंसी के नेतृत्व में डाकखाना पर विजय यादव का माल्यार्पण कर व मिठाई खिलाकर जोरदार स्वागत किया गया। स्वागत करने वालों में पवन यादव, राकेश पाठक, शारदा प्रसाद, विपिन शर्मा, शकील अहमद, सुरेश गौतम, अमरीशकांत गौतम समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। सभी ने पीडीए के प्रदेश अध्यक्ष अशोक यादव के प्रति आभार व्यक्त किया।

वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य अशोक सिंह बिसेन ने कहा कि विजय यादव का जिलाध्यक्ष बनना संगठन के लिए मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व में सरकार की भय-भूख-भ्रष्टाचार की नीतियों के खिलाफ आवाज बुलंद होगी। बिजली कटौती, स्वास्थ्य विभाग की अनियमितता, किसानों व व्यापारियों की समस्याओं को लेकर पीडीए चौपाल के माध्यम से जनजागरण अभियान चलाया जाएगा। नेताओं ने विश्वास जताया कि विजय यादव का अनुभव और संघर्षशील छवि संगठन को नई ऊर्जा प्रदान करेगी और जनता की आवाज को मजबूती से उठाया जाएगा।

जीएसटी राहत पर आभार, विधायक बोले- दीपावली से पहले बड़ा उपहार

विश्ववार्ता संवाददाता

सुलतानपुर। सदर विधानसभा क्षेत्र के विधायक राजप्रसाद उपाध्याय 'राजबाबू' ने शनिवार को कालीगंज बाजार में दुकानदारों और व्यापारियों से मुलाकात कर संवाद किया। इस दौरान व्यापारियों ने जीएसटी बचत उत्सव को उपभोक्ताओं और कारोबारियों के लिए बड़ी राहत बताया।

व्यापारियों ने कहा कि रोज़मर्रा की ज़रूरी वस्तुओं पर जीएसटी घटने से आम जनता को सीधी राहत मिली है और बाज़ार में नई ऊर्जा का संचार हुआ है। छोटे दुकानदारों के लिए कारोबार अब और सरल व सुगम हो गया है। विधायक राजबाबू ने कहा कि व्यापारी वर्ग समाज और अर्थव्यवस्था की मज़बूत रीढ़ है। उनका सम्मान और सुरक्षा ही क्षेत्र की तरक्की तथा आत्मनिर्भर भारत की दिशा में सबसे अहम कदम है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और उत्तर प्रदेश सरकार की नीतियों की सराहना करते हुए कहा कि इससे व्यापार जगत में भरोसा और आत्मविश्वास दोनों बढ़ा है।

राजबाबू ने कहा कि दीपावली से पहले जीएसटी में मिली राहत जनता के लिए बड़ा तोहफा है। यह कदम छोटे दुकानदारों और आम उपभोक्ताओं दोनों को मजबूती देगा।

लड़कियों पर फब्तियां कसना पड़ा भारी, एफआइआर दर्ज

जयसिंहपुर, सुलतानपुर। गोसाईगंज पुलिस ने सड़क से गुजर रही लड़कियों को देखकर अश्लील हरकत और फब्तियां कसने वाले युवक को दबोच लिया। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध एफआइआर दर्ज किया है।

उपनिरीक्षक सुरेश चंद्र और हेड कांस्टेबल विकास त्रिपाठी गोसाईगंज कस्बे के गौसाबाद में मौजूद थे। इस बीच सूचना मिली कि इंटर कालेज के सामने स्थित मछली मंडी के पास एक युवक आने-जाने वाली लड़कियों को देखकर अश्लील हरकत और फब्तियां कस रहा है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कोतवाली नगर हथियानाला निवासी रिंकू निषाद को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस आरोपी को पकड़कर थाने लाई। आरोपी के खिलाफ 296 बी.एन.एस. की धारा में मुकदमा पंजीकृत किया गया है। उपनिरीक्षक सुरेश चंद्र ने बताया कड़ी चेतावनी देकर आरोपी को मुचलके पर छोड़ दिया गया है।

फैमिली क्लिनिक का शुभारंभ, मिलेगी बेहतर स्वास्थ्य सुविधा

विश्ववार्ता संवाददाता

बल्दीराय - सुलतानपुर। बल्दीराय तहसील क्षेत्र के हलियापुर-सुल्तानपुर रोड स्थित पूरे नजर हुसैन मौहरिया के पास शनिवार को फैमिली क्लिनिक का भव्य उद्घाटन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चकबंदी विभाग के डीसीसी धनराज यादव और पूर्व प्रधानाध्यापक राम ललन यादव ने संयुक्त रूप से फीता काटकर क्लिनिक का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर महिला चिकित्सक डॉ. सृष्टि यादव (एमबीबीएस, आरआरटीसी, केजीएमयू लखनऊ) ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना उनका उद्देश्य है। वहीं, डॉ. राम अनुज यादव (एमबीबीएस) ने बताया कि ग्रामीण इलाकों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के अभाव को दूर करने के लिए इस अस्पताल की स्थापना की गई है, ताकि लोगों को इलाज के लिए दूर न जाना पड़े।

विशिष्ट अतिथि पत्रकार गोविंद मौर्य ने कहा कि क्लिनिक की स्थापना से ग्रामीणों को काफी लाभ मिलेगा और स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता आसान होगी। उद्घाटन समारोह में वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. समीम खान, शिवकुमार यादव, जिला पंचायत सदस्य बद्री प्रसाद यादव, रविंद्र यादव, केदारनाथ यादव, नंदकुमार, रामदेव, संदीप यादव, सागर नाथ बौद्ध, अरुण कुमार, विजय कुमार यादव, अवधेश कुमार, अरविंद यादव समेत बड़ी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद रहे।

मिशन शक्ति 5.0 : छात्रों को महिला सुरक्षा से जुड़ी सरकारी योजनाओं की दी गयी जानकारी

सुलतानपुर। मिशन शक्ति 5.0 के तहत शनिवार को बल्दीराय थाना परिसर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जूनियर हाई स्कूल बल्दीराय की सैकड़ों छात्राएं शामिल हुईं। थानाध्यक्ष नारद मुनि सिंह ने छात्राओं को पुलिस के अधिकारों और जिम्मेदारियों के साथ-साथ महिला सुरक्षा से जुड़ी सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने छात्राओं को हेल्पलाइन नंबर 1090, 1076, 1930, 102, 108, 1098, 181 और 112 के महत्व और उनके उपयोग की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ऐसे नंबरों की जानकारी से छात्राएं किसी भी आपात स्थिति में तुरंत मदद प्राप्त कर सकती हैं। मिशन शक्ति अभियान का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को सशक्त बनाना और उनमें आत्मविश्वास पैदा करना है। कार्यक्रम में मौजूद छात्राओं ने इस पहल को सराहनीय बताते हुए कहा कि इससे उन्हें सुरक्षा संबंधी जानकारी आसानी से मिल रही है और जरूरत पड़ने पर वे निर्भीक होकर मदद ले सकती हैं। इस मौके पर अध्यापक संदीप पांडे, जितेंद्र कुमार, विनोद कुमार यादव आदि मौजूद रहे।

गांजे की अवैध तस्करी करने वाले दो आरोपी गिफ्तार

विश्ववार्ता संवाददाता

जयसिंहपुर-सुलतानपुर। वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस में दो बाइक सवार संदिग्ध युवकों को पकड़ लिया। तलाशी में उनके पास से अवैध गांजा बरामद हुआ। एफआइआर दर्ज कर आरोपितों को जेल भेजने की कार्रवाई की गई है।

भरतीपुर नहर पुलिया के पास शनिवार करीब साढ़े ग्यारह बजे द्वारिकागंज चौकी इंचार्ज द्विवेश त्रिवेदी, भटमई चौकी इंचार्ज संजय प्रसाद, उपनिरीक्षक इनामुल हक, हेड कांस्टेबल अयूब खान, पप्पू कुमार व राहुल चौधरी वाहन चेकिंग कर रहे थे। इस दौरान सुदनापुर की ओर से दो युवक बाइक पर आते दिखाई दिए। पुलिस ने रुकने का इशारा किया तो वह बाइक मोड़कर भागने लगे। इस बीच बाइक बंद पड़ गई, पुलिस ने दौड़ाकर उन्हें पकड़ लिया। पकड़े गए आरोपितों की पहचान संजीत कुमार उर्फ अंकल निवासी खजुरहट बीकापुर, अयोध्या और छंगू नटौली खुर्द गोसाईगंज सुलतानपुर के रूप में हुई है। पूछताछ में दोनों ने कहा कि वे जीवनयापन के लिए गांजा बेचते हैं। थानाध्यक्ष राम आशीष उपाध्याय ने बताया कि आरोपियों के पास से 2 किलो 200 ग्राम गांजा बरामद हुआ है। बाइक को कब्जे में लेकर संबंधित धारा में एफआइआर दर्ज कर आरोपितों को जेल भेजने की कार्रवाई की गई है।

बार चुनाव को लेकर अध्यक्ष व सचिव पद पर तीन-तीन दावेदार

विश्ववार्ता संवाददाता

जयसिंहपुर-सुलतानपुर। तहसील बार एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव को लेकर सरगर्मियां तेज हो गई हैं। अध्यक्ष व महासचिव पदों पर इस बार त्रिकोणीय मुकाबला होने जा रहा है। वहीं वरिष्ठ उपाध्यक्ष समेत अन्य सभी पदों पर निर्विरोध निर्वाचन तय हो चुका है। चार अक्तूबर को मतदान होगा और छह अक्तूबर को मतगणना के बाद परिणाम घोषित किए जाएंगे।

शनिवार को नामांकन पत्रों की जांच पूरी की गई। अध्यक्ष पद पर ओम प्रकाश शुक्ल, बब्बन प्रसाद मिश्र और रवि शंकर मिश्र के नामांकन पत्र वैध पाए गए। इसी तरह महासचिव पद के लिए प्रदीप कुमार शुक्ल, वीरेंद्र प्रकाश वर्मा और प्रेम शंकर पांडेय के नाम शामिल हैं। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर रविंद्र प्रताप सिंह, कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर विवेक श्रीवास्तव और कोषाध्यक्ष पद पर श्रीनाथ वर्मा निर्विरोध निर्वाचित हो गए हैं।

इनके अलावा सह सचिव (प्रशासन), कल्याण निधि, पुस्तकालय प्रभारी, वरिष्ठ व कनिष्ठ कार्यकारिणी समेत अन्य सभी पदों पर भी निर्विरोध निर्वाचन सुनिश्चित हो गया है। अध्यक्ष और महासचिव पदों के लिए मतदान चार अक्तूबर को बार सभागार में कराया जाएगा। मतदान प्रक्रिया एल्डर कमेटी व चुनाव समिति की देखरेख में संपन्न होगी। मतगणना छह अक्तूबर को की जाएगी। नामांकन पत्रों की जांच के दौरान बार एसोसिएशन के अध्यक्ष विजय शंकर शुक्ल, सचिव अमित कुमार शुक्ल, एल्डर कमेटी के चेयरमैन राधेश्याम त्रिपाठी, प्रशासनिक सचिव संतोष मिश्र समेत चुनाव समिति के सदस्य मौजूद रहे।

तहसील गेट का सौंदर्यीकरण कार्य हुआ पूर्ण, विधायक द्वय ने किया उद्घाटन

विश्ववार्ता संवाददाता

कादीपुर-सुलतानपुर। तहसील कादीपुर के मुख्य द्वार का सौन्दर्यीकरण कार्य पूरा हो गया है। शनिवार को आयोजित भव्य समारोह में सदर विधायक राज प्रसाद उपाध्याय एवं कादीपुर विधायक राजेश गौतम ने संयुक्त रूप से फीता काटकर सौन्दर्यीकृत गेट का उद्घाटन किया।

उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता बार एसोसिएशन अध्यक्ष बद्री प्रसाद सिंह ने की। इस अवसर पर विधायक सदर राज प्रसाद उपाध्याय ने कहा कि कादीपुर हमारी गृह तहसील है, इसकी दिव्यता और भव्यता हमेशा बनी रहे, यही हमारी प्राथमिकता है। हम लगातार इस दिशा में प्रयास करते रहेंगे।

वहीं कादीपुर विधायक राजेश गौतम ने कहा कि तहसील गेट का सौंदर्यीकरण लाखों रुपये की लागत से कराया गया है, जो सराहनीय कार्य है। उन्होंने कहा कि 1882 ई. में स्थापित यह तहसील जनपद की सबसे पुरानी तहसीलों में से एक है और इसके विकास के लिए हम सभी हर स्तर पर सहयोग देने को तैयार हैं। समारोह में नगर पंचायत अध्यक्ष आनंद जायसवाल, उपजिलाधिकारी उत्तम कुमार तिवारी, पुलिस उपाधीक्षक विनय गौतम, सचिव मंगला प्रसाद तिवारी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष आनंद द्विवेदी, विजय बहादुर सिंह, जयशंकर तिवारी, विजय शंकर पाण्डेय, राजा रमेश सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष भूपेंद्र पाठक, अरविन्द श्रीवास्तव, दुर्गा प्रसाद सिंह सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। गेट के भव्य सौन्दर्यीकरण से तहसील परिसर की गरिमा और ऐतिहासिक पहचान और भी प्रखर हो गई है।

गोमती नदी में कूदी किशोरी दूसरे दिन मिला शव

कादीपुर-सुलतानपुर। कस्बे के जवाहर नगर मोहल्ले की 15 वर्षीय किशोरी ने शुक्रवार की शाम देवाढ़ घाट स्थित पुल से गोमती नदी में छलांग लगा दी। सूचना मिलते ही कोतवाली प्रभारी निरीक्षक श्याम सुंदर पुलिस टीम व गोताखोरों के साथ मौके पर पहुंचे और देर शाम तक तलाश चलती रही, मगर सफलता हाथ नहीं लगी।

शनिवार को गुदरा घाट के पास नदी में एक शव दिखाई दिया। स्थानीय लोगों ने शव को किनारे लाकर देखा तो उसकी पहचान बिल्किस (15) पुत्री बबलू निवासी जवाहर नगर के रूप में हुई। जानकारी के बाद परिजन मौके पर पहुंचे तो कोहराम मच गया। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

किशोरी के नदी में कूदने का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस मामले की तह तक पहुंचने के लिए जांच कर रही है।

पशु आरोग्य शिविर में 443 पशुओं का हुआ उपचार, ब्लॉक प्रमुख ने किया शुभारंभ

विश्ववार्ता संवाददाता

सुलतानपुर। बल्दीराय विकास खंड क्षेत्र के जगदीशपुर में शनिवार को पं. दीनदयाल उपाध्याय एक दिवसीय विकास खंड स्तरीय पशु आरोग्य शिविर/मेले का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख शिवकुमार सिंह ने फीता काटकर किया।

शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे। पशुओं की स्वास्थ्य जांच और उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई गई। प्रभारी पशु चिकित्सा अधिकारी बल्दीराय डॉ. राहुल गुप्ता ने बताया कि शिविर में कुल 443 पशुओं का इलाज किया गया। साथ ही ग्रामीणों को पशुपालन संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी भी दी गई। शिविर में जिला पंचायत सदस्य बद्रीनाथ यादव,प्रधान जगदीशपुर राम मनोरथ वर्मा, बीडीसी सदस्य हरिकृष्ण शुक्ल, वीरेंद्र मिश्र, रामबलि बाबा, रामकिशोर मिश्रा, रामतीरथ यादव, अशोक यादव, सर्वेश तिवारी, प्रधान प्रतिनिधि बृजेंद्र तिवारी बहादुर सहित कई सम्मानित ग्रामीण मौजूद रहे।

इस मौके पर पशु धन प्रसार अधिकारी सुशील यादव, रोहित सिंह, पेरा बेट पवन कुमार, बाल किशन, मनीराम, विनोद व नरेंद्र सहित अन्य कार्मिकों ने सेवाएं दीं। ग्रामीणों ने शिविर की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन पशुपालकों के लिए बेहद उपयोगी साबित होते हैं।

जनसुनवाई भारतीय जनता पार्टी की नई पहल, हर दिन पदाधिकारी करेंगे जनसुनवाई

किसी भी पीड़ित को निराश नहीं होने देंगे : सुशील त्रिपाठी

» जनसुनवाई के लिए तीन-तीन पदाधिकारी बनाए गए दिवस प्रभारी

विश्ववार्ता संवाददाता

सुलतानपुर। बीजेपी ने नई पहल की शुरुआत की है। अब बीजेपी जिला पदाधिकारी भाजपा जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी की अगुवाई में जिला मुख्यालय पर जनसुनवाई करेंगे। इसके लिए पयागीपुर स्थित जिला मुख्यालय में हर दिन दोपहर 11 बजे से तीन बजे तक जनसुनवाई कार्यक्रम की शुरुआत की गई है। इसके लिए जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी ने तीन - तीन पदाधिकारियों को दिवस प्रभारी बनाया है।

मीडिया प्रभारी विजय रघुवंशी ने बताया कि सोमवार को जिला उपाध्यक्ष अनीता पाण्डेय, विजय प्रताप त्रिपाठी व राजेश सिंह,मंगलवार सुनील वर्मा,धर्मेन्द्र कुमार व नरेन्द्र सिंह, बुधवार घनश्याम चौहान, प्रदीप शुक्ला व राजित राम, गुरुवार आनन्द द्विवेदी, संदीप सिंह, जगदीश चौरसिया शुक्रवार संजय त्रिलोकचंदी, मनोज मौर्या व पूजा कसौधन जन सुनवाई करेंगे।इसी क्रम में

शनिवार को दिवस प्रभारी के रूप में जिला उपाध्यक्ष ज्ञान जायसवाल, जिला मीडिया प्रमुख विजय रघुवंशी, जिला मंत्री आशीष सिंह रानू व रविवार को डॉ प्रीति प्रकाश,विवेक सिंह व अशोक सिंह जनसुनवाई करेंगे।जिलाध्यक्ष ने कहा बीजेपी की यह पहल लोगों को अपनी समस्याएं सीधे पार्टी के सामने रखने का मंच प्रदान करती है।उन्होंने कहा किसी भी पीड़ित को निराश नहीं होने देंगे. सभी समस्याओं का निस्तारण जनप्रतिनिधियों व प्रशासन से वार्ता कर कराया जाएगा. शनिवार को भाजपा जिलाध्यक्ष के साथ दिवस प्रभारी के रूप में जिला मीडिया प्रमुख विजय रघुवंशी व आशीष सिंह रानू मौजूद रहे।

इस दौरान लोगों की बिजली, पुलिस, सड़क आदि से जुड़ी समस्याओं के निदान के लिए संबंधित विभाग के अधिकारियों से वार्ता कर समस्या को तत्काल निस्तारित करने के लिए कहा गया।इस दौरान विजय त्रिपाठी, सुनील वर्मा, मनोज श्रीवास्तव, आकाश जायसवाल व अतुल सिंह आदि मौजूद रहे।

नई तकनीक से खेती के लिए किसान हुए जागरूक

» उपज बढ़ाने के लिये खाद व रासायनिक दवाओं के इस्तेमाल पर चर्चा

विश्ववार्ता संवाददाता

दूबेपुर - सुलतानपुर। साधन सहकारी समिति बंधुआ कला पर किसान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। समिति अंगीकरण के नाम से आयोजित कार्यक्रम मे कृभको

द्वारा नई तकनीक से खेती खाद व बीज के इस्तेमाल की जानकारी दी गई। समिति के अंतर्गत मिलने वाली सुविधाओं के बारे में भी बताया

मौजूद सैकड़ो किसानों को कृभको के प्रबंधक द्वारा कंपनी के रासायनिक खाद बीज व पेस्टिसाइड उत्पादों के बारे में जानकारी दी गई। रबी, खरीफ व जायद फसलों के लिए कितनी खाद बीज व दवा डालनी चाहिए के इस्तेमाल की जानकारी से भी किसान रूबरू हुए। मुख्य अतिथि एआर कोऑपरेटिव अंजनी कुमार ने बताया कि किसान बड़ी मात्रा में

कृभको के उत्पादों का इस्तेमाल कर रहे हैं, इससे उपज में बढ़ोतरी हुई है। विभाग भी किसानों की हर तरह मदद करने के लिए अग्रसर है। समिति पर सदस्य बनने के लिए किसानों को कहा गया ताकि भविष्य में उन्हें समिति मिलने में कोई बाधा न आये। कृभको क्षेत्रीय प्रबंधक मोहित तिवारी,

सचिव अजादार,संदीप वर्मा के एआर अंजनी तिवारी को आम का पेड़ देखकर सम्मानित किया गया। इस दौरान पर्यावरण की सुरक्षा के लिए भी किसानों को प्रेरित किया गया। इस मौके पर संदीप वर्मा, पूर्व प्रधान राम मूरत यादव, गजेंद्र सिंह समेट काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

एक नजर

आर वेंकटरमणि दोबारा बने देश के अटॉर्नी जनरल

नयी दिल्ली। सीनियर एडवोकेट आर वेंकटरमणि को दोबारा भारत का अटॉर्नी जनरल नियुक्त किया गया है। उन्हें यह जिम्मेदारी अगले दो साल के लिए दी गई है। उनका नया कार्यकाल 1 अक्टूबर से शुरू होगा। वेंकटरमणि (उम्र 75 साल) का मौजूदा तीन साल का कार्यकाल 30 सितंबर को खत्म हो रहा है। वे 30 सितंबर 2022 को देश के अटॉर्नी जनरल बने थे। उन्होंने इस पद पर केके वेणुगोपाल की जगह ली थी।

नक्सलियों की ऑर्डिनेंस फैक्टरी ध्वस्त

सुकमा। छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों को शनिवार को उस वक्त एकबार फिर बेहद अहम कामयाबी मिली, जब उसने सुकमा जिले के मेट्टूगुड़ा में नक्सलियों की 'ऑर्डिनेंस फैक्टरी' (हथियार बनाने की फैक्टरी) का पता लगाकर उसे ध्वस्त कर दिया, और इसक साथ ही वहां से भारी मात्रा में हथियार व विस्फोटक बनाने में इस्तेमाल होने वाले उपकरण और विस्फोटक भी बरामद किए। अधिकारियों ने बताया कि इस महत्वपूर्ण ऑपरेशन को जिला बल सुकमा और कोबरा 203 बटालियन ने संयुक्त रूप से मिलकर काम करते हुए अंजाम दिया।

राजस्थान-एमपी में 4 दिन तेज बारिश का अलर्ट

नयी दिल्ली। राजस्थान में शुक्रवार को मानसून अपने तय समय से 4 दिन पहले विदा हो गया। मध्य प्रदेश के 11 जिलों से मानसून की वापसी हो गई है। हालांकि, दोनों राज्यों में बारिश का दौर अभी जारी रहेगा। मौसम विभाग ने दोनों राज्यों में शनिवार से 30 सितंबर तक तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है। तेलंगाना के कई हिस्सों में शुक्रवार से मूसलाधार बारिश जारी है। हैदराबाद में रात भर मूसलाधार बारिश के कारण शहर के कई हिस्सों में 2-3 फीट तक पानी भर गया। अधिकारियों ने हिमायत सागर जलाशय के गेट खोल दिए, जिससे हालात और बिगड़ गए। चादरघाट के पास मूसी नदी उफान पर आ गई। नदी के आसपास, निचले इलाके डूब गए। नदी किनारे बने मकान पहली मंजिल तक पानी में डूब गए। कई कॉलोनियां जलमग्न हैं। हैदराबाद के महात्मा गांधी बस स्टैंड में भी पानी भर गया। बसों का संचालन बंद है। हैदराबाद में सड़कों पर पानी भरने से गाड़ियों की लंबी कतारें लगी हैं। कई इलाकों में सुबह से ट्रैफिक जाम लगा है। ऑफिस जाने वालों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शहर में अब तक लगभग 1,000 लोगों को राहत शिविरों में पहुंचाया गया है।

मुंगेर में कब्रिस्तान की बाउंड्री को लेकर फायरिंग

मुंगेर। शनिवार को कब्रिस्तान की बाउंड्री को लेकर 2 पक्षों में गोलीबारी हुई है। इसमें एक युवक घायल है। फायरिंग के बाद पथराव किया गया है। मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद है। घायल शख्स का नाम अंकुश कुमार है। वो फरदा गांव का रहने वाला है। उसे इलाज के लिए मुंगेर सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना सफियाबाद थाना क्षेत्र स्थित फरदा गांव की है। ग्रामीण राकेश रंजन ने बताया कि 'बबलू मल्लिक और उसके परिजनों ने अंधाधुंध गोलियां चलाई। लगभग 50 राउंड गोली चली है। गोलीबारी के बाद गुस्साए लोगों ने आरोपियों पर कार्रवाई की मांग को लेकर सफियाबाद-लखीसराय नेशनल हाईवे को बांक टोला फरदा गांव के पास जाम कर दिया है।

रूसी महिला, उसकी बेटियों को रूस भेजा जायेगा

बेंगलुरु। कर्नाटक की गुफा में रहने वाली रूसी महिला और उसकी बेटियों को रूस भेजा जायेगा। जस्टिस बीएम श्याम प्रसाद ने यह आदेश इजराइली नागरिक ड्रोर श्लोमो गोल्डस्टीन की याचिका पर पारित किया, जो इन बच्चों का पिता होने का दावा करता है। गोल्डस्टीन ने कोर्ट से केंद्र को नाबालिग बच्चों को तुरंत देश से नहीं निकालने का निर्देश देने की मांग की थी। नीना कुटीना नाम की यह महिला 11 जुलाई को कुमता तालुका के गोकर्ण के पास रामतीर्थ पहाड़ियों की एक गुफा में मिली थी। वह और उसके बच्चे बिना किसी वैध यात्रा या निवास दस्तावेजों के लगभग दो महीने से वहां रह रहे थे।

गुरुग्राम में बहू ने हवलदार ससुर को पकड़वाया

गुरुग्राम। पुलिस लाइन में सरकारी क्वार्टर में गांजा और अवैध हथियार बरामद होने के मामले में शनिवार को हवलदार पोखर राम को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस का कहना है कि सरकारी फ्लैट नंबर-105 से 1 किलो 700 ग्राम गांजा, पिस्तौलनुमा हथियार व 10 जिंदा कारतूस मिले। नशा और अवैध हथियार की सूचना किसी और ने नहीं बल्कि हवलदार की बहू मीनू ने ही पुलिस को दी। अब एफआईआर में एनडीपीएस व आर्म्स एक्ट के अलावा घरेलू हिंसा व गर्भपात कराने की धाराएं भी लगाई हैं। बहू ने सरकारी क्वार्टर में पुलिस बुला ली थी। उसका कहना है कि घर में साफ-सफाई के दौरान नशा व हथियार देखे। ससुर से पूछा तो उसने सिर पर पिस्तौल तान दी। बोला- ₹किसी को इस बारे में बताना नहीं।₹ बहू का कहना है कि शादी के बाद से ही उसे प्रताड़ित किया जा रहा है। तंग आकर उसने पुलिस को सूचना दी।

तिहाड़ जेल में भूख हड़ताल करेंगे सांसद रशीद

नयी दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के बारामूला से सांसद और तिहाड़ जेल में बंद इंजीनियर रशीद ने गांधी जयंती से पहले दो दिन की भूख हड़ताल करने का ऐलान किया है। वे 1 अक्टूबर सुबह 10 बजे से 3 अक्टूबर सुबह 10 बजे तक भूख हड़ताल पर रहेंगे। राशिद ने महात्मा गांधी को लेटर में लिखा- आज दुनिया को शांति और अहिंसा की सबसे ज्यादा जरूरत है, लेकिन देश और दुनिया हिंसा में उलझे हुए हैं। रशीद ने कहा कि कश्मीरियों को अलग-अलग नामों से बदनाम किया जा रहा है और उनके अधिकार छीने जा रहे हैं। राशिद ने लिखा है कि जो लोग कठोर कानूनों का विरोध करना चाहते हैं, वे भी डर के कारण चुप रहते हैं। कश्मीरी पंडितों की मुश्किलों के जम्मू-कश्मीर की नीतियों को 'प्रयोगशाला' बना दिया गया है। हमारी अहिंसा को कमजोरी समझा जा रहा है और गांधीजी की सीख को भुला दिया गया है।

दिल्ली में मैरी कॉम के घर पर चोरी

नयी दिल्ली। बॉक्सिंग लीजेंड मैरी कॉम के दिल्ली स्थित घर में चोरी हो गई है। मैरी कॉम मेघालय के सोहरा में शनिवार को आयोजित मैराथन कार्यक्रम में शामिल होने गईं थीं जब ये घटना घटी। कार्यक्रम के आयोजकों ने मैरी कॉम को इसकी जानकारी दी। चोर मैरी कॉम के घर से क्या सामान ले गए हैं इसकी जानकारी अभी नहीं मिल पाई है। मैरी कॉम मणिपुर की रहने वाली हैं और देश की सबसे सम्मानित खिलाड़ियों में से एक मानी जाती हैं। मुक्केबाजी में वह 6 बार वर्ल्ड चैंपियन रह चुकी हैं।

दिल्ली पुलिस ने फर्जी एयरफोर्स अधिकारी को गिरफ्तार किया

नयी दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने राजस्थान से 20 साल के युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक खुद को भारतीय वायुसेना का अधिकारी बताकर लोगों से ठगी करता था। आरोपी की पहचान अलवर निवासी तसलीम खान के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि छतरपुर की एक महिला ने शिकायत दी कि आरोपी ने खुद को एयरफोर्स ऑफिसर बताकर उससे 2.52 लाख रुपए ठग लिए हैं। महिला ने बताया कि आरोपी ने नकली एयरफोर्स लेटरहेड पर पत्र और बिल भेजकर पैसे मांगे। इसके बाद पुलिस ने छापेमारी कर उसे गांव मुकंदवास (रामगढ़) से गिरफ्तार किया। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी अपने मोबाइल फोन के जरिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर एयरफोर्स अधिकारी बनकर लोगों को झांसा देता और फर्जी पेपर दिखाकर उनसे पैसे लेता था। अब तक सात पीड़ितों की पहचान हो चुकी है। आरोपी से पूछताछ जारी है ताकि उसके अन्य साथियों का भी पता लगाया जा सके।

प्लेन के टॉयलेट में सिगरेट पीते यात्री गिरफ्तार

मुम्बई। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर शुक्रवार रात एक 25 साल के यात्री को विमान के टॉयलेट में सिगरेट पीने के कारण गिरफ्तार किया गया। एक अधिकारी ने बताया कि फ्लाइट थाईलैंड के फुकेट से मुंबई आई थी। टेकऑफ के दौरान जब यात्रियों ने टॉयलेट से धुआं निकलते देखा, तो विमान के अंदर अफरा-तफरी मच गई। यात्री की पहचान साउथ मुंबई के नेपियंसी रोड निवासी भव्य गौतम जैन के रूप में की गई। उसे मुंबई पहुंचते ही हिरासत में ले लिया गया।

बिहार चुनाव घुसपैठियों को बाहर करने वाला चुनाव

लालू एंड कंपनी ने बिहार को लूटा, दो तिहाई बहुमत से बनेगी एनडीए सरकार : शाह

विश्ववार्ता ब्यूरो

समस्तीपुर। गृहमंत्री अमित शाह ने शनिवार को अररिया में कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं को मालिक कहा। अमित शाह ने कहा कि, 'सभी दल नेताओं के आधार पर चुनाव जीतते हैं सिर्फ हमारी पार्टी ऐसी है कि जिसको चुनाव जिताने का दम नेताओं में नहीं कार्यकर्ताओं में होता है।

शाह ने घोटालों को लेकर लालू परिवार पर निशाना साधा। राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा को घुसपैठियों के लिए यात्रा बताया। गृहमंत्री ने कार्यकर्ताओं से किशनगंज जिताने की अपील की। कहा कि इस बार 160 से ज्यादा सीटें जीतकर हम दिवाली मनाएंगे। शाह ने कहा कि राहुल बाबा कान खोलकर सुन लो, बिहार क्या, कहीं भी यात्रा निकाल लो, भाजपा का संकल्प है कि हम एक-एक घुसपैठिए को बाहर करेंगे। राहुल बाबा और लालू की पार्टियां घुसपैठियों को बचाना चाहती हैं, और हम घुसपैठियों को बाहर निकालना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि लालू एंड कंपनी ने बिहार को लूटा, ढेर सारे घोटाले किए, और कांग्रेस ने भी देश को लूटा। पिछले 11 सालों से देश में नरेंद्र मोदी की सरकार है, और हमारे विरोधी हम पर एक पैसे का भी भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगा पाए हैं।

शाह ने कहा कि बिहार वालों को इस बार 4 दिवाली मनानी है। पहली दिवाली राम जब अयोध्या लौटेंगे उस दिन होगी। दूसरी दिवाली कल ही पीएम मोदी ने जीविका दीदियों के खातों में 10-10 हजार देकर मना दी। तीसरी दिवाली जीएसटी में 350 चीजों के दाम घटाकर मना दी। चौथी दिवाली 160 से ज्यादा सीटों के साथ एनडीए सरकार बनाकर मनाएंगे। शाह ने कहा कि हमें राजद वाला जंगलराज वापस नहीं लाने देना है। नीतीश सरकार में कानून व्यवस्था सुधरी है। पहले के बिहार और आज के बिहार में जमीन आसमान का अंतर है। पीएम मोदी ने पूर्णिया की धरती से ही मखाना बोर्ड की घोषणा की। भागलपुर में विद्घुत संयंत्र का शिलान्यास किया। पूर्णिया में एयरपोर्ट दिया। बिहटा के अलावा 6 एयरपोर्ट और बनाएंगे। कोसी लिंक परियोजना की घोषणा की है, जिससे कोशी क्षेत्र के लोगों को बाढ़ की समस्या से राहत मिलेगी। इन लोगों (राजद और कांग्रेस) ने कुछ काम नहीं किया। बिहार में एनडीए सरकार ने सामाजिक पेंशन को 400 रुपए से बढ़ाकर 1100 रुपए किया है।

अमित शाह ने कहा कि, 'राहुल गांधी चाहते हैं कि घुसपैठियों को वोट का अधिकार मिले। सीमांचल वालों बताओं घुसपैठियों का वोट का अधिकार मिलना चाहिए क्या। राहुल बाबा कान खोलकर सुन लो, बिहार और देश से चुन-चुनकर घुसपैठियों को बाहर निकालेंगे। यह चुनाव बिहार से घुसपैठियों को बाहर निकालने का चुनाव हैं।

इससे पहले उन्होंने समस्तीपुर में नेताओं-कार्यकर्ताओं के साथ मीटिंग की। सरायरंजन स्थित इंजीनियरिंग कॉलेज में डेढ़ घंटे मीटिंग चली। बैठक में समस्तीपुर के अलावा मधुबनी, झंझारपुर, बेगूसराय और खगड़िया समेत 8 जिलों के नेता-कार्यकर्ता शामिल हुए। जहां शाह ने उन्हें चुनावी तैयारियों को लेकर टिप्स दिए।

इससे पहले शुक्रवार को भाजपा प्रवासी प्रभारी की बैठक में अमित शाह ने नेताओं और कार्यकर्ताओं को जीत का नया मंत्र - ट्रिपल एम दिया है। ट्रिपल एम यानी महिला, मोदी और मंदिर दिया। उन्होंने कहा- महिला परिवार की केंद्र बिंदु हैं। हर महिला से मुलाकात कर भाजपा और एनडीए के कार्यों की जानकारी दें।

पटना के भाजपा कार्यालय में हुई बैठक में शाह ने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में हमारा लक्ष्य 225 सीटों पर जीत हासिल करना है। ऐसे में प्रत्येक सीट पर कम से कम 225 बार जनसंपर्क करें। लोगों से मुलाकात करें। उनकी बातें सुनें और अपनी बातें कहें। जाति, धर्म, विचारधारा से अलग होकर लोगों से संपर्क करें। केवल एक ही लक्ष्य है- हर हाल में 225 सीटों पर जीत दर्ज करना।

कोर्ट ने की एम्बुलेंस के रवैये की आलोचना

नयी दिल्ली। दिल्ली के धौंला कुआं के पास 14 सितंबर को हुए बीएमडब्ल्यू हादसे की आरोपी गगनप्रीत कौर को पटियाला हाउस कोर्ट ने जमानत दे दी है। कोर्ट ने जमानत देते हुए हादसे के बाद मौके पर एंबुलेंस पर सवाल उठाए हैं। कोर्ट ने कहा, हादसे के बाद मौके पर 30 सेकंड तक एक एंबुलेंस मौजूद थी जो पास के अस्पताल ही जा ही रही थी। फिर भी वह घायलों को नहीं ले गई। क्या ये लापरवाही नहीं है। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि कुछ ही सेकंड में एक एम्बुलेंस वहां पहुंच गई थी और 30 सेकंड तक वहीं रही। लेकिन घायलों को अस्पताल नहीं ले जाया गया। जबकि उन्हें कोई इमरजेंसी भी नहीं थी औरआर्मी बेस अस्पताल, जा रहे थे जो पास में ही है।

कोर्ट ने पुलिस से पूछा कि इस एम्बुलेंस का क्या किया जाना चाहिए? क्या वे लापरवाही से हुई मौत के अपराध के आरोपी नहीं हैं? कोर्ट ने कहा कि नर्स के साथ एम्बुलेंस घायलों को अस्पताल ले जाने के लिए बाध्य थी। कोर्ट ने आगे कहा, नर्स ने आसपास खड़े लोगों से पूछा कि क्या किसी को मदद चाहिए। लेकिन फिर भी वह 30 सेकंड के भीतर मौके से चली गई।

10 साल के बच्चे का नाइंथ में क्यों नहीं ले रहे एडमीशन : हाईकोर्ट

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने 10 साल के एक बच्चे को 9वीं कक्षा में दाखिला देने से इनकार करने पर सीबीएसई की कड़ी आलोचना की। कोर्ट की पीठ ने सीबीएसई से कहा कि आपकी राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता है। कोर्ट ने नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

लाइव लॉ की रिपोर्ट के अनुसार, मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने प्रतिभाशाली बच्चों के लिए नीति पर केंद्र सरकार का रुख पूछा है। कोर्ट ने एकल पीठ के आदेश के खिलाफ सीबीएसई द्वारा दायर अपील पर सुनवाई की। इसमें 10 साल के लड़के को 9वीं कक्षा में अस्थायी प्रवेश देने का निर्देश दिया गया था।

बच्चे के पिता ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। उन्होंने दावा किया था कि उनके प्रतिभाशाली बेटे ने कक्षा 1 से 8 तक की पढ़ाई पूरी कर ली है, लेकिन सीबीएसई नियमों के तहत उम्र संबंधी प्रतिबंधों के कारण उसे कक्षा 9 में प्रवेश नहीं दिया गया। एकल पीठ ने अस्थायी प्रवेश की अनुमति तो दे दी, लेकिन सीबीएसई ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) का हवाला देते हुए इस आदेश को चुनौती दी। एनईपी 9वीं कक्षा में 10 साल के बच्चे के प्रवेश की अनुमति नहीं देता है।

» सीबीएसई बोर्ड की कोर्ट ने की कड़ी आलोचना

सीबीएसई की याचिका पर सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा और जस्टिस विनय सराफ की खंडपीठ ने सीबीएसई के रवैये पर कड़ी आपत्ति जताई। पीठ ने कहा, ₹तो आपने प्रतिभाशाली बच्चों के बारे में नहीं सुना जो 14 साल की उम्र में एमबीबीएस डॉक्टर बन जाते हैं। आप बुद्धिमत्ता पर अंकुश लगाना चाहते हैं? आप उसे 9वीं कक्षा में नहीं चाहते?

पीठ ने उल्लेख किया कि असाधारण छात्र विश्व स्तर पर उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करते हैं।

भारत अब तकनीक व डिजिटल क्रांति का वैश्विक लीडर

पीएम मोदी ने उड़ीसा से ' स्वदेशी बीएसएनएल 4जी नेटवर्क' का किया उद्घाटन

विश्ववार्ता ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में नया भारत दुनिया के सामने आत्मविश्वास के साथ खड़ा है। भारत न तो किसी की गीदड़ भभकी से डरेगा और न ही किसी दबाव के सामने झुकेगा। आज भारत तकनीक का पिछलग्गू नहीं, बल्कि डिजिटल क्रांति का लीडर बनकर उभरा है। सीएम योगी शनिवार को स्वदेशी तकनीक पर आधारित बीएसएनएल 4जी नेटवर्क और भारत नेट परियोजना के ऑनलाइन उद्घाटन के अवसर पर लखनऊ में कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उड़ीसा में एक विशेष कार्यक्रम के तहत स्वदेशी बीएसएनएल 4जी नेटवर्क' का उद्घाटन किया, जिसमें देश भर से सभी मुख्यमंत्री और संबंधित विभाग के मंत्री और अधिकारीगण ऑनलाइन मौजूद रहे।

सीएम योगी ने कहा कि भारत नेट के स्वदेशी 4जी इंफ्रास्ट्रक्चर डिजिटल क्रांति को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। उन्होंने पीएम मोदी और बीएसएनएल परिवार को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। सीएम योगी ने बताया कि 2017 में मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने हर ग्राम पंचायत को ऑप्टिकल फाइबर और नेटवर्किंग से जोड़ने का संकल्प लिया था, जो भारत नेट ने साकार किया। अब ग्राम सचिवालयों में आय, निवास, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं, जिससे रोजगार सृजन और बैंकिंग सेवाएं ग्रामीण स्तर पर पहुंची हैं। बीसी सखियों के जरिए 100 करोड़ से अधिक का लाभांश ग्रामीणों तक पहुंचा है। बीएसएनएल के 4G नेटवर्क को दूर-दराज के क्षेत्रों, खासकर नक्सल प्रभावित चंदौली, सोनभद्र और चित्रकूट में क्रांति लाने वाला है। आने वाले समय में 5G और 6G की भी तैयारी है।

स्वदेशी बीएसएनएल 4 जी नेटवर्क का ऑनलाइन उद्घाटन करते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी। इस अवसर पर इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में उपस्थित सीएम योगी आदित्यनाथ।

सीएम ने कहा कि संप्रभु राष्ट्र के लिए स्वदेशी सेना, स्वतंत्र विदेश नीति, स्वदेशी तकनीक और भ्रष्टाचार पर नियंत्रण जरूरी है, जो नए भारत में मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि आज भारत की सेना को विश्व की शक्तिशाली सेनाओं में शामिल है। यहां का आकाश, ब्रह्मोस मिसाइल, ड्रोन, रोबोटिक्स में हासिल की गई उपलब्धियां विकसित भारत की पहचान बनी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत मैत्री भाव से विश्व के साथ चलेगा, लेकिन किसी के दबाव में नहीं झुकेगा। पीएम मोदी के नेतृत्व में यह संदेश हर मंच से दिया गया है।

सीएम ने बीते दौर की कठिनाइयों का जिक्र करते हुए कहा कि पहले पेंशन के लिए लोगों को कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते थे, जिसमें आधा पैसा भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता था। अब डीबीटी के जरिए 1 करोड़ निराश्रित महिलाओं, वृद्धों और दिव्यांगों को सालाना 12,000 रुपये की पेंशन सीधे खाते में मिलती है। 60 लाख से अधिक अनुसूचित जाति, जनजाति और ओबीसी छात्रों को 6,000 करोड़ रुपये की स्कॉलरशिप डिजिटल रूप से दी जा रही है।

यूपीआई के जरिए भारत ने सबसे अधिक डिजिटल पेमेंट का रिकॉर्ड बनाया है, जो भ्रष्टाचार पर लगाम और डिजिटल क्रांति का प्रमाण है। सीएम योगी ने कहा कि 2017 से पहले नेटवर्किंग में माफिया के हावी थे। 2017 के बाद ऐसे माफियाओं की कमर तोड़ी गई और सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित की गई। बीएसएनएल का 4G नेटवर्क ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई तकनीक और गति देगा। उन्होंने आत्मनिर्भरता को हर क्षेत्र में जरूरी बताते हुए कहा कि ग्राम पंचायतों और नगर निकायों की आत्मनिर्भरता ही विकसित भारत की नींव होगी।

डिवाइडर से टकराकर पलटी थार, 5 की मौत

मरने वालों में रायबरेली के जज की बेटी भी, हाथों में क्लब के बैंड मिले

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा के गुरुग्राम में शनिवार सुबह दिल्ली की तरफ से आ रही तेज रफ्तार थार बेकाबू होकर डिवाइडर से टकराकर पलट गई, जिसमें 5 लोगों की मौत हो गई। हादसे में एक युवक गंभीर रूप से घायल है, जिसे मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया है।

यूपी नंबर (यूपी 81 सीएस 2319) की इस काले रंग की थार में कुल 6 लोग सवार थे, जिनमें तीन युवक और तीन युवतियां थीं। हादसे में दो युवक और तीन युवतियों की मौत हुई है। वहीं एक मृत युवती की पहचान प्रतिष्ठा मिश्रा के रूप में हुई है जो रायबरेली के जज चंद्रमणि मिश्रा की बेटी हैं।

घटना की सूचना मिलते ही गुरुग्राम पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। हादसे से पहले का एक सीसीटीवी वीडियो सामने आया, जिसमें थार हाईवे पर तेज रफ्तार में निकलती हुई नजर आ रही है। इस घटना में मृतकों में तीन लोग उत्तर प्रदेश के रहने वाले थे, इनमें रायबरेली की प्रतिष्ठा मिश्रा (25), आगरा के आदित्य प्रताप सिंह (30) व लवनय (26) शामिल हैं। गौतम (31) सोनीपत के रहने वाले थे। हालांकि वर्तमान में वह ग्रेटर नोएडा में रहते थे। एक अन्य मृतका का नाम सोनी है। वह कहां की रहने वाली है, ये अभी पता नहीं चल पाया है। वहीं, घायल युवक की पहचान कपिल शर्मा (28) के रूप में हुई, जो उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर का रहने वाला है।पुलिस के मुताबिक यह हादसा शनिवार अलसुबह करीब 4:15 बजे गुरुग्राम के झाड़सा चौक पर हुआ। राहगीरों ने बताया की गाड़ी दिल्ली की तरफ से स्पीड में आ रही थी, तभी

नेशनल हाईवे-48 के एग्जिट नंबर 9 से नीचे उतरते ही ड्राइवर ने गाड़ी से कंट्रोल खो दिया और थार पहले डिवाइडर से टकराई और फिर पलट गई। राहगीरों ने ही पुलिस को इस हादसे की जानकारी दी, जिसके बाद पुलिस टीम और एम्बुलेंस मौके पर पहुंची। गाड़ी में सवार सभी लोग बुरी तरह अंदर फंसे हुए थे। उन्हें आसपास के लोगों की मदद से बाहर निकाला गया।

हादसे में मृत सभी लोगों के हाथों पर क्लब के बैंड भी मिले हैं, जिससे यह आशंका जताई जा रही है कि देर रात इन सभी ने क्लब में पार्टी की होगी और फिर घर वापस लौट रहे होंगे। हालांकि पुलिस ने आधिकारिक तौर पर क्लब से लौटने वाली बात नहीं बताई है, साथ ही अभी इस बात का भी खुलासा नहीं हुआ है कि घटना के वक्त गाड़ी में सवार लोग नशे में थे या नहीं।

हादसे के बाद डीसीपी ट्रैफिक डॉ राजेश मोहन ने मौके का मुआयना किया। उन्होंने बताया कि सड़क पर दिख रहे टायरों के निशान से साफ है कि गाड़ी काफी स्पीड में थी। पुलिस सभी एंगलों पर जांच कर रही है। सड़क के आसपास के सभी सीसीटीवी कैमरों की चेकिंग की जा रही है।

पंजाब के लिए घोषित 1600 करोड़ के राहत पैकेज की राशि सरकार को नहीं

» सर्वे बाद सीधे किसानों के खाते में जायेंगे पैसे- वर्मा

एजेंसी

चंडीगढ़। केंद्रीय राज्य मंत्री बी.एल. वर्मा ने शनिवार (27 सितंबर) को कहा है कि पंजाब के लिए घोषित 1600 करोड़ रुपए का राहत पैकेज सीधे किसानों के खातों में भेजा जाएगा, राज्य सरकार को नहीं।

उन्होंने बताया कि जैसे ही गिरदावरी (फसल के नुकसान का सर्वे) पूरा होगा, पैसा किसानों को मिल जाएगा। अगर जरूरत पड़ी, तो अतिरिक्त मदद भी दी जाएगी। ये राहत पैकेज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाढ़ से प्रभावित इलाकों का दौरा करने के बाद घोषित किया था। लेकिन पंजाब सरकार ने कहा है कि यह रकम बहुत कम है और इससे किसानों की पूरी मदद नहीं हो पाएगी।

केंद्रीय मंत्री वर्मा ने कहा कि पंजाब में जो बाढ़ आई है, उसकी जांच होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि लुधियाना में सतलुज नदी के किनारे बहुत ज्यादा खनन किया गया है। मंत्री ने आरोप लगाया कि यह खनन पंजाब सरकार में जल संसाधन मंत्री के भाई ने करवाया है। लोग इसके खिलाफ प्रदर्शन भी कर चुके हैं, लेकिन उनकी बात नहीं मानी गई। खनन की वजह से करीब 340 एकड़ जमीन में कटाव हुआ है।

मीडिया से बातचीत कर राहत पैकेज पर जानकारी देते केंद्रीय राज्यमंत्री बीएल वर्मा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 9 सितंबर को पंजाब पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने पंजाब में बाढ़ का हवाई सर्वे किया। गुरदासपुर में पीएम मोदी ने 19 किसानों तथा एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीम से बातचीत की। मंत्रियों और अधिकारियों के साथ बैठक के बाद उन्होंने पंजाब को 1600 करोड़ रुपए देने का ऐलान किया। इसके अलावा, पीएम ने मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपए और घायलों को 50-50 हजार रुपए देने की घोषणा भी की।

बिहार में एनडीए का राज आने के बाद स्थापित हुआ कानून का राज

मधुबनी में एनडीए कार्यकर्ताओं से संवाद किया नीतीश ने

संजय सिंह

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज मधुबनी जिला के सिरसिया-परसाही स्थित पावर ग्रिड के मैदान में आयोजित कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज मुझे प्रगति यात्रा के दौरान घोषित योजनाओं के स्थल भ्रमण एवं शिलान्यास के लिए मधुबनी आने तथा आपसे बातचीत करने का मौका मिला है। बहुत खुशी की बात है कि इस कार्यकर्ता संवाद में आप सब लोग उपस्थित हैं। मैं आपका अभिनंदन करता हूँ। आप सब जानते हैं कि पहले की सरकार ने कोई काम नहीं किया। पहले बिहार का बहुत बुरा हाल था। जब 24 नवंबर, 2005 को एनडीए की सरकार बनी थी, तब से हमलोग बिहार के विकास में लगे हुये हैं। राज्य में कानून का राज है, सभी क्षेत्रों में तेजी से विकास हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 24 नवंबर, 2005 को हमलोगों की सरकार बनी थी, तब से राज्य में कानून का राज है और हम लगातार 20 वर्षों से विकास के काम में लगे हुये हैं। याद है ना पहले क्या स्थिति थी? पहले बहुत बुरा हाल था? लोग शाम के बाद घर से बाहर नहीं निकालते थे। समाज में कितना विवाद होता था। कितना हिन्दू-मुस्लिम झगड़ा होता था? पढ़ाई का क्या हाल था, बहुत कम बच्चे पढ़ते थे, बहुत कम पढ़ाई होती थी। पहले इलाज का पूरा इंतजाम नहीं था। सड़कें बहुत कम थी और जो थी उनका बुरा हाल था। बिजली बहुत कम जगह थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शुरू से ही बिहार के विकास का काम हो रहा है। अब किसी प्रकार के डर एवं भय का वातावरण नहीं है। राज्य में प्रेम, भाईचारा एवं शांति का माहौल है। वर्ष 2006 से ही कब्रिस्तान की घेराबंदी शुरू की गयी है। बड़े पैमाने पर कब्रिस्तानों की घेराबंदी की जा चुकी है। अब कोई झगड़ा झंझट नहीं होता है। वर्ष 2016 से 60 वर्ष से पुराने हिन्दू मंदिरों की घेराबंदी की जा रही है जिससे चोरी आदि की घटनायें नहीं होती हैं। सर्वप्रथम शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में विशेष ध्यान दिया गया है। हमलोगों ने बड़ी संख्या में नये स्कूल खोले और नियोजित शिक्षकों की बहाली की। शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु लड़के-लड़कियों के लिए पोशाक एवं साइकिल योजना चलायी। हाल ही में बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) द्वारा 2 लाख 58 हजार सरकारी शिक्षकों की बहाली की गयी है। इसमें पूर्व के 28 हजार 976 नियोजित शिक्षक, सरकारी शिक्षक बन गये। फिर सरकार ने तय किया कि नियोजित शिक्षकों को बीपीएससी की परीक्षा देने की जरूरत नहीं है। उन्हें मामूली सी परीक्षा लेकर, सरकारी शिक्षक बनाया जाय। इसके लिए उन्हें 5 मौके देने तय किये गये। इसके तहत अब तक 3 परीक्षाओं का आयोजन हो चुका है। जिसमें 2 लाख 62 हजार नियोजित शिक्षक पास हो गये हैं। अब केवल 77 हजार नियोजित शिक्षक बच गये हैं। इसके बाद 2 मौके और दिये जायेंगे। अब कुल मिलाकर सरकारी शिक्षकों की संख्या 5 लाख 20 हजार हो गयी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार किया गया है। पहले स्वास्थ्य व्यवस्था बहुत खराब थी। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में इलाज के लिए प्रतिमाह मात्र 39 मरीज ही आते थे यानी प्रतिदिन एक या दो मरीज आते थे। वर्ष 2006 से अस्पतालों में मुफ्त दवा और इलाज की पूरी व्यवस्था की गयी है। अब प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में हर महीने औसतन 11 हजार 600 मरीज आते हैं। पहले मात्र 6 मेडिकल कॉलेज थे जिनकी संख्या अब 12 हो गयी है तथा 20 जिलों में नये मेडिकल कॉलेज बनाये जा रहे हैं। बचे 7 जिलों में भी मेडिकल कॉलेज बनाये जायेंगे। पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल को 5 हजार 400 बेड तथा अन्य 5 पुराने मेडिकल कॉलेज को ढाई हजार बेड का किया जा रहा है। साथ ही आईजीआईएमएस को 3 हजार बेड का बनाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला सशक्तीकरण पर जोर दिया गया है। वर्ष 2006 में पंचायती राज संस्थाओं एवं वर्ष 2007 में नगर निकायों में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण से शुरूआत की गयी। अब तक चार चुनाव हो चुके हैं। बड़ी संख्या मे महिलायें चुनकर आ रही है। वर्ष 2013 से पुलिस में महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत आरक्षण दिया।

जयेश मीडिया प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक रोहित बाजपेयी द्वारा दि इंडियन एक्सप्रेस लि. सी-26 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, कानपुर रोड, लखनऊ से मुद्रित और 33 कैंट रोड निकट ओडियन सिनेमा लखनऊ से प्रकाशित।
संपादक- मनोरंजन सिंह*, उत्तराखंड कार्यालय- जे.एन. प्लाजा कॉम्पलेक्स, तृतीय तल, जिला जज न्यायालय के सामने, हरिद्वार रोड, देहरादून
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। समस्त विवादों का निस्तारण लखनऊ न्यायालय में मान्य होगा।
RNI No. UPHIN/2008/28657 Phone No.: (BSNL) 0522-2619671, 2619672 Phone No.: (AIRTEL) 0522-4323301, 4323302, 4323303 E-Mail: vishwavarta.response@gmail.com, dailyvishwavarta@yahoo.com dailyvishwavarta@rediffmail.com